रांची

www.vananchaleye@gmail com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:62 | गुरुवार,06 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

मदरसे से निकले लाखों केनकली नोट का मास्टरमांइडनिकला डॉ प्रतीक

एजेंसी

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में मदरसे सेनिकले 20 लाख के नकली नोट के मामले में नया मोड़ आगया है। पुलिस ने दावा किया है कि बुरहानपुर का निलंबितडॉ ?टर प्रतीक नवलखे ही इस नकली नोट कांड काअसली मास्टरमाइंड है। प्रतीक नवलखे की संपत्ती सीजकर दी गई है। महाराष्ट्र की मालेगांव पुलिस ने हरिपुरानिवासी जुबेर अंसारी को 29 सितंबर को 10 लाख रुपएके नकली नोटों के साथ पकड़ा था। मामला सामने आने केबाद खंडवा जिले के पेठिया जहां जुबेर एक मस्जिद मेंइमाम था, वहां के मुस्लिम लोगों ने पुलिस बुलाकर उसकेकमरे की तलाशी करवाई।तलाशी में मदरसे से 19.87लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। अब इस मामलेमें बुरहानपुर के निलंबित डॉ ?टर प्रतीक नवलखे का नामसामने आया, जो इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। इसकेबाद बुरहानपुर पुलिस ने इतवारा गेट स्थित निलंबितडॉ ?टर प्रतीक नवलखे संपत्ती को सीज कर दिया है।बुरहानपुर के एएसपी ने बताया कि महाराष्ट्र में डॉ ?टरप्रतीक के खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी मिलतेही बुरहानपुर में उसके मकान को सीज कर दिया है। यहकार्रवाई जांच समिति को जांच में सुविधा प्रदान करने केउद्देश्य से की गई है।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान केलिए भीड़, देवरिया में 12श्रद्धालुओं से भरी नाव

एजेंसी

पलटी कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान केलिए भीड़, देवरिया में 12श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटीदेवरिया (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगाघाटों पर स्नान के लिए भीड़ उमड़ी है। देवरिया में सरयूनदी में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। हादसे के बादचीख-पुकार मच गई। महिलाएं चिल्लाने लगीं। श्रद्धालुओंको डूबता देख घाट पर मौजूद गोताखोर और नाविक नदीमें कूद गए। जैसे-तैसे महिलाओं और डूब रहे श्रद्धालुओंको रस्सी के सहारे बचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बतायाकि सरयू का बहाव तेज था। नाव भी ओवरलोड थी। तभीबीच धारा में पहुंचते ही नाव डगमगा गई और पलट गई।स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां हादसा हुआ वहां नदीकी गहराई 20 फीट से ज्यादा थी। वहीं कार्तिक पूर्णिमा परकाशी और प्रयागराज में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु गंगास्नान कर चुके हैं। अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर भी 5लाख श्रद्धालुओं की भीड़ रही। वहां हनुमान गढ़ी में दर्शनके लिए भक्तों की एक किमी लंबी लाइन लगी है। अमरोहा,हापुड़ और बरेली के घाटों पर भी स्नानार्थियों का सैलाबउमड़ा। अमरोहा-हापुड़ में 40-40 लाख लोगों के पहुंचनेका अनुमान है। बदायूं में भक्त बैलगाड़ी से गंगा स्नान करनेपहुंचे। उधर, काशी की देव दिवाली को देखने के लिए 40से ज्यादा देशों के लोग पहुंचे हैं।

झारखंड की लुगूबुरु पहाड़ी पर अंतरराष्ट्रीय संथाल आदिवासी धर्म महासम्मेलन में उमड़ा आस्था का सैलाब

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोले- यह हमारी अटूट आस्था का केंद्र है

बोकारो : झारखंड के बोकारो जिले की लुगुबुरु पहाड़ी और उसकी तराई में संथाल सरना आदिवासियों के 25वें अंतरराष्ट्रीय धार्मिक सम्मेलन में बुधवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। 3 नवंबर से शुरू हुए इस सम्मेलन और उत्सव में भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा नेपाल और भूटान से तीन लाख से भी अधिक सरना आदिवासियों की भागीदारी रही। सम्मेलन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा के प्रति अटूट

आस्था और श्रद्धा का परिचायक है। उन्होंने कहा, 'हमारी परंपराएं हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं। जितनी गहराई से हम इन्हें समझेंगे, उतना ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकेंगे।' वह पहाड़ी संथाल सरना आदिवासियों के सबसे बड़ा धार्मिक तीर्थस्थल है और इसे लुगुबुरु घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ के नाम से जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने वहां अपनी धर्मपत्नी और विधायक कल्पना सोरेन के साथ पारंपरिक विधि-विधान से संथालियों के आदि पुरुष लुगु बाबा की पूजा-अर्चना की और राज्यवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। सोरेन ने कहा कि लुगुबुरु संताल समाज का वह पवित्र स्थल है, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सरकार इस तीर्थस्थल की व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर बना रही है ताकि श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगुबुरु जल्द ही विश्व के धार्मिक मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा।

गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

एक-दूसरे का हाथ थाम कर आगे बढ़ने में ही सबसे बड़ी ताकत : हेमंत

संवाददाता

समाज को एक सूत्र में बंधे रहने का संदेश देता है यह पावन आयोजन

रांची:बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश उत्सव में शामिल हुए।इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ दिन है। गुरुनानक जयंती का दिन समस्त सिख समाज केलिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्वयं हर वर्ष इस दिन थोड़ी देर के लिए यहां आता हूं। कार्यक्रम शामिल होकर मुझे बहुत हर्ष की अनुभूति होती है। यह पावन आयोजन समाज को एक सूत्र में बंधे रहने का संदेश देता है।इस संदेश से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि एक- दूसरे का हाथ थाम कर आगे बढ़ने में ही सबसे बड़ी ताकत है।मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देव जी के विचारों एवं वचनों में सामाजिक एकता पर जोर

- बुरुनानक देव जी के आदर्शों पर चलकर ही संभव हो सकता है सशक्त समाज का निर्माण
- गुरुनानक देव जी के विचारों और वचनों में सामाजिक एकता पर दियागया है जोर
- हम सबों को सदैव एक-दूसरे के सहयोग और सहायता से बढ़ना चाहिएआगे

दियागया है इससे पहले मुख्यमंत्री ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक समस्त झारखंड वासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री ने समस्त सिख समुदाय एवं राज्यवासियों को गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व एवं कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

सकल समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देव जी सिर्फ सिख समाज के लिए ही नहीं, बल्कि सकल समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। गुरुनानक देव की दूरदर्शी सोच, उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते और उनके आदर्शों पर चलकर ही सशक्त समाज के निर्माण की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

मिर्जापुर में ट्रेन की चपेट में आकर छह महिलाओं सहित 8 श्रद्धालुओं की मौत

बुधवार को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जनपद में चुनार रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा हो गया। नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें 6 महिलाएं हैं। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना सुबह करीब 9:30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई। बताया जा रहा है कि चोपन से आई पैसेंजर ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर्व के चलते भीड़ अधिक होने से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म की ओर न उतर कर दूसरी तरफ ट्रैक से नीचे उतरने लगे। तभी तेज रफ्तार से आई नेताजी एक्सप्रेस उसी ट्रैक से गुजर गई। श्रद्धालु कुछ समझ पाते, इससे पहले ही ट्रेन ने कईलोगों को चपेट में ले लिया। घायल यात्रियों को तुरंत जिला अस्पताल व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन मनीष मिश्रा ने बताया कि इस हादसे में 6 महिला मृतकों की पहचान कर ली गई है। इनमें सविता (28) पत्नी राजकुमार निवासी कमरिया थाना राजगढ़, साधना (16) पुत्री विजय शंकर बिंद, शिव कुमारी (12) पुत्री विजय शंकर, अप्पू देवी (20) पुत्री श्याम प्रसाद

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदान से पहले लगाया आरोप, कहा

बिहार में चलाया जा रहा 'ऑपरेशन सरकार चोरी'

एजेंसी

पटना: बिहार में पहले फेज की 121 सीटों पर मतदान से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा आरोप लगाया। कहा कि हरियाणा की तरह बिहार में 'ऑपरेशन सरकार चोरी' चलाया जा रहा है। राहुल ने बिहार के 5 वोटरों को मंच पर बुलाया। सभी ने कहा कि उनके नाम वोटर लिस्ट काट दिए गए हैं। राहुल ने वोटर वैरिफिकेशन पर 1 घंटा 20 मिनट लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 3.5 लाख वोटर्स का नाम लिस्ट से काट दिया गया था। बिहार में भी यही दोहराया जा रहा है। चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट दी जाती है, ताकि लोकतंत्र को मारा जा सके। उन्होंने अपने प्रजेंटेशन में हरियाणा की

वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि ब्राजील की एक मॉडल ने हरियाणा चुनाव के दौरान 10 बूथ पर 22 बार वोट डाले।राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उनके आरोपों पर पलटवार किया। रिजिजू ने कहा- राहुल ने जो प्रजेंटेशन दिया, वह फर्जी है। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ विदेशी महिलाओं के नाम का जिक्र किया। वे संसद सत्र चलते समय विदेश चले जाते हैं। छिपकर थाईलैंड-कंबोडिया जाते हैं। उन्हें विदेश से जो प्रेरणा मिलती है, उसके आधार पर वे लोगों का समय बर्बाद करते हैं कहा कि हरियाणा की तरह बिहार में 'ऑपरेशन सरकार चोरी' चलाया जा रहा है। राहुल ने बिहार के 5 वोटरों को मंच पर बुलाया। सभी ने कहा कि उनके नाम वोटर लिस्ट काट दिए गए हैं। राहुल ने वोटर वैरिफिकेशन पर 1 घंटा 20 मिनट लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 3.5 लाख वोटर्स का नाम लिस्ट से काट दिया गया था। बिहार में भी यही दोहराया जा रहा है। चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट दी जाती है, ताकि लोकतंत्र को मारा जा सके।

हरियाणा में हटा दिए गए थे 3.5 लाख वोटर्स के नाम

राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दिया इस्तीफा, पुलिस महकमे में हलचल तेज

संवाददाता

रांची : झारखंड में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इस्तीफा दे दिया है। विश्वस्त आधिकारिक सूत्रों के हवाले से आई खबर के मुताबिक उन्होंने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर अपना त्यागपत्र सौंपा। सूत्रों का कहना है कि गुप्ता ने मंगलवार की देर शाम त्यागपत्र दिया। सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर इस संबंध में कोई वक्तव्य या सूचना नहीं दी गई है, लेकिन उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार सरकार ने बुधवार को उनका स्वीकार कर लिया है और नई नियुक्ति तक उन्हें पद पर बने रहने को कहा है। राज्य में नए डीजीपी की नियुक्ति पर उच्चस्तरीय विमर्श तेज हो गया है। सीनियर आईपीएस प्रशांत सिंह और दूसरे एमएस भाटिया में से किसी एक का नाम संभावित डीजीपी के तौर पर सामने आ

रहा है। अनुराग गुप्ता 1990 बैच के आईपीएस हैं, जिन्हें वर्ष 2022 में पुलिस महानिदेशक (डीजी) के रैंक में प्रमोशन मिली थी। इसके बाद वह डीजी ट्रेनिंग बनाये गये थे। झारखंड सरकार ने 26 जुलाई 2024 को उन्हें प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया था। चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव से पहले उन्हेंउनके पद से हटा दिया गया। चुनाव प्रक्रिया समाप्त होते ही 28 नवंबर 2024 में हेमंत सोरेन सरकार ने उन्हें फिर से प्रभारी डीजीपी के रूप में तैनात किया। अखिल भारतीय सेवाओं की नियमावली के अनुसार, अनुराग गुप्ता को 30 अप्रैल, 2025 को 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर उन्हें सेवानिवृत्त होना था, लेकिन इसके पहले राज्य सरकार ने डीजीपी नियुक्ति के लिए एक नई नियमावली लागू की। नई नियमावली के तहत 2 फरवरी 2025 को अनुराग गुप्ता को दो वर्ष के लिए नियमित डीजीपी के पद पर नियुक्त किया गया। इस नई नियमावली के अनुसार, उनका कार्यकाल फरवरी 2027 तक था। नई नियमावली का हवाला देकर राज्य सरकार ने उनके सेवा विस्तार पर केंद्र की मंजूरी नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसपर आपत्ति जताई थी।

घाटशिला | मशहूर फिल्म निर्देशक मीरा नायर के बेटे जोहरान ममदानी चुने गए न्यूयॉर्क के मेयर

'भारतीय' युवक ने रचा इतिहास नया, ट्रंप की धमकी

एजेंसी

न्यूयॉर्क : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए न्यूयॉर्क के लगों ने भारतीय मूल के डेमोक्रेट नेता जोहरान ममदानी को अपना नया मेयर चुन लिया है। इसके साथ ही 34 वर्षीय ममदानी ने अमेरिका में एक नया इतिहास रच दिया है। वह इस पद पर चुने गए पहले भारतीय-अमेरिकी मुस्लिम और पिछले एक सदी में सबसे युवा मेयर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ममदानी का खुलेआम विरोध किया था। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर ममदानी को मेयर चुना गया तो वह न्यूयॉर्क को फेडरल फंडिंग रोक देंगे। न्यूयॉर्क के लोगों ने इस धमकी के बावजूद ममदानी को जबर्दस्त सपोर्ट दिया। उन्होंने पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराते हुए 50.4% वोट हासिल किए। इस चुनाव में 20

लाख से अधिक मतदाताओं ने वोटिंग की, जो 1969 के बाद सबसे अधिक है। ममदानी 1 जनवरी को पदभार संभालेंगे। विक्ट्री स्पीच में ममदानी ने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त 1947 के ऐतिहासिक भाषण ट्रिस्ट विद डेस्टिनी का जिक्र करते हुए कहा कि इआज न्यूयॉर्क ने अपनी तकदीर से नया रिश्ता जोड़ा है।भाषण के बाद वे पत्नी के साथ धूम मचा ले गाने पर झूमते नजर आए। मंच पर उनकी मां, फिल्म निर्देशक मीरा नायर और पिता, विद्वान महमूद ममदानी भी मौजूद थे। ममदानी ने कहा कि वे न्यूयॉर्क को इऐसा शहर बनाना चाहते हैं जिसे हर कोई अफोर्ड कर सके। उन्होंने वादा किया कि सभी बच्चों के लिए फ्री केयर शुरू की जाएगी, किफायती घरों का किराया फ्रीज किया जाएगा, पब्लिक बसों में मुफ्त यात्रा मिलेगी और शहर की अपनी किराना दुकानों की शृंखला खोली जाएगी। चुनावी अभियान के दौरान ममदानी ने साफ-साफ कहा कि इसरकार का काम है लोगों की जिंदगी आसान बनाना। उन्होंने अमीरों पर टैक्स लगाने, बच्चों की देखभाल बढ़ाने और सभी के लिए आवास को हक बनाने की मांग की।

रक्षा क्षेत्र में मिल-जुलकर की गई खोज सबसेमजबूत सुरक्षा कवच : सेना प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी) सेना प्रमुखउपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आज दुनिया में कईतरह के खतरे हैं और वे तेजी से बदल रहे हैं इसके बाद कोई भी देश अपने दम पर सुरक्षितनहीं रह सकता। अब सभी को मिलकर कामकरना होगा। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र मेंमिलजुलकर की गई खोज (इनोवेशन) होसबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। जनरल द्विवेदीने यह बात एक कार्यक्रम में कही। इसकार्यक्रम में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षाविशेषज्ञ और उद्योग जगत के लोग शामिलहुए। इस दौरान सेना प्रमुख ने कहा कि सेनाअब ड्रोन युद्ध, क्वांटम टेक्नोलॉजी, 6जी औरस्पेस मिशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहीहै। हम इसतरह की तकनीकों पर काम कर रहेहैं जो नागरिक और सैन्य दोनों जगह उपयोगीहों।जनरल द्विवेदी ने बताया कि ऑपरेशनसिंदूर के बाद सेना को

आर्थिक मजबूती मिलीहै, अब सेना को काम करने में ज्यादा आजादीऔर लचीलापन मिल रहा है। इसका कारणनए हथियार और तकनीक को शामिल करनेकी प्रक्रिया तेज हो गई है।सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य में होनेवाली लड़ाई में मशीनें और टेक्नोलॉजी काबड़ा रोल होगा। सेना अब पूरी तरह ऑटोमेशनऔर मैन-अनमैन्ड टीम्स की तरफ देख रही है इससे सैनिकों की उतनी ही स ?या से हमेंज्यादा काम मिल सके। यह तभी हो पाएगा,जब उद्योग हमारे साथ मिलकर नई तकनीकदें। आने वाले समय में युद्ध किसी एक तरीकेया क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य की जंगइस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपने विचारोंको कितनी जल्दी असली ताकत औरक्षमतामें बदल पाते हैं। विचार से क्षमता तक पहुंचनेका मतलब है कि निर्भरता से आत्मनिर्भरताऔर फिर आत्मनिर्भरता से शक्ति हासिलकरना। भारत ने कई आधुनिक हथियार बनाएहैं, जैसे आकाश एयर डिफेंस सिस्टम,एटीएजीएस तोप और जोरावर लाइट टैंक। वेउदाहरण बताते हैं कि भारत अब रक्षा के क्षेत्र मेंअपने दम पर मजबूत हो रहा है। अब वेशकलड ? का तरीका बदल गया है और अब झगड़ेसिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहते। लेकिनचाहे युद्ध जैसा भी हो, अंत में जमीन ही जीतका असली पैमाना होती है, यही असलीसफलता तय करती है।

इंडियन बैंक ने मेगा स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का किया आयोजन

रांची, संवाददाता ।

श्री बिनोद कुमार, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंडियन बैंक की अध्यक्षता में बुधवार को इंडियन बैंक द्वारा मेगा स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम इंडियन बैंक के निदेशक श्री बाल मुकुंद सहाय भी की उपस्थिती में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम श्री बाल मुकुंद सहाय, निदेशक इंडियन बैंक ने अपने वक्तव्य में महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर भारत पर जोर दिया। श्री बिनोद कुमार ने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आप बहुत अच्छा समान बनाते है पर उसका मार्केटिंग बहुत जरूरी है सभी बनाए हुए समान का ब्रांडिंग जरूरी है। ब्रांडिंग कर घर बैठे अमेजन एवं फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म पर अपना समान बेच सकते है। उन्होंने आगे कहा कि एसएचजी सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु इंडियन बैंक स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (इंडसेटी) स्थापित किए हैं। महिलाएं भी जागरूक होकर आगे बढ़े, इंडसेटी से प्रशिक्षण लेकर अपना खुद का व्यवसाय को अच्छे ढंग से शुरू करें।

उन्होंने यह भी कहा कि सशक्त महिला ही हमारी शक्ति है। इंडियन बैंक देश का 7वां बड़ा बैंक सार्वजनिक क्षेत्रक बैंक है इसका कारोबार करीब 14 लाख करोड़ पार हो गया है। इंडियन बैंक पहला बैंक है जो माइक्रोसेट शाखा बनाई है जो केवल स्वयं सहायता समूह को ऋण प्रदान करती है इस प्रकार की कुल 69 शाखाएँ है। आगे उन्होंने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है, इसमें महिलाओं का बहुत योगदान है। विकसित देश बनने के लिए महिलाओं को भी कार्य करना होगा। सशक्त देश के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्वयं सहायता समूह को कुल 104 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें से रांची अंचल से कुल 54 करोड़ रुपये का ऋण एवं देवघर अंचल से कुल 50 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृति प्रदान की गई। कुछ स्वयं सहता समूह सदस्यों ने अपने अनुभव को साझा किया।

झारखंड चैंबर की उप समितियों की बैठक में व्यापारिक सुधार व उद्योग प्रोत्साहन पर जोर

रांची, संवाददाता ।

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की आज कई उप समितियों की बैठक चैंबर भवन में संपन्न हुई. बैठकों में व्यापार, उद्योग और प्रशासनिक सहयोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लिया गया. बैठक में राज्य में एडवांस फूड टेस्टिंग लैब और मोबाइल वैन लैब की जरूरत पर जोर दिया गया. इस पर यह सुझाव दिया गया कि जब तक किसी खाद्य उत्पाद के सैंपल की जांच रिपोर्ट नहीं आती, तब तक व्यापारी का नाम सार्वजनिक न किया जाए. उप समिति के चेयरमैन सुबोध चौधरी ने कहा कि इस माह फूड सेफ्टी विभाग के साथ एक कैंप लगाया जाएगा, जिससे व्यापारियों को लाइसेंस नवीकरण और अन्य समस्याओं का समाधान मिल सके. चेयरमैन कुशल टेकरीवाल ने कहा कि जल्द ही हेल्थ अवेयरनेस पर भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें असली और नकली फूड की पहचान की प्रक्रिया बताई जाएगी. बैठक में चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और अन्य सदस्य उपस्थित थे.

चैंबर कनेक्ट उप समिति की बैठक

बैठक में पड़ोसी राज्यों के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के साथ संवाद बढ़ाने का निर्णय लिया गया. उप समिति चेयरमैन अनिष सिंह ने बताया कि जल्द ही एक इंटर-स्टेट चैंबर कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा ताकि अनुभवों का आदान-प्रदान हो सके. सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि नये सदस्यों को जोड़ा जाएगा और विभिन्न राज्यों की औद्योगिक नीतियों का अध्ययन कर सरकार को सुझाव भेजे जाएंगे.

पॉलिसी सजेशन उप समिति की बैठक

बैठक में निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने और सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी बनाने की मांग की गई. उप समिति चेयरमैन शैलेंद्र सुमन ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में छोटे व्यवसायियों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाया जाए. यह भी तय हुआ कि सरकार को एक ज्ञापन सौंपकर इन सुझावों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी.

कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रा उप समिति की बैठक

चैंबर और बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (इअक) की संयुक्त बैठक में राज्य सरकार द्वारा टेंडरों से आर्बिट्रेशन क्लॉज हटाए जाने पर चिंता जताई गई. उप समिति चेयरमैन रवि राज अग्रवाल ने कहा कि इससे निर्माण क्षेत्र के ठेकेदारों को नुकसान हो रहा है. बैठक में तय हुआ कि इस निर्णय के खिलाफ रिट याचिका दाखिल की जाएगी.

को-ऑर्डिनेशन विद एडमिनिस्ट्रेशन उप समिति की बैठक

बैठक में व्यापारियों और प्रशासन के बीच समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया. उप समिति चेयरपर्सन पूनम आनंद ने कहा कि हर जिले में व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जिला चैंबर और उपायुक्तों की संयुक्त बैठकें आयोजित की जाएंगी. साथ ही, इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर के आयोजन के लिए मोराबादी मैदान के आवंटन को लेकर प्रशासन से जल्द मुलाकात करने का निर्णय लिया गया. बैठक में वस्त्र व्यापारियों को एक साझा मंच पर लाने की आवश्यकता पर चर्चा हुई. उप समिति चेयरमैन विक्रम खेतावत ने बताया कि रांची में जल्द ही टेक्सटाइल एक्सपो आयोजित किया जाएगा, जिससे वस्त्र उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा.

रांची में 14 से 16 नवंबर तक होगी वॉलीबॉल प्रतियोगिता

रांची, संवाददाता ।

जिला वॉलीबॉल संघ की ओर से स्वर्गीय बसंत लाल वर्मा स्मृति रांची जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 16 नवंबर 2025 तक किया जाएगा. यह प्रतियोगिता हरमू रोड स्थित मारवाड़ी युवक व्यायामशाला, मारवाड़ी भवन में होगी. यह प्रतियोगिता सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों के लिए होगी, जिसमें रांची जिले की सभी संबद्ध टीमें हिस्सा लेंगी. इस प्रतियोगिता के आधार पर चुने गए खिलाड़ियों की टीम 16 दिसंबर से जमशेदपुर में होने वाली राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में रांची का प्रतिनिधित्व करेगी. पिछले साल रांची की टीम राज्य प्रतियोगिता में उपविजेता रही थी. इस बार टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है.प्रतियोगिता में केवल रांची जिले के खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं. दूसरे जिले के खिलाड़ियों को अपने जिला संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र लाना जरूरी होगा. महिला खिलाड़ियों के लिए चयन ट्रायल 17 नवंबर की सुबह 8 बजे रांची विश्वविद्यालय शहीद चौक मैदान में होगा.

मंत्री इरफान अंसारी व चालक कल्याण संघ ने की घायल बस ड्राइवर की मदद

मंत्री ने अस्पताल में दिलाई 90 हजार की छूट व संघ ने 75 हजार की आर्थिक मदद की

रांची, संवाददाता ।

रांची से कोलकाता जाने के क्रम में झारग्राम थाना क्षेत्र में हादसे का शिकार हुए 'व्हाइट हॉर्स' नामक बस के चालक मोहम्मद असलम को बस चालक कल्याण संघ की ओर से 75 हजार रुपये सहायता प्रदान की गई. घायल चालक को इलाज के लिए रांची के लाइफ केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जानकारी मिलते ही बस चालक कल्याण संघ ने इसका संज्ञान लिया और चालक के इलाज के लिए आगे आई. संघ ने रांची-कोलकाता रूट पर चलने वाले सभी बस चालकों से बातचीत की, जिसके बाद सभी ने मिलकर अपने दो दिन की सैलरी संघ को दी. इस सामूहिक सहयोग से चालक का इलाज संभव हो सका. संघ के प्रतिनिधियों ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से भी संपर्क किया जिन्होंने अस्पताल प्रशासन से बात कर 90 हजार रुपये की राशि माफ कराने में मदद की.

बस चालक कल्याण संघ के सचिव राणा बजरंगी सिंह ने बताया कि हादसे के बाद बस मालिक ने चालक के इलाज में कोई आर्थिक मदद नहीं दी. उन्होंने केवल एम्बुलेंस भेजकर अस्पताल में भर्ती कराया और फिर कोई हालचाल नहीं लिया. संघ के हस्तक्षेप के बाद बस मालिक से 25 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता दिलाई गई. संघ का कहना है कि वह हमेशा बस चालकों के हित और सहायता के लिए तत्पर रहेगा और भविष्य में भी इसी तरह सहयोग करता रहेगा. इस अवसर पर बस चालक कल्याण संघ के सचिव राणा बजरंगी सिंह, प्रदेश सचिव संजू चौहान और कार्यकारी सदस्य अब्दुल करीम उपस्थित थे.

खेलो झारखंड : राज्य स्तरीय फुटबॉल व क्रिकेट चयन 6 व 12 नवंबर को

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वाधान में खेलो झारखंड 2025 के तहत राज्य स्तरीय फुटबॉल और क्रिकेट के लिए खुली चयन प्रक्रिया आयोजित की जा रही है. फुटबॉल (अंडर-14 बालक) के लिए चयन 6 नवम्बर 2025 को खेलगांव, रांची स्थित प्रैक्टिस ग्राउंड में प्रातः 7:00 बजे से शुरू होगा. वहीं क्रिकेट (अंडर-19 बालक एवं बालिका) का चयन 12 नवम्बर 2025 को साउथ रेलवे मैदान, चुटिया, रांची में होगा, जिसकी रिपोर्टिंग भी सुबह 7:00 बजे से होगी. राज्य के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं इस चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं. प्रतिभागियों को रिपोर्टिंग के समय जन्म प्रमाण पत्र, अंतिम परीक्षा का अंक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र और खेलो झारखंड पात्रता प्रपत्र साथ लाना अनिवार्य है. इस चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे. परिषद ने सभी पात्र खिलाड़ियों से अपील की है कि वे समय पर उपस्थित होकर राज्य का गौरव बढ़ाएं.

ईडी का बड़ा एक्शन, जेएससीए अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव को समन, 11 नवंबर को तलब

रांची, संवाददाता ।

झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जेएससीए के अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है. प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को जेएससीए के अध्यक्ष को समन भेजकर 11 नवंबर को रांची स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है. उन पर आरोप है कि उन्होंने जेएससीए स्टेडियम के निर्माण के वक्त बड़ी अनियमितता बरती थी.

जमशेदपुर कोर्ट में दर्ज मामले को ईडी ने किया टेकओवर

जानकारी के मुताबिक जेएससीए स्टेडियम निर्माण में अनियमिता को लेकर पहले से ही जमशेदपुर कोर्ट में मामला दर्ज था. उसी केस ईडी ने टेकओवर किया है. यह मामला पूर्व जेएससीए अध्यक्ष अमिताभ चौधरी के कार्यकाल के वक्त का बताया जा रहा है. उनके ही प्रयासों से रांची अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हुआ था.

साल 2025 के जेएससीए चुनाव में अजयनाथ शाहदेव ने दर्ज की शानदार जीत

साल 2025 में हुए जेएससीए के चुनाव में अजयनाथ शाहदेव की टीम ने शानदार जीत दर्ज की थी. उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एसके बेहरा को बुरी तरह हराया था. अजयनाथ शाहदेव की टीम में भारत पूर्व क्रिकेटर सौरभ तिवारी के साथ साथ शहबाज नदीम भी शामिल है. वह कई बार कांग्रेस की टिकट पर हटिया विधानसभा से चुनाव लड़ चुके हैं. लेकिन उन्हें बीजेपी के नवीन जायसवाल के हाथों हार का सामना करना पड़ा.

समाजसेवी डॉ कार्तिक उरांव की 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

छात्राओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से जीता सबका दिल

रांची, संवाददाता ।

आदिवासी बाल विकास विद्यालय रातु में महान आदिवासी नेता, वैज्ञानिक और समाजसेवी डॉ कार्तिक उरांव की 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई. कार्तिक उरांव पहले आदिवासी थे जिन्होंने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 9 डिग्रियां हासिल कीं और दुनिया के ऑटोमेटिक पावर प्लांट में बतौर इंजीनियर कार्य किया.

सांस्कृतिक कार्यक्रम में झलकी झारखंडी अस्मिता

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुई. कक्षा एक से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने हिंदी, कुड़ुख और नागपुरी गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया. झारखंड की भाषा, वेशभूषा और लोकनृत्य की झलक ने समारोह को रंगीन बना दिया. मुख्य अतिथि मिशन ब्लू फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ पंकज सोनी, गुमला के पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव और विशेष अतिथि झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वीसी डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की. इस अवसर पर अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवशंकर उरांव, महासचिव डॉ लक्ष्मण उरांव, पश्चिम बंगाल शाखा के जनरल सेक्रेटरी खोखन सरदार, प्रिंसिपल रोहित कुमार मिश्रा, रंजीत मिश्रा, सरजु सिंह और सपना कुमारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व अभिभावक मौजूद थे.

शिक्षकों और मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में विद्यालय और कॉलेज स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों और छात्रों को सम्मानित किया गया. वहीं मैट्रिक परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए.

पद्मश्री मधु मंसूरी अपने गीतों से सबका मन मोहा

कार्यक्रम में वक्ताओं ने पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख जैसे कलाकारों के योगदान को भी नमन किया और कहा कि झारखंड की संस्कृति को जीवंत बनाए रखना ही सच्ची श्रद्धांजलि है.

रिम्स निदेशक ने जताई नाराजगी, लापरवाह सफाई कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

रांची, संवाददाता ।

राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार ने कैंपस में स्वच्छता व्यवस्था पर असंतोष जताया है. निदेशक ने कहा कि बार-बार निर्देश देने के बावजूद सफाई एजेंसी के कर्मचारी परिसर की साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दे रहे हैं. स्थिति यह है कि उनके आवासीय परिसर में भी कई स्थानों पर पेड़ों की पत्तियां और कचरा इकट्ठा पड़ा है. स्वयं पहल करते हुए डॉ राज कुमार ने सुपरवाइजर की मदद से परिसर में फैली पत्तियों को उठवाया और स्वच्छता का संदेश दिया. उन्होंने कहा कि यह केवल सफाई कर्मचारियों की नहीं, बल्कि रिम्स परिवार के हर सदस्य की सामूहिक जिम्मेदारी है कि परिसर को साफ-सुथरा और स्वस्थ बनाए रखें.निदेशक ने बताया कि कुछ कर्मचारी सुपरवाइजर के निर्देशों की अवहेलना कर रहे हैं और काम के प्रति उदासीन रवैया अपना रहे हैं. ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं. उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पर ड्यूटी पर उपस्थित होना, ईमानदारी से कार्य करना और परिसर को स्वच्छ रखना हर कर्मचारी का कर्तव्य है. इस दिशा में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जब तक सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से नहीं निभाएंगे, तब तक स्वच्छ और स्वस्थ रिम्स का लक्ष्य अधूरा रहेगा.

ड्रग्स पैडलर्स पर बड़ी कार्रवाई, मुस्कान, सेजल खान सहित चार गिरफ्तार

रांची, संवाददाता ।

पुलिस ने नशे के तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. इस कार्रवाई में दो महिला ड्रग्स पैडलर्स सहित कुल चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं. वहीं लाखों के ब्राउन शुगर भी पुलिस ने बरामद किए हैं. चार नवंबर की रात रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन को यह जानकारी मिली कि कुछ लोग बिहार सासाराम से ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रहे हैं और न्यू मार्केट चौक, रातू रोड के पास अपने सहयोगियों को ब्राउन शुगर का सप्लाई करने वाले हैं. इसी सूचना के आलोक में सिटी एसपी रांची पारस राणा के नियंत्रण में कोतवाली डीएसपी रांची के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम (स्क्क) का गठन किया गया. इसके बाद एसआईटी के द्वारा न्यू मार्केट चौक स्थित टेंपो स्टैंड के पीछे योजना बना कर ड्रग्स पैडलर्स की रेकी शुरू की गई. कुछ देर बाद न्यू मार्केट चौक टेंपो स्टैंड के पीछे एक महिला आयी और एक दुकान के पास जाकर खड़ी हो गयी. इसके कुछ देर बाद 3-4 व्यक्ति उनके पास आकर बातचीत करने लगे. संदेह होने पर पुलिस जब संदिग्ध लोगों के पास जाने लगी तो सभी लोग पुलिस को देखकर भागने लगे. जिसपर पुलिस के द्वारा घेर कर एक महिला को महिला पदाधिकारी/कर्मी के सहयोग से पकड़ा गया. लेकिन अन्य फरार हो गए. गिरफ्तार महिला की पहचान शातिर ड्रग्स पैडलर सेजल खान उर्फ सहिस्ता परवीन के रूप में हुई. सेजल खान की तलाशी लेने पर उसके पास से 92.46 ग्राम ब्राउन शुगर पाया गया.

सासाराम से लेकर आई थी ड्रग्स

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि सेजल ने आगे पूछताछ करने पर बताया कि यह ब्राउन शुगर सासाराम बिहार के बबन साह उर्फ मौसा जी और सूरज कुमार से लेकर आ रही थी. इनका पूरा परिवार ब्राउन शुगर (मादक पदार्थ) कारोबार करने में संलिप्त है. सेजल खान के द्वारा यह भी बताया गया कि अभी उनके किराए के घर एदलहातु बरियातू में भी ब्राउन शुगर रखा हुआ है.

जिसके बाद एदलहातु बरियातू स्थित उनके घर में भी छापेमारी की गई. छापेमारी में सेजल के घर से कुल 10.24 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया और ब्राउन शुगर बेचकर रखा हुआ कुल 2,65,500 रूपया नगद भी बरामद किया गया. मौके से सेजल के पिता को भी गिरफ्तार किया गया. सेजल के पिता मो० सरवर के द्वारा भी मादक पदार्थों का अवैध कारोबार किया जाता है.

बहन और जीजा भी हुए गिरफ्तार

दरअसल सेजल खान का पूरा परिवार ही ब्राउन शुगर के धंधे में लिप्त था. गिरफ्तार सेजल ने बताया कि उसकी एक बहन मुस्कान और जीजा मो० राजू रातु, अलकमर कॉलोनी, रांची में रहकर ब्राउन शुगर खरीद बिक्री करते हैं, इस सूचना पर रातु, अलकमर स्थित मुस्कान उर्फ सगुफ्ता परवीन के घर छापेमारी की गई.

रांची पीएमएलए कोर्ट से आठ आरोपियों को समन

रांची, संवाददाता ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर घोटाले मामले में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल सहित आठ के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है. जिसपर पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों के विरुद्ध समन जारी करने का आदेश दे दिया है. अब कोर्ट इस मामले में 27 नवंबर को सुनवाई करेगा. उक्त तिथि तक सभी आरोपियों को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होना है. ईडी ने चौथे आरोप पत्र में ठेकेदार राजेश कुमार को आरोपित किया है. इसके अलावा उसकी कंपनी मेसर्स राजेश कुमार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और परमानंद सिंह बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड को आरोपित किया है. विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापामारी के दौरान कुछ महंगी गाड़ियां जब्त की गयी थी. ठेकेदार ने वीरेंद्र राम को यह गाड़ियां दी थीं. जांच के दौरान ठेकेदार से गहन पूछताछ हुई थी. इसमें ठेकेदार ने यह स्वीकार किया था कि उसने वीरेंद्र राम को घूस के तौर पर 1.88 करोड़ रुपये दिये थे. इसके अलावा Toyota Innova और Toyota Fortuner भी दिया था. ठेकेदार राधा मोहन साहू ने वीरेंद्र राम को 39 लाख रुपये घूस और एक Toyota Fortuner दिया था. यह गाड़ी राधा मोहन ठेकेदार के बेटे अंकित साहू के नाम पर निबंधित (रजिस्टर) है.

ईडी ने वीरेंद्र राम के घूस का हिसाब किताब रखने वाले अतिकुल रहमान को भी आरोपित किया है. छापेमारी के दौरान अतिकुल के घर से 4.40 लाख रुपये नकद जब्त किया गया था. ईडी ने ठेकेदार राजीव कुमार सिंह को भी आरोपित किया है. राजीव कुमार के घर से छापेमारी के दौरान 2.13 करोड़ रुपये नकद जब्त किया था. पूछताछ के दौरान राजीव ने 15 करोड़ रुपये घूस वसूलने की बात स्वीकार की थी. ईडी ने तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल को अपने पति की नाजायज आमदनी से संपत्ति खरीदने के मामले में आरोपित किया है.

उल्लेखनीय है ईडी ग्रामीण विकास विभाग के इंजीनियर सुरेश वर्मा को 10 हजार रुपये घूस लेने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी को एडक्क के रूप मे दर्ज कर ग्रामीण विकास में टेंडर के दौरान घूस लेने और घूस के रकम की लॉन्ड्रिंग करने के मामले की जांच की. ईडी द्वारा की गयी जांच के दौरान कुल 37 करोड़ रुपये नकद जब्त किये गये थे. इसमें से 32.20 करोड़ रुपये संजीव लाल के करीबी माने जाने वाले जहांगीर आलम के ठिकानों से जब्त किये गये थे. ईडी ने इससे पहले दायर तीन आरोप पत्रों में कुल आठ लोगों को आरोपित किया था. इसमें तत्कालीन मंत्री अलमगीर आलम, आप्त सचिव संजीव लाल, जहांगीर आलम, चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम व पारिवारिक सदस्यों के अलावा हवाला कोरोबारी और दिल्ली के Chartered Accountant सहित अन्य शामिल थे.

राज्य की योजनाओं के शिलापट्ट से हटेंगे केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के नाम, झारखंड सरकार ने लिया बड़ा फैसला

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड सरकार ने शिलान्यास और उद्घाटन समारोहों को लेकर गाइडलाइन में बड़ा बदलाव किया है। अब राज्य सरकार की योजनाओं के शिलापट्ट पर केंद्र सरकार के मंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री या स्थानीय सांसदों के नाम नहीं लिखे जाएंगे।

नए निर्देश के अनुसार, शिलापट्ट पर केवल मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री, स्थानीय मंत्री, संबंधित विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष और नगर पंचायत प्रमुखों के नाम अंकित होंगे। साथ ही 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रभारी मंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को प्राथमिकता दी जाएगी।यह नियम राज्य की सभी योजनाओं पर लागू होगा – चाहे वे ग्रामीण विकास की हों या शहरी परियोजनाओं से जुड़ी। राज्य सरकार ने सभी जिलों के उपायुक्तों और विभागीय अधिकारियों को इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। भाजपा नेताओं ने इस निर्णय को राज्य सरकार की छोटी मानसिकता करार दिया है।भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने कहा, शिलापट्ट से सांसदों का नाम हटाना राज्य सरकार की संकुचित सोच को दर्शाता है। यह केंद्र और राज्य के संबंधों को कमजोर करने वाला कदम है।वहीं, झारखंड सरकार के सूत्रों का कहना है कि यह कदम प्रशासनिक व्यवस्था को सरल बनाने और राज्य की योजनाओं को अलग पहचान देने के उद्देश्य से उठाया गया है।राज्य सरकार की दलील

राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य की योजनाओं का श्रेय राज्य सरकार को ही मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र की योजनाओं में पहले की तरह केंद्रीय प्रतिनिधियों के नाम रहेंगे, लेकिन राज्य की योजनाओं में अब केवल राज्य स्तर के जनप्रतिनिधियों के नाम ही शामिल होंगे।धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा। सभी विभागों को नए दिशा-निर्देश भेजे जा चुके हैं और पहले से तैयार शिलापट्टों में संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ताकि एकरूपता बनी रहे।पहले राज्य में केंद्र या संयुक्त परियोजनाओं के शिलान्यास में केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसदों के नाम भी शामिल किए जाते थे। लेकिन नई गाइडलाइन के तहत अब राज्य की अपनी योजनाओं में केवल राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के नाम ही रहेंगे।इस फैसले के साथ झारखंड सरकार ने योजनाओं में राज्य की स्पष्ट पहचान और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य की योजनाओं का श्रेय राज्य सरकार को ही मिलना चाहिए।उन्होंने कहा कि केंद्र की योजनाओं में पहले की तरह केंद्रीय प्रतिनिधियों के नाम रहेंगे, लेकिन राज्य की योजनाओं में अब केवल राज्य स्तर के जनप्रतिनिधियों के नाम ही शामिल होंगे।धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

राजनीतिक हलचल तेज

जनप्रतिनिधियों के नाम ही शामिल होंगे

इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। भाजपा नेताओं ने इस निर्णय को राज्य सरकार की छोटी मानसिकता करार दिया है।

धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा। सभी विभागों को नए दिशा-निर्देश भेजे जा चुके हैं और पहले से तैयार शिलापट्टों में संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ताकि एकरूपता बनी रहे।

पुरानी गाइडलाइन में क्या था

पहले राज्य में केंद्र या संयुक्त परियोजनाओं के शिलान्यास में केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसदों के नाम भी शामिल किए जाते थे। लेकिन नई गाइडलाइन के तहत अब राज्य की अपनी योजनाओं में केवल राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के नाम ही रहेंगे।

राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य की योजनाओं का श्रेय राज्य सरकार को ही मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र की योजनाओं में पहले की तरह केंद्रीय प्रतिनिधियों के नाम रहेंगे, लेकिन राज्य की योजनाओं में अब केवल राज्य स्तर के जनप्रतिनिधियों के नाम ही शामिल होंगे।धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा। सभी विभागों को नए दिशा-निर्देश भेजे जा चुके हैं और पहले से तैयार शिलापट्टों में संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ताकि एकरूपता बनी रहे।

निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

घाटशिला उपचुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में चुनाव प्रचार किया बन्धु तिर्की

संवाददाता । रांची

घाटशिला 05 नवंबर-माननीय पूर्व शिक्षा मंत्री और झारखंड सरकार समन्वय समिति सदस्य श्री बन्धु तिर्की आज घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन के झामुमो कोटा के प्रत्याशी श्री सोमेस सोरेन के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए घाटशिला पहुंचे, इसी कड़ी में श्री तिर्की ने घाटशिला उपचुनाव के प्रचार अभियान में शामिल होकर जनता से मुलाकात की, उनकी भावनाओं को सुना और सभी से अपील की कि वे सोमेश सोरेन जी को आशीर्वाद देकर इस जनसेवा की यात्रा को आगे बढ़ाने में सहभागी बनें।

लोगों को संबोधित करते हुए श्री बन्धु तिर्की ने कहा दिवंगत रामदास सोरेन जी ने अपने जीवन का हर पल जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया था। उनके अधूरे सपनों और संघर्ष की उसी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन जी पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं।11 नवंबर को इंडिया महागठबंधन समर्थित झामुमो प्रत्याशी श्री सोमेश सोरेन जी को क्रम संख्या 2 पर तीर धनुष पर बटन दबा कर भरी मतों से विजयी बनाएं।जमशेदपुर। आगामी घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन उम्मीदवार सोमेश चन्द्र सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए झारखंड सरकार की माननीय मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की ने मोर्चा संभाल लिया है। बुधवार को मंत्री तिर्की ने घाटशिला क्षेत्र में सघन प्रचार-प्रसार किया और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुईं।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने प्रचार अभियान की शुरुआत घाटशिला के मऊभण्डार से की। उन्होंने वहां के सामाजिक लोगों से मिलकर सोमेश चन्द्र सोरेन के लिए वोट मांगा। स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से माननीय मंत्री का स्वागत किया।अपने दूसरे कार्यक्रम में मंत्री ने घाटशिला चुनाव कार्यालय पहुंचकर प्रखण्ड कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, युवा कांग्रेस और अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति पर गहन चर्चा की।उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर गठबंधन के लिए वोट मांगने का आग्रह किया।साथ ही, मंत्री ने प्रखण्ड अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष और प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष को आगामी 17 नवंबर को रांची में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र प्रदान कर न्योता दिया।

कुछ बैंक और ऋण प्रदाता कंपनी ने हिंदपीढ़ी और रांची के किसी क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं कर रही है

संवाददाता । रांची

क्या हिंदपीढ़ी के सभी निवासी डिफॉल्टर हैं? क्या अन्य क्षेत्रों के लोग डिफॉल्टर नहीं है? क्या हिंदपीढ़ी के निवासी भारतीय नागरिक नहीं है ?

क्षेत्र के नाम के आधार पर ऋण आवेदन अस्वीकार करना उचित नहीं है। रांची के कई बैंक और ऋण कंपनियां हिंदपीढ़ी समेत कई इलाकों में स्थान के आधार पर ऋण नहीं दे रही हैं, सौतेला व्यवहार अपना रही है । क्या हिंदपीढ़ी के सभी निवासी डिफॉल्टर हैं? क्या अन्य क्षेत्रों के लोग डिफॉल्टर नहीं हैं? क्या हिंदपीढ़ी के निवासी भारतीय नागरिक नहीं है ? दिशानिर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। अगर अगर कोई डिफॉल्टर है तब आरबीआई की गाइडलाइन और कोर्ट के गाइडलाइन अनुसर उचित कानूनी कार्रवाई करे ना के दूसरे उचित ग्राहक का ऋण आवेदन अस्वीकार करें झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, माननीय वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर, रांची उपायुक्त, और बैंकर एसोसिएशनइस विषय पर विचार करें ! SLBC,DLCC,RRB बैठक मे इस विषय पर चर्चा करना बहुत महत्वपूर्ण है। जैसा कि जनता को मालुम हो कि सरकार इस प्रकार की बैठक त्रैमासिक रुप से आयोजित करती हैये जानकारी पूर्व बैंकर व सामाजिक कार्यकर्ता सैयद फराज अब्बास दी

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा ने आयोजित किया स्काईब्रीच छात्रों को मिला रॉकेट विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव

संवाददाता । रांची

रांची। रांची, 5 नवम्बर 2025: बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा ने अंतरिक्ष और रॉकेट विज्ञान के क्षेत्र में अपनी दीर्घकालिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्काईब्रीच नामक एक अनोखा कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने छात्रों को अपने वैज्ञानिक कौशल का प्रदर्शन करने और मॉडल रॉकेट तैयार करने का अवसर प्रदान किया।

यह आयोजन संस्थान की एयरोस्पेस सोसाइटी द्वारा किया गया था। इसमें प्रतिभागियों ने सोसाइटी द्वारा उपलब्ध कराए गए कच्चे माल का उपयोग करते हुए कार्यशील रॉकेट डिजाइन और निर्मित किए। इस पहल का उद्देश्य नवाचार, सहयोग तथा एयरोस्पेस संबंधी सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना था, ताकि भावी इंजीनियरों और वैज्ञानिकों में प्रयोगात्मक शिक्षा की भावना विकसित हो सके।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को संस्थान के स्पेस एंड रॉकेट्री विभाग में ले जाया गया, जहाँ उनके द्वारा बनाए गए रॉकेटों का प्रक्षेपण किया गया। इन रॉकेटों का मूल्यांकन उनकी संरचनात्मक स्थिरता, मोटर की दहन दक्षता तथा फिन्स के वायुगतिकीय डिजाइन के आधार पर किया गया। ये सभी मानक एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की वास्तविक चुनौतियों को दर्शाते हैं।कार्यक्रम का समापन सायंकाल में हुआ। प्रतिभागियों ने रॉकेट विज्ञान की गहराइयों को समझते हुए अनुभवात्मक शिक्षा और उत्कृष्टता के प्रति नई प्रेरणा प्राप्त की।स्काईब्रीच संस्थान की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा, जिसके तहत संस्थान नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान और तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

एनएसयूआई ने निलय इंस्टिट्यूट में की तालाबंदी, प्रशासन पर लगाया मनमानी और छात्र विरोधी रवैये का आरोप

संवाददाता । रांची

झारखंड एनएसयूआई का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को निलय इंस्टिट्यूट, ठाकुरगांव पहुँचा, जहाँ नामांकन प्रक्रिया में अनियमितता, छात्रवृत्ति के नाम पर अवैध वसूली और कॉलेज प्रशासन की मनमानी के विरोध में छात्रों के साथ मिलकर एनएसयूआई ने पूरा कॉलेज परिसर बंद (तालाबंदी) कर दिया। चार घंटे चले इस आंदोलन में सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया और शिक्षा के नाम पर लूट बंद करो, छात्रों का हक दो जैसे नारे गूंज उठे।विरोध की सूचना मिलते ही कॉलेज के चेयरमैन और सेक्रेटरी मौके पर पहुँचे, जहाँ एनएसयूआई नेताओं और कॉलेज प्रशासन के बीच तीखी बहस हुई।स्थिति को संभालने के लिए बुढ़मू थाना प्रभारी संजीव कुमार, अंचल अधिकारी सच्चिदानंद वर्मा, और बीडियो धीरज कुमार प्रसाद मौके पर पहुँचे और वार्ता कराई।इस मौके पर झारखंड एनएसयूआई अध्यक्ष विनय उरांव ने कहा कि निलय इंस्टिट्यूट छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है।यहाँ न तो स्थायी प्रोफेसर हैं, न बुनियादी सुविधाएँ। हॉस्टल जर्जर हैं, क्लासरूम में बिजली नहीं, और सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है। छात्रों से फीस तो ली जाती है लेकिन बदले में सिर्फ धोखा दिया जाता है। यह कॉलेज कागज पर चलता है, जमीन पर नहीं।

इस आंदोलन में राष्ट्रीय सोशल मीडिया कन्वेनर सिद्धार्थ राज, प्रदेश महासचिव रोहित पांडे, प्रदेश सचिव मनोहर साहू, रांची महानगर अध्यक्ष सतीश केसरी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अक्षय महतो, रांची विश्वविद्यालय महासचिव अबू रफे अंसारी, मांडर कॉलेज अध्यक्ष अमन शहजाद, उपाध्यक्ष अबु सानिब, पूर्व अध्यक्ष साबिर अंसारी, कुणाल केसरी सहित सैकड़ों छात्र मौजूद रहे।आंदोलन के दबाव में आकर कॉलेज प्रशासन ने दो नए नोटिस जारी किए, पहले नोटिस में हॉस्टल के सभी कमरों को मरम्मत के लिए खाली करने का निर्देश दिया गया, और दूसरे नोटिस में स्पष्ट किया गया कि अब हॉस्टल केवल सत्र 2025–26 के नए छात्रों के लिए आरक्षित रहेगा तथा पुराने छात्रों को 15 दिनों के भीतर हॉस्टल खाली करना होगा।इस फैसले से सैकड़ों पुराने विद्यार्थी संकट में पड़ गए हैं, जिनके पास फिलहाल कोई वैकल्पिक आवास नहीं है।

धुमधाम से बनाई गई गुरु नानक की 556 वीं जयंती

संवाददाता । रांची

बेरमो /कार्तिक पूर्णिमा जिसे गुरु पूर्णिमा भी कहते हैं।इस दिन सिखों के प्रथम गुरु अथवा सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक की जन्मोत्सव को सिख समुदाय के लोग बड़े ही धुमधाम से गुरु नानक प्रकाश उत्सव के रूप में मनाते हैं। इसी के तहत आज बुधवार को दुगदा और चंद्रपुरा के गुरुद्वारों में बड़े ही धुमधाम से गुरु नानक जयंती मनाई गई। जहां भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया था। जहां तरह-तरह की खीर, पूरी, पकवान, तड़का, रोटी, सब्जी आदि भक्तों को बैठा कर खिलाया गया। जहां हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह पकवान सिख महिलाओं ने अपने हाथों से बनाई। वहीं गुरुद्वारे में सिखवाणी का पाठ भी किया गया। आज का दिन सिख धर्म के लिए बहुत पवित्र और खास होता है। इसके एक दिन पूर्व शोभायात्रा भी निकल गई थी।

अनियमित बिजली बिल एवं ओबीसी छात्रवृत्ति के लिए लोकहित अधिकार पार्टी करेगा आंदोलन - हरिनाथ साहू

सदस्यता अभियान तेज करने और संगठन विस्तार पर किया गया विशेष चर्चा

संवाददाता । रांची

रांची, काकि भामाशाह नगर आइटीबीपी क्षेत्र स्थित लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश कार्यालय में सदस्यता अभियान तेज करने और संगठन विस्तार एवं विभिन्न जन मुद्दों को लेकर जन आंदोलन का रूपरेखा तैयार करने हेतु प्रदेश स्तरीय बैठक रखा गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू एवं संचालन प्रदेश महासचिव प्रमोद प्रसाद गुप्ता ने किया।मौके पर प्रदेश अध्यक्ष द्वारा संगठनात्मक वृत्त लेते हुए उपस्थित सभी जिला एवं प्रदेश पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने के निमित्त अपने-अपने क्षेत्रों में प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर व्यापक रूप से सदस्यता अभियान चलाने का दिशा निर्देश दिया गया। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामविलास साहू ने बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को 10 नवंबर से राज्य में स्मार्ट मीटर के द्वारा अनियमित बिजली बिल एवं ओबीसी छात्रों का छात्रवृत्ति रोकने के खिलाफ आंदोलन करने की तैयारी को लेकर अपने-अपने प्रखंड में बैठक करने एवं ग्रामीण जनता के बीच सरकार की गलत नीतियों और राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार के विषय पर सदस्यता अभियान के माध्यम से जनसंपर्क जागरूकता अभियान चलाने की बात कही।प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से स्थानीय नगर निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी में अभी से लग जाने की जरूरत पर बोल देते हुए आबादी अनुसार ओबीसी आरक्षण लागू कराने, अपने-अपने घरों में पार्टी का झंडा लगाने एवं नजदीकी मुख्य चौक चौराहों पर पार्टी के नीति सिद्धांतों को दर्शाते हुए बैनर लगाने का सुझाव दिए।

ब्रीफ न्यूज

माननीय राज्यपाल ने गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएँ

संवाददाता ।

रांची:माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर रांची स्थित गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पी.पी. कंपाउंड, रांची जाकर मत्था टेका। उन्होंने वहाँ कीर्तन कार्यक्रम में भाग लेते हुए गुरुवाणी का श्रवण किया तथा श्रद्धालुओं से भेंट की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरे मानव समाज को सत्य, करुणा, सेवा, समानता और सद्भाव का महान संदेश दिया। उनके उपदेश मानवता के मार्ग पर चलने और आपसी प्रेम तथा भाईचारे को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने विचार और जीवन व्यवहार में आत्मसात करने का आह्वान किया।

मांडर में गड्ढे से बोरे में मिला सड़ा-गला कंकाल

संवाददाता ।

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के चटवल गांव में मंगलवार को सरना स्थल के नजदीक स्थित एक गड्ढे से सड़ा-गला कंकालनुमा शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह करीब 9 बजे स्थानीय ग्रामीणों ने गड्ढे से तेज दुर्गंध आने पर इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि गड्ढे में बोरे में लिपटा हुआ शव का कुछ हिस्सा बाहर निकला था। शरीर लगभग पूरी तरह गल चुका था और हड्डी जैसा ढांचा बचा था। शव की हालत को देखते हुए रांची से फॉरेंसिक विभाग की टीम को बुलाया गया। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी की उपस्थिति में शव को गड्ढे से बाहर निकाला गया।जांच में पाया गया कि शव के हाथ-पैर तोड़कर अलग-अलग हिस्सों में बांधा गया था और बोरे में भरकर गड्ढे में फेंका गया था। पुलिस का मानना है कि यह मामला किसी गंभीर अपराध या हत्या से जुड़ा हो सकता है। थाना प्रभारी मनोज करमाली ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के बाद ही मृतक की पहचान और मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। इधर क्षेत्र के ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि शव चटवल के 26 वर्षीय नरेश उरांव उर्फ पलटा का हो सकता है, जो 22 सितंबर की शाम चटवल मोड़ के पास से लापता हो गया था। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है और मामले की तहकीकात जारी है।

7 दिवसीय आवासीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर 30 नवम्बर से

संवाददाता ।

रांची झारखंड में पवित्रम सेवा परिवार के तत्वाधान में आगामी 30 नवम्बर 2025 से 6 दिसम्बर तक 7 दिवसीय आवासीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन कोयलाँचल धनबाद में बसंत विहार, कोयला नगर मे किया जा रहा है। इस शिविर में देश के विभिन्न स्थानों से कई प्रमुख चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस 7 दिवसीय आवासीय उपचार शिविर का उद्देश्य आहार, जीवन शैली को ठीक करते हुए प्राकृतिक चिकित्सा शैलियों के माध्यम से शरीर को पूर्ण रूप से स्वस्थ करना है शिविर मे खाने पीने, तथा ठहरने की सभी समुचित व्यवस्था रहेगी, खाना पूर्ण रूप से शुद्ध, सात्विक बनाने की व्यवस्था की जा रही है पवित्रम सेवा परिवार के प्रांतीय प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि इस शिविर मे प्राकृतिक आहार एवं उपचार के माध्यम से सभी साध्य एवं असाध्य रोगों का उपचार किया जाएगा शिविर मे भाग लेने हेतु रजिस्ट्रेशन की प्रकिया शुरु हो गयी है। इस शिविर में चिकित्सा हेतु कुल 30 महिला एवं पुरुषों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। शिविर के प्रेरणा के मुख्य स्रोत संस्था के संयोजक अजय भरतिया है। झारखंड के धनबाद मे ऐसा कैम्प दूसरी बार लगने जा रहा है, पहला कैम्प इसी वर्ष जनवरी माह लगाया गया था जिसमे 60 लोगो ने भाग लिया ,सभी को बहुत लाभ मिला था । इस बार भी, लोगों में इस कार्यक्रम के प्रति काफी उत्साह है। यह कार्यक्रम लोगों मे आरोग्य के प्रति जागरूकता पैदा करेगा, पवित्रम सेवा परिवार पिछले कई वर्षो से अपने आरोग्य अभियान के माध्यम से स्कूलों व कालेजों मे भी बच्चों को खान पान एवं दिनचर्या को ठीक करते आरोग्य के प्रति जागरूक कर रहा है। कार्यक्रम मे चिकित्सा लाभ लेने के लिए पिछली बार की तरह विभिन्न शहरों से लोग आ रहे है।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुंडू पंचायत भवन में महाराज जरासंध की जयंती समारोह आयोजित

रांची तिनुघाट कोर्ट : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पेटरवार प्रखंड के बुंडू पंचायत भवन में बुधवार को चंद्रवंशी समाज के द्वारा श्री श्री महाराज जरासंध जयंती समारोह का आयोजन बड़े ही श्रद्धा तथा उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष यह समारोह महाराज जरासंध की 5228वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भगवान दास एवं सिकंदर रवानी शामिल हुए। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुखिया निहारिका देवी सुकृति उपस्थित थी। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज जरासंध के तस्वीर के समीप दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। इस दौरान अतिथियों का फूलमाला एवं गुलदस्ता के साथ जोरदार स्वागत किया गया। समारोह में वक्ताओं ने महाराज जरासंध के ऐतिहासिक योगदान, उनके नेतृत्व-गुण, नीति-निर्देशन तथा चंद्रवंशी वंश की गौरवशाली परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। बताया गया कि महाराज जरासंध केवल युद्ध कौशल के लिए ही नहीं, बल्कि समाज-निर्माण, सामाजिक एकता व नेतृत्व के आदर्श के रूप में प्रभावशाली रहे। वक्ताओं ने युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें उनकी वीरता के साथ-साथ सामाजिक समरसता व शिक्षा-प्रसार पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में समाज के वरिष्ठों ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया एवं सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नागेश्वर रवानी उर्फ पिंटू ने कहा की इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों व युवाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विशेष रूप से रितेश सिन्हा, पिंटू रवानी, दीपक रवानी, विजय रवानी ,संजय रवानी, प्रकाश रवानी, मनोज रवानी,

गुरु नानक जयंती के अवसर पर डीसी एसपी एवं मांडू विधायक पहुंचे गुरु नानक स्कूल

रामगढ़, संवाददाता

ब्लॉक स्थित गुरुद्वारा पब्लिक स्कूल के विशाल सभागार में बुधवार को दुनिया के महान प्रणेता एवं विश्व को अपनी प्रेरणा से चलने का उपदेश देने वाले गुरु नानक देव की 557 वां गुरु नानक जयंती मनाई गई। सुबह से भजन कीर्तन एवं गुरु नानक पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा गुरु नानक के जीवन पर आधारित अनेक गीतों को संगीत में पिरोकर जनमानस के सामने प्रकट किया। जिला के अनुभवी डीसी फैज अक अहमद मुमताज, तेज तर्रार पुलिस कप्तान अजय कुमार, गोपनीय प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता एवं मांडू विधायक निर्मल कुमार तिवारी महतो भी गुरु नानक जयंती के अवसर पर भजन कीर्तन में शामिल हुए और गुरु नानक के सामने नतमस्तक होकर देश दुनिया के कल्याण के लिए उनसे अनुरोध भी किया और आशीर्वाद भी मांगा। पूछने पर डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने बताया कि गुरु नानक देव जी का जीवन एवं उपदेश आज भी विश्व के लिए एक वरदान साबित हो रहा है, सभी को अपने जीवन में गुरु नानक देव जी का शिक्षा, शिष्टाचार अनुशासन एवं सामाजिक समरसता की भावना को अपनाना चाहिए। पुलिस कप्तान अजय कुमार ने कहा कि देश ही नहीं पूरा विश्व समुदाय भी आज भी गुरु नानक देव जी की प्रेरणा से वह स्रोत होकर अपने जीवन में उनके उपदेशों को उतार कर आगे बढ़ने का और समाज को विकसित करने का प्रयास कर रहा है। भजन कीर्तन घंटों सुनने के बाद डीसी एसपी एवं गोपनीय प्रभारी भंडारा स्थल पर गए और स्वरुचि पूर्ण भोजन किया। शहर के गुरुद्वारा के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में पूरे लाईट और विद्युत साज सज्जा से विधिवत रूप से सजा दिया गया। इस शोभायात्रा में पंजाब प्रांत के गतका पार्टी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। धनबाद शहर के प्रसिद्ध गायक विक्की छाबड़ा अपनी मधुर आवाज से जलवा बिखेरगा गया। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में दुल्हन की तरह सजाया गया। पूरे रामगढ़ शहर लोगों का मनमोहक लिया। इसके साथ ही पुरुष हाथों में कृपाण तथा महिलाओं के हाथों में सिरोफा लिए हुए बोलने लगे कि जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल चारों तरफ गुंज उठा रामगढ़ शहर। बिजोलिया से निकलते हुए रामगढ़ रेलवे स्टेशन मैन रोड सुभाष चौक मैन रोड गांधी चौक गोला रोड होते हुए चट्टी बाजार पहुंचे। उक्त मौके पर रामगढ़ गुरुद्वारा के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, खजांची रघुवीर सिंह छाबड़ा, जोगेंद्र सिंह जग्गी तेजेंद्र सिंह सोनी, जगजीत सिंह सोनी मंजीत सिंह कुज्जू वाले, विंकल कालरा, प्रीतम सिंह कालरा, प्रसिद्ध शब्द गायक सुरजीत सिंह छाबड़ा, डॉ नरेंद्र सिंह सोनी, राजा कालरा, सतपाल सिंह सलूजा, हरजीत सिंह छाबड़ा कंवलजीत सिंह लांबा, त्रिलोचन सिंह जैसल, गुरजीत सिंह सलूजा, जगजीत सिंह सोनी, कमल जस्सल, विक्की छाबड़ा, नरेंद्र सिंह होरा, गुरदीप सिंह सैनी, जसविंदर सिंह छाबड़ा, रिंटू छाबड़ा, गुरजोत सिंह सैनी सिंह जसकीरत भाटिया, रौनक छाबड़ा, बिट्टी छाबड़ा, यश छाबड़ा, मन्नत सिंह, बबलू छाबड़ा सूमी जॉली गुरबक्श कौर सैनी, जसमीत कौर सोनी, रोमी छाबड़ा, सोनम कालरा, कुदरत छाबड़ा, बलविंदर कौर छाबड़ा, शरण कौर छाबड़ा, मनप्रीत कौर सैनी, लवली लांबा, बलविंदर कौर पवार, बबली सोनी, निक्की लांबा सहित हजारों लोग मौजूद थे।

आजसू का धारणा और प्रदर्शन 13 नवंबर को, जनसमस्याओं को लेकर : जिला अध्यक्ष अमित पाण्डेय

लातेहार, संवाददाता

आजसू 13 नवम्बर को जिला मुख्यालय में धरना का कार्यक्रम करेगी, यह जानकारी आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने प्रेस वार्ता में कही, जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं को लेकर पार्टी आंदोलन करेगी, उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में व्यापक भ्रष्टाचार फैला हुआ है, नाबालिग बच्चों के फर्जी आईडी कार्ड बनाकर अवैध निकासी की जा रही है, यहाँ तक कि भेंडर ओर नौकरीपेशा लोग भी मजदूर बन के फर्जी भुगतान ले रहे हैं, जिलाध्यक्ष ने सदर अस्पताल के हालात पर भी चिंता जताई, कई वर्षों से कुछ कर्मचारी अस्पताल में स्थायी रूप से डेरा जमाए हुए हैं, वहीं रात्रिकालीन दवाई दुकान बंद रहने के कारण मरीजों को काफी परेशानी होती है, ऑक्सीजन प्लांट होते हुए भी सभी खराब पड़े हैं, जिससे मरीजों को लाभ नहीं मिल पा रहा है, कहा कि बिना बुनियादी सुविधाओं के टैक्स वसूला जा रहा है, और सफाई कार्य के लिए दो एजेंसियां (एसएलआरएम एवं नगर पंचायत) काम कर रही हैं, फिर भी शहर में कहीं कहीं गंदगी का अंबार लगा रहता है, इसके अलावा उन्होंने फोरलेन निर्माण कार्यों में एलपीसी के नाम पर धन का बंदरबांट, विद्यालय समय में नो एंट्री नहीं होने के कारण कोयला कंपनियों की गाड़ियों की आवाजाही से बच्चे धूल खाने को मजबूर है, भूमि संरक्षण विभाग में कोई भी लाभुक नहीं रहता केवल बिचौलिए दिन भर ऑफिस में बैठे रहते है यहां भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी इन सभी जनसमस्याओं को लेकर 13 नवम्बर को जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करेगी और राज्यपाल के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगी और सरकार से जवाब मांगेगी। उसके बाद इन सभी विषयों पर 18 नवंबर को पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो के साथ लातेहार में मंथन का कार्यक्रम होना है।

कार्तिक पूर्णिमा पर कपाल घाट में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

धनबाद, संवाददाता

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को दामोदर नदी स्थित कपाल घाट (मुनीडीह ओपी क्षेत्र) में स्नान, दान और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह होते ही दूर-दराज क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु घाट पर पहुँचने लगे। पवित्र दामोदर नदी में स्नान कर श्रद्धालुओं ने सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया और भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। घाट पर महिलाओं ने दीपदान कर कार्तिक स्नान का पारंपरिक अनुष्ठान पूरा किया। इस दौरान घाट पर धार्मिक भक्ति भाव का वातावरण व्याप्त रहा। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे।

भावपूर्ण समदाओन गीतों के साथ सामा-चकेवा की विदाई, मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने किया भव्य आयोजन

बोकारो, संवाददाता

मिथिलांचल में मनाये जाने वाला भाई-बहन के स्नेह का अतिपावन पर्व सामा-चकेवा बुधवार देर शाम बोकारो में संपन्न हुआ। बोकारो की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में नगर के सेक्टर-4ई स्थित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में सामा-चकेवा पर्व का भव्य आयोजन किया गया। मैथिल-परम्परानुसार समदाओन आदि भावपूर्ण पारंपरिक गीतों के साथ सामा-चकेवा को भावभीनी विदाई दी गयी। चास-बोकारो के विभिन्न भागों से पहुँची महिलाओं ने मिट्टी निर्मित सामा-चकेवा की विधिवत पूजा की। परंपरानुसार सामा-चकेवा, सतभइया, वृंदावन, चुगला, ढोलिया बजनिया, बन तितिर, पंडित और अन्य मूर्तियों के खिलौने वाले डाला को लेकर महिलायें जुटीं और सन (पटुआ) से बने चुगला को जलाया। उसका मुंह झुलसाया। इसके बाद उन्हें सामूहिक रूप से विसर्जित किया।

इसके पूर्व, प्रारंभ में आगंतुकों का स्वागत परिषद् के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण कुमार पाठक ने किया। परिषद् के महासचिव नीरज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि मिथिला की महान लोक संस्कृति से जुड़े भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक यह पर्व मात्र मिथिला में ही मनाये जाने की परंपरा रही है। इसकी चर्चा विष्णु-पुराण में भी मिलती है। मिथिला के पारंपरिक पर्व-त्योहारों व कला-संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़े रखने के उद्देश्य से परिषद् द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा, किरण मिश्रा, डॉ मंजु झा, वीणा झा, जयंती पाठक, बीनू चौधरी, आशा झा, इंदिरा झा, प्रीति प्रिया, कमला झा, अलका झा, शिखा चौधरी, उपासना, ममता झा, पिंकी, आशा पाठक, लीला झा, मुन्नी झा, पूनम झा, अपर्णा, बिनीता राय, कंचन सिन्हा आदि ने सामा-चकेवा पर्व के गीत वृंदावन में आगि लागल कियो ने बुझाबै हे..., चुगला लगन बिताकऽ एले ससुरारी में..., देने जइयौ भईया के आशीष हे मनमोहिनी सामा..., कोने भैया के धोतिया आकाश सूखे हे पाताल डोले हे..., अरे भंवरा सामा जाई छै ससुरा किछु गहना दहिन..., सामचक-सामचक अईह हो जोतिला खेत में बसिह हे..., गाम के अधिकारी तोहे बड़का भैया हो..., समदाओन बड़ा रे जतन सँ हम सामा बेटी पोसलौं, सेहो सामा सासुर जाई... आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों से सबको आनंदित किया। इस अवसर पर मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष जे पी चौधरी, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सहित मिहिर झा राजु, अविनाश अवि, केसी झा, विजय कुमार झा आदि थे।

रोड सेल संचालन समिति 7 नवंबर को गिद्दी सी, जिद्दी ए, रेलीगढ़ा का करेगी चक्का जाम

❖ बताया 29 अक्टूबर को प्रबंधन को सौंपा था मांग पत्र नहीं हुई कोई सुनवाई

रामगढ़, संवाददाता

रोड सेल संचालन समिति की संयुक्त बैठक बुधवार को आयोजित हुई. इसमें रोड सेल के गिद्दी 'सी', जिद्दी 'ए', रेलीगढ़ा के सदस्य उपस्थित हुए. बैठक की अध्यक्षता लखनलाल महतो ने किया. बैठक में बताया गया कि बीते 29 अक्टूबर को गिद्दी सी, जिद्दी ए व रेलीगढ़ा में रोड सेल संचालन समितियों के द्वारा रोजगार के सवाल पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया था, जिसमें मांग पत्र द्वारा कोलयरी प्रबंधन को रोजगार के सवाल पर दिया गया, लेकिन कोलयरी प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है, 7 दिनों के समय देने के बाद भी कोई पहल नहीं हुई, जिसे लेकर लोकल सेल संचालन समिति 7 नवंबर को तीनों कोलयरी गिद्दी सी, गिद्दी 'ए', रेलीगढ़ा के ट्रांसपोर्टिंग व डिस्पैच बंद करने का निर्णय लिया है, साथ ही सभी तीनों परियोजनाओं के रोड सेल के सभी दंगल के मजदूरों से अपील किया गया कि एक दिवसीय ट्रांसपोर्टिंग बंदी में शामिल हो। बैठक में आरडी मांझी, राजेंद्र गोप, पप्पू सिंह, सुनील गंझु, शाहिद अंसारी, दिनेश्वर गंझु, राजेश महतो, मनोज महली, भीम साव, लक्ष्मी नारायण गंझु, बहादुर बेदिया, असलम अंसारी, तहसीम कमर समेत कई लोग उपस्थित थे।

टुण्डी के बराकर नदी तट पर कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा का महासंगम हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

धनबाद, संवाददाता

टुण्डी प्रखंड के बराकर नदी तट पर आज बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा का महासंगम तब देखने को मिला जब हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाते हुए बाबा नंदानाथ की दरबार में जयघोषों से पूरा दरबार गुंजायमान हो उठा और श्रद्धालु बड़े ही आत्मविश्वास के साथ उनके चरणों में माथा टेका और दीपों से उनके आसन को चारों ओर से जगमगाया गया। गौरतलब हो कि बराकर नदी तट पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन बाबा के प्रति सच्ची सोच रखने वालों की जनसैलाब उमड़ पड़ता है और लोग दूरदराजों से पैदल चलकर आते हैं एक जल चढ़ाते उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। आज कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बड़ों के अलावा बच्चे भी जल चढ़ाते हुए देखें गए। बाबा की सत्यता आज भी लोगों में कायम है इनकी कृपा से कई लोग स्वस्थ जीवन के साथ साथ बाल बच्चों के साथ एक अच्छी जीवन जी रहे हैं। इनके दरबार में मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण की जाती है। आज के दिन आसपास के अलावा धनबाद, गोविन्दपुर, गिरिडीह, राजगंज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पधारे थे। आज के इस पावन दिवस पर भक्ति और विश्वास का अद्भुत नजारा देखने बनता था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राजगंज निवासी नीलकंठ रवानी अपने सपत्नीक बराकर के पावन नदी तट पर आस्था की डुबकी लगाई और पूजा अर्चना किया। जबकि पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष योगेश प्रसाद रजक ने भी आज कार्तिक पूर्णिमा जैसे पवित्र पर्व पर आस्था की डुबकी लगाते हुए अपने परिवार एवं कांग्रेस पार्टी की सत्ता वापसी के लिए प्रार्थनाएं की।

घाटशिला उपचुनाव में लातेहार झामुमो के टॉप लेयर नेता पसीना बहाते हुए

लातेहार, संवाददाता

झामुमो के टॉप लेयर के नेता घाटशिला में हो रहे विधान सभा उपचुनाव में कैंपकर चुनावी तापमान बढ़ा दिया है, राजनीत के चाणक्य कहे जाने वाले पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम और जिला अध्यक्ष मोती लाल की जोड़ी ने घाटशिला में चुनाव प्रचार का जिम्मा उठा लिया है, ये दोनों राजनीतिक सुरमा घाटशिला विधान सभा क्षेत्र के धालभूमगढ़ प्रखंड के नरसिंहगढ़ गांव में ग्रामीणों से मिलकर अपने पार्टी का एजेंडा बताया और अपने प्रत्याशी सोमेश सोरेन को भारी बहुमत से जिताने की अपील की है, बैद्यनाथ राम ने खुद पार्टी का एजेंडा वाला प्रचार सामग्री को पढ़ कर लोगों को इससे अवगत कराने का काम कर रहे हैं, लातेहार जिला अध्यक्ष मोतीलाल ने कहा कि हमलोगों ने नरसिंह गढ़ को तीर धनुष मय कर दिए है,पार्टी का झंडा और पोस्टर और पार्टी के एजेंडा से क्षेत्र झामुमो मय हो गया है,झामुमो घाटशिला से भारी वोट से जीत हासिल करेगी, लातेहार जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव भी अपने तेजतर्रार रणनीति से चुनाव में काफी योगदान दे रहे हैं।

कतरास की बेटी ने बढ़ाया शान, सीए की परीक्षा पास की, लायंस क्लब ने सम्मानित किया

धनबाद, संवाददाता

कतरास बाजार एलआईसी ऑफिस के सामने रहने वाली पम्मी कुमारी ने सीए की परीक्षा पास कर न केवल कतरास का बल्कि पूरे कोयलांचल का मान बढ़ाया है। पम्मी के पिता किशोरी विश्वकर्मा मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं। वे कतरास हटिया में लोहा पीटने का काम करते हैं। पम्मी कुमारी वैसे छात्र - छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है जो साधारण से माहौल में रहकर बहुत ही कम साधन में अच्छे परिणाम देते हैं। उसके इस रिजल्ट से एक ओर जहां पूरे कतरास में हर्ष का माहौल है। वहीं दूसरी ओर बुधवार को लायंस क्लब ऑफ कतरास के सदस्यों ने पम्मी को सम्मानित कर समाज को सकारात्मक संदेश दिया। लायंस क्लब ऑफ कतरास ने बताया कि कतरास की बेटी पम्मी कुमारी ने सीए की परीक्षा पास कर पूरे कतरास कोयलांचल को गर्व करने का मौका दिया। बता दें कि पम्मी ने दशवीं राजेन्द्र कन्या उच्च विद्यालय कतरास, 12वीं शिशु मंदिर श्यामडीह कतरास तथा बी कॉम की परीक्षा कोलकाता यूनिवर्सिटी से पास की। पम्मी ने बताया कि वो चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहती है।

क्लब के सक्रिय सदस्य डॉ स्वतंत्र कुमार व डॉ मधुमाला ने कहा कि हमारे होनहार बेटियां निरंतर हर क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए खुद को साबित कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सम्पन्न हुए क्रिकेट वर्ल्ड चैंपियन में हमारी बेटियों का विजेता होना है। बेटियों को समय-समय पर सम्मान देकर उनका उत्साह बढ़ाना चाहिए। हमारी बेटियां भविष्य की वह हीरा है जो आने वाले समय में हमारे देश को, हमारे क्षेत्र को गौरवान्वित महसूस कराती रहेंगी। हमारी लायंस क्लब कतरास की पूरी टीम ऐसे होनहार बच्चों प्रोत्साहित करने के लिए हमेशा से अग्रसर रही है। मौके पर मुख्य रूप से पम्मी के पिता किशोरी विश्वकर्मा माता पायल देवी उपस्थित थे। लायंस क्लब कतरास से विभूति सिंह शैलेश बर्मन विष्णु चौरसिया सुरेश रजक डॉ स्वतंत्र एवं डॉ मधुबाला ने पम्मी को मोमेंटो और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

डीएवी सेक्टर-4 की शगुन और आराध्या ने अंतरराष्ट्रीय कला महोत्सव में मचाई धूम

बोकारो, संवाददाता

डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 की छात्राओं शगुन और आराध्या ने मथुरा-वृंदावन (उत्तर प्रदेश) स्थित बी.एस.ए. इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज परिसर में आयोजित श्री नृत्यांजलि संगठन के अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण कला सांस्कृतिक महोत्सव में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। कक्षा नौवीं की छात्रा शगुन ने जूनियर वर्ग के कत्थक नृत्य प्रतियोगिता में लगभग 960 प्रतिभागियों को पछाड़कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, कक्षा तीसरी की नन्ही आराध्या ने भी अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। देश के कोने-कोने से आए कलाकारों के बीच इन दोनों छात्राओं का प्रदर्शन सबके लिए प्रेरणास्रोत बना। विशेष प्रार्थना सभा में विजेताओं को सम्मानित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने कहा कि होनहार बिरवान के होत चिकने पात— शगुन और आराध्या ने इस कहावत को साकार कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि दोनों छात्राओं का कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास उनकी सफलता की असली कुंजी है।

सीएम हेमंत सोरेन ने किया लुगू बुरु महोत्सव का समापन, कल्पना सोरेन संग की पूजा-अर्चना

बोकारो, संवाददाता

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गोमिया प्रखंड के ललपनिया स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल लुगू बुरु घांटाबाड़ी में आयोजित तीन दिवसीय धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव-2025 का समापन मंगलवार को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन तथा उनकी पत्नी कल्पना सोरेन शामिल हुईं। मुख्यमंत्री दंपति ने पुनाय थान में पारंपरिक विधि-विधान से लुगू बुरु बाबा की पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

लुगू बुरु संताल समुदाय का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल माना जाता है, जिसे संतालों का कुंभ भी कहा जाता है। मंगलवार सुबह से ही यहाँ आस्था और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बाबा के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु पहाड़ की चढ़ाई कर लुगूबाबा के दर्शन कर चुके हैं। पुनाय थान परिसर में सुबह से श्रद्धालु पारंपरिक गीतों और नृत्यों के माध्यम से अपनी भक्ति व्यक्त करते रहे।

महोत्सव के दौरान टेंट सिटी परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें उनके जीवन, संघर्ष और झारखंड आंदोलन के ऐतिहासिक क्षणों को दर्शाया गया है। युवा वर्ग इस प्रदर्शनी से प्रेरणा ले रहा है। इसके अलावा दिशोम गुरु की स्मृति में निःशुल्क खिचड़ी सेवा भी जारी रही, जिसका संचालन बोकारो जिला प्रशासन एवं सोना सोबरन मेमोरियल सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है। श्रद्धालु लुगूबाबा के दर्शन के बाद प्रसादस्वरूप खिचड़ी ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

झारखंड +2 शिक्षक संघ के प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार का बोकारो आगमन पर भव्य स्वागत

बोकारो, संवाददाता

झारखंड +2 शिक्षक संघ के प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार के बोकारो आगमन पर जिला इकाई बोकारो की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण, अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। स्वागत समारोह के दौरान संघ के जिला पदाधिकारियों ने सुनील कुमार के नेतृत्व में संगठन की मजबूती, शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा और उनके हितों से जुड़े आंदोलनों पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की नींव हैं, और संघ शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर संघर्षरत है। प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार ने बोकारो जिला इकाई की एकजुटता, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि बोकारो संगठन सदैव पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। उन्होंने शिक्षकों से संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने और शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए मिलजुलकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा, संयुक्त सचिव डॉ. शक्ति पद महतो, प्रवक्ता-सह-मीडिया प्रभारी गौरव कुमार दुबे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे।

बिहार चुनावः धौरैया में राजनीतिक विरासत से टकराया विकास का दावा

तीर और लालटेन के बीच जंग

बांका। जिले की पांच विधानसभा सीटों में से धौरैया सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इस सीट पर भले ही आठ उम्मीदवार मैदान में हों, लेकिन असली मुकाबला जदयू के मनीष कुमार और राजद के त्रिभुवन दास के बीच सिमट गया है। एक तरफ जहां त्रिभुवन दास अपने पिता स्वर्गीय नरेश दास की राजनीतिक विरासत को भुनाने में जुटे हैं, वहीं मनीष कुमार अपने दो विधायकी के कार्यकाल की उपलब्धियों के दम पर वोट मांग रहे हैं।

नरेश दास यहां से पांच बार के विधायक रहे हैं, इसलिए मुकाबला अब साफ तौर पर तीर बनाम लालटेन का बन चुका है। धौरैया विधानसभा क्षेत्र का गठन 1952 में हुआ था। यहां कांग्रेस और सीपीआई का दबदबा रहा। 1967 के बाद यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई। वर्ष 2000 के बाद यहां समता पार्टी के भूदेव चौधरी का पदार्पण हुआ। उनके जमुई से सांसद बनने के बाद मनीष कुमार ने राजनीतिक बागडोर संभाली। पिछले चुनाव में राजद के भूदेव चौधरी ने जदयू के मनीष कुमार को 2687 मतों से हराया था। इस बार राजद ने भूदेव चौधरी को टिकट से बेदखल कर दिया है, जिससे पार्टी में नाराजगी गहराई है। स्थानीय मतदाताओं का मानना है कि उनकी उपेक्षा राजद को नुकसान पहुंचा सकती है।

दरअसल, धौरैया क्षेत्र कृषि प्रधान है, लेकिन आज तक यहां कोई औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं हो सकी है। कृषि आधारित उद्योगों की असीम संभावनाओं के बावजूद रोजगार का संकट गहराता जा रहा है। यहां के दो प्रखंड धौरैया और रजौन मिलकर इस विधानसभा का गठन हुआ है।

दोनों में 38 पंचायतों की संख्या है। बेरोजगारी और पलायन यहां के सबसे बड़े मुद्दे हैं। यहां के गांवों में शायद ही कोई घर ऐसा हो, जहां से परिवार का कोई सदस्य रोजगार की तलाश में बाहर न गया हो। शुरूआती चुनावी दौर में यही मुद्दे छाए रहे, पर जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आई, गोलबंदी जातीय रेखाओं पर सिमटने लगी। इस क्षेत्र में लगभग 26 हजार हेक्टेयर में धान और रबी की खेती होती है, लेकिन अवैध बालू खनन ने नदियों के पेट को खोखला कर दिया है। चांदन, गेरुआ, गहिरा, मिरचिनी, कदवा और स्कौली जैसी नदियां अब सिंचाई के लायक नहीं रह गई हैं। धौरैया के चांदनी चौक पर बैठे राजीव सिंह का कहना है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्य, बिजली और सड़क के क्षेत्र में जितना काम किया, उतना किसी मुख्यमंत्री ने नहीं किया। वहीं मु. शेख का कहना है कि रोजगार और पलायन के मुद्दे पर सरकार का ध्यान नहीं गया। राजेश मंडल मानते हैं कि अगर जनसुराज के प्रशांत किशोर नहीं होते, तो आज रोजगार और शिक्षा पर चर्चा ही नहीं होती। रजौन के सीताराम मंदिर में बैठे पुजारी चन्द्रकिशोर झा कहते हैं कि भूदेव चौधरी का टिकट काटकर पार्टी ने गलती की है। इसी जगह बैठे अजय राव का कहना है कि मनीष कुमार ने क्षेत्र को पहला पालिटेक्निक कालेज दिया है, यह उनका बड़ा योगदान है। आगे कोतवाली चौक पर बैठे युवाओं के बीच चर्चा थी कि जनसुराज उम्मीदवार सुमन पासवान भी जिला पार्षद हैं। वह इसी क्षेत्र के हैं। वहीं अजय राव ने विश्वास जताया कि 2025 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनेंगे। रजौन स्कूल के पास महिला मतदाता सोनी देवी ने राज्य सरकार की दस हजार वाली योजना की सराहना की। जबकि कालेज छात्र उत्तम कुमार का कहना था कि तेजस्वी युवा हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। राधिका झा ने कहा कि आजादी के बाद अगर किसी ने महिलाओं को मजबूत किया है तो वो नीतीश कुमार हैं। वैसे सियासी मैदान में रोजगार, पलायन और सिंचाई जैसे जातीय समीकरणों के घेरे में सिमटता जा रहा है। अब देखना यह है कि धौरैया की जनता विरासत पर भरोसा जताती है या विकास पर विश्वास करती है।

हर बूथ पर सशस्त्र बल, सभी सीमाएं सील

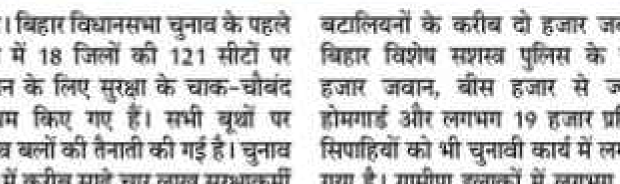

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। सभी बूथों पर सशस्त्र बलों की तैनाती की गई है। चुनाव कार्य में करीब साढ़े चार लाख सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं, जिनमें 1500 कंपनी केंद्रीय बल शामिल हैं। इसके अलावा बिहार पुलिस, बिहार विशेष सशस्त्र बल, एसएसबी, होमगार्ड आदि की भी ड्यूटी लगाई गई है। चुनाव को देखते हुए नेपाल सहित सभी जिलों की सीमाएं सील कर दी गई हैं।

दियारा क्षेत्र में घुड़सवार दल को तैनात किया गया है। केंद्रीय बलों के अलावा बिहार पुलिस के 60 हजार कर्मियों को भी चुनावी ड्यूटी में लगाया गया है। इसके अलावा अन्य राज्यों से आई रिजर्व बटालियनों के करीब दो हजार जवान, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के तीस हजार जवान, बीस हजार से ज्यादा होमगार्ड और लगभग 19 हजार प्रशिक्षु सिपाहियों को भी चुनावी कार्य में लगाया गया है। ग्रामीण इलाकों में लगभग 1.5 लाख चौकीदार भी चुनाव ड्यूटी में लगाए गए हैं। विधानसभा चुनावों के दौरान वीवीआइपी लोगों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए प्रत्येक जिले में वीआइपी सुरक्षा पूल बनाया है। इस पूल के राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) से प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मियों और जवानों को शामिल किया गया है। चुनाव के दौरान आपात स्थिति से निबटने के लिए बिहार पुलिस ने क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का भी गठन किया गया है।

मतदान के दिन क्या रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था?

डीएम ने जारी किया आदेश

पटना। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी कौशल कुमार ने आदेश जारी कर बताया कि जिला अन्तर्गत 10 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र कुशेश्वरस्थान (अजा), गौड़ाबौराम, बेनीपुर, अलीनगर, दरभंगा ग्रामीण, दरभंगा, हायाघाट, बहादुरपुर, केवटी एवं जाले में पहले चरण में छह नवम्बर को मतदान की तिथि निर्धारित है। मतदान कार्य सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक सम्पन्न होगा। निर्वाचन की तिथि घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी लागू है। पूर्व में ऐसा देखा जाता है कि मतदान के दिन चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के उद्देश्य से असामाजिक तत्व नाजायज मजमा बनाकर हथियार से लैस होकर निजी भाड़े पर वाहन लेकर मतदान कार्य बाधित करने का प्रयास करते हैं। लोक शांति को प्रभावित करते हैं। इससे मतदान की गोपनीयता भंग होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। स्वच्छ,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने तथा लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि मतदान तिथि को असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों की गतिविधियों पर पूर्णतया रोक लगाई जाए, ताकि निर्वाचन के दौरान मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर कर सकें। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन सभी प्रकार के वाहनों (दो पहिया वाहन सहित) का परिचालन पूर्णतया निषिद्ध रहेगा। आकस्मिक चिकित्सा के लिए मरीज के साथ एम्बुलेंस का परिचालन एवं अन्य आवश्यक सेवाओं जैसे- विद्युत, दुग्ध वैन,पानी का टैंकर आदि का आवागमन होगा।

प्रेमी युगल ने मंदिर में की शादी

जमुई। एक प्रेमी युगल ने भागकर मंदिर में शादी कर ली। बुधवार को इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर अपनी शादी की जानकारी दी। प्रेमी टाउन थाना क्षेत्र के सोनपे गांव का निवासी बताया जा रहा है, जबकि प्रेमिका की पहचान जमुई नगर परिषद क्षेत्र के भछियार मोहल्ले की सिद्धि कुमारी के रूप में हुई है। वायरल वीडियो में सिद्धि कुमारी ने बताया कि वह सोनपे गांव के एक युवक से प्यार करती थी, जो उसके घर के पास साइबर कैफे चलाता था। उनके बीच पिछले छह सालों से संबंध था। उसने दावा किया कि वह अपनी मर्जी से आई है और उसे किसी ने भगाया नहीं है, बल्कि वह खुद युवक को लेकर भागी है और उससे शादी की है।

संक्षिप्त डायरी

बाल सुधार गृह में फिर बड़ा कांड; सुरक्षाकर्मी पर हमला कर 12 बच्चे भागे, 5 को फिर पकड़ा गया

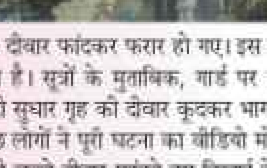

दरभंगा। जिले के लहेरियासराय स्थित बाल सुधार गृह में मंगलवार देर रात बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब 12 बाल बंदियों ने ड्यूटी पर तैनात रात्रि गार्ड पर हमला कर दीवार फांदकर फरार हो गए। इस घटना से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के मुताबिक, गार्ड पर हमला करने के बाद सभी बाल कैदी सुधार गृह की दीवार कूदकर भाग निकले। इस दौरान बाहर मौजूद कुछ लोगों ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया, जिसमें सभी बच्चे दीवार फांदते हुए दिखाई दे रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने देर रात सर्च ऑपरेशन चलाया और 12 में से 5 बाल बंदियों को फिर से पकड़ लिया, जबकि 7 अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। दरभंगा के एसएसपी जगन्नाथ रेड्डी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बीती रात बाल सुधार गृह से 12 कैदी फरार हुए थे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पांच को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी सात की तलाश जारी है। सभी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि हाल के महीनों में दरभंगा का यह बाल सुधार गृह कई विवादों में रहा है। पिछले तीन महीनों में यहां तीन बाल बंदियों ने आत्महत्या की थी, जो सुधार गृह में लाए जाने के एक सप्ताह के भीतर ही हुई थी। इन सभी मामलों में पुलिस जांच की बात कहती रही है, लेकिन अब एक साथ 12 बाल कैदियों के फरार होने से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मधुबनी में बड़ी कार्रवाई, इंडो-नेपाल सीमा पर 20 लाख नेपाली रुपए के साथ एक युवक गिरफ्तारे

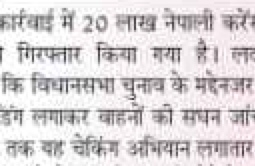

मधुबनी। पुलिस को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी सफलता मिली है। इंडो-नेपाल सीमा से सटे लदनिया थाना क्षेत्र में एसएसबी (सीमा सुरक्षा बल) और मधुबनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 20 लाख नेपाली करेंसी के साथ एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। लदनिया थानाध्यक्ष अनुप कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव तक यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि इंडो-नेपाल सीमा खुली होने के कारण अक्सर तस्करी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जयनगर बॉर्डर पर भी एसएसबी और मधुबनी पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 20 लाख नेपाली करेंसी और लगभग 20 लाख भारतीय रुपए बरामद हुए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान सीमा क्षेत्रों में सतर्कता और निगरानी और अधिक कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर तुरंत रोक लगाई जा सके।

युवती से छेड़छाड़, विरोध पर परिजनों से मारपीट

बेतिया। नगर के एक मोहल्ले में देर रात शौच के लिए घर से बाहर निकली एक युवती से छेड़छाड़ और विरोध करने पर उसके तथा उसके परिजनों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाने की पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की लिखित शिकायत पर बसवरिया वार्ड नंबर एक निवासी राजेश राम, अखिलेश राम, दिनेश राम, सुरेश राम और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, यह घटना रात करीब 12:30 बजे हुई जब पीड़िता शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। इसी दौरान राजेश राम ने उसका रास्ता रोककर गलत व्यवहार करने का प्रयास किया। युवती की ओरसे विरोध किए जाने पर आरोपी ने उसे पकड़कर धक्का दिया और उसके कपड़े खींचने की कोशिश की।

पीड़िता के शोर मचाने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसके बाद आरोपी और उसके सहयोगियों ने परिजनों के साथ भी मारपीट की, जिसमें दो लोग घायल हो गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने पुराने विवाद और रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से इस घटना को अंजाम दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही है। आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

जहां अहिल्या का उद्धार हुआ, वहीं गंगा स्नान से मिलता है मोक्ष, गोदना-सेमरिया मेला बना आस्था का केंद्र

सारण। बिहार के सारण जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और गौरवशाली धरती रिविलगंज इन दिनों धार्मिक उत्साह और भक्ति भावना से सराबोर है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम चंद्र की लीला भूमि, न्याय शास्त्र के प्रणेता महर्षि गौतम और श्रृंगी ऋषि की तपोस्थली गौतम स्थान पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। मंगलवार की देर शाम से ही सरयू नदी के पावन तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी और बुधवार की सुबह से देशभर से आए हजारों भक्त सरयू में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करने में जुट गए। महर्षि गौतम-अहिल्या उद्धार मंदिर, गोदना, अकराहा बाबा मठ, करियावा बाबा मंदिर, जहाज घाट, श्रीनाथ बाबा मंदिर घाट सहित रिविलगंज के दर्जनों मंदिरों और मठों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। प्रशासन ने मेले में आए श्रद्धालुओं के लिए रात्रि विश्राम और अन्य सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की है। पूरा क्षेत्र भक्ति, आस्था और पौराणिक परंपरा के रंग में रंगा हुआ है। स्थानीय लोग "अतिथि देवो भव" की भावना के साथ दूर-दराज से आए भक्तों का स्वागत कर रहे हैं।गौतम ऋषि की तपोभूमि सरयू तट धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, त्रेता युग में यहीं महर्षि श्रृंगी के पुत्रेष्टि यज्ञ के फलस्वरूप भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। यही कारण है कि यह भूमि न केवल धार्मिक, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी विशेष महत्व रखती है। चार किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र में मंदिरों की प्राचीन श्रृंखला इसकी ऐतिहासिकता को दर्शाती है। बाल्मीकि रामायण में भी इस स्थल का विस्तृत उल्लेख मिलता है। यहां का गोदना-सेमरिया नहान मेला धार्मिक दृष्टि से सोनपुर के हरिहर क्षेत्र मेला और बलिया के ददरी मेले जितना ही महत्वपूर्ण है। भले ही व्यावसायिक प्रसिद्धि सोनपुर या ददरी को मिली हो, लेकिन आस्था और पौराणिकता में रिविलगंज का मेला किसी से कम नहीं है। शास्त्रों के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन सरयू नदी में स्नान करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। तुलसीदास जी ने भी रामचरित मानस में सरयू स्नान की महिमा का उल्लेख करते हुए लिखा है, "कोटि कल्प काशी बसे, मथुरा बसे हजार, एक निमित्त सरयू बसे, तुलसी न तुलसी दास" कहा जाता है कि इस दिन सरयू में स्नान करने वाला भक्त वैकुंठ लोक को प्राप्त करता है। यही कारण है कि हर साल बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल से लाखों श्रद्धालु इस अवसर पर रिविलगंज पहुंचते हैं। गौतम स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां झूठ बोलने की मनाही है। मान्यता है कि महर्षि गौतम ने यहीं सत्य और असत्य का निर्णय किया था। जो भी व्यक्ति यहां झूठ बोलता है, उसे तत्काल दंड मिलता है। यही वह स्थान है जहां महर्षि गौतम ने अपनी पत्नी अहिल्या को श्राप दिया था और भगवान श्रीराम के चरण स्पर्श से उनका उद्धार हुआ था। गोदना स्थित गौतम-अहिल्या उद्धार मंदिर में भगवान श्रीराम के चरण चिन्ह आज भी मौजूद हैं। मान्यता है कि बक्सर में राक्षसी ताड़का का वध करने के बाद श्रीराम, लक्ष्मण और वशिष्ठ मुनि गंगा पार कर रिविलगंज पहुंचे थे और कार्तिक पूर्णिमा के दिन सरयू में स्नान के बाद यहीं विश्राम किया था। स्नान के बाद सत्तू और मूली खाने की परंपरा आज भी प्रतीक रूप में निभाई जाती है। इतिहासकारों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति की विरासत है।

इस बार का चुनाव जात-पात से ऊपर उठकर विकास के लिए होना चाहिए: चिराग

भागलपुर। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बुधवार को भागलपुर के पीरपैंती विधानसभा क्षेत्र स्थित खवासपुर हाई स्कूल मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा प्रत्याशी मुरारी पासवान के समर्थन में जनता से अपील की। इस दौरान उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार में एनडीए की सरकार बनना तय है। चिराग पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि इस बार का चुनाव जात-पात से ऊपर उठकर विकास के लिए होना चाहिए, जिसका नारा "बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट" है। उन्होंने जोर दिया कि जनता अब केवल वादों में नहीं फंसेगी, बल्कि उस गठबंधन का साथ देगी जिसने देश और बिहार के विकास के लिए ठोस कार्य किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में हुए विकास कार्यों की सराहना की। पासवान ने बताया कि एनडीए सरकार ने गरीबों के लिए घर, शौचालय, गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने इन उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए मुरारी पासवान को विजयी बनाने का आह्वान किया। जनसभा में चिराग पासवान ने दोहराया कि बिहार में एनडीए की सरकार का गठन निश्चित है और जनता विकास की राजनीति पर भरोसा कर रही है। उन्होंने लोगों से "हर बूथ, हर वोट एनडीए के नाम" के संकल्प के साथ मतदान करने की अपील की, ताकि नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बनें और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को और सशक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर सभा स्थल पर हजारों ग्रामीण उपस्थित थे। लोग चिराग पासवान का भाषण सुनने और उनके हेलिकॉप्टर को देखने के लिए मैदान में देर तक रुके रहे। मंच पर भाजपा प्रत्याशी मुरारी पासवान, स्थानीय भाजपा और जदयू नेताओं सहित कई एनडीए पदाधिकारी मौजूद थे।

बुलडोजर दिखाकर योगी बोले: ये बिहार में चलने वाला है

जो राम का नहीं, किसी काम का नहीं, आरजेडी कितनी भी घोषणा करे विश्वास मत करना

गयाजी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गयाजी के वजीरगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। योगी ने लालू पर निशाना साधते हुए कहा, पहले चरण में इन लोगों ने पशुओं का चारा खाया। दूसरे चरण में गरीबों का राशन हजम कर जाएंगे। अगर इन लोगों को अवसर दिया तो, मैं आपसे कहता हूं, फिर से जंगलराज आएगा। इसलिए NDA कैंडिडेट्स को वोट देकर जिताइए। RJD कितनी भी बड़ी घोषणा करे कभी विश्वास नहीं करना। जो राम का नहीं हुआ, वो हमारे किसी काम का नहीं होगा। जो राम द्रोही है, वो हमारा भी द्रोही है। ये लोग जंगलराज ही लाएंगे। आगे भी यही करेंगे।' योगी ने सभा में खड़े 7 बुलडोजर दिखाते हुए कहा- 'देख लीजिए यही आपके बिहार में भी चलने वाले हैं। बस हमारी सरकार बनवाइए।' सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, 'RJD और कांग्रेस ने किसानों को लूटा। विकास का पैसा अपने परिवार के विकास में लगा दिया। उनके राज में सब चौपट था। नक्सलवाद फैलता गया। माफिया राज फैलता गया।

सत्ता के समानांतर माफिया की सरकार चलने लगी। जिस बिहार ने देश को बनाया। इन लोगों ने उस बिहार के लोगों के सामने पहचान का संकट पैदा किया। किसानों को खुदकुशी करने पर मजबूर किया। बहन और बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ किया। व्यापारी पलायन करने लगा। पूरा विकास बाधित कर दिया। बिहार में RJD और कांग्रेस का इलाज NDA है।' उन्होंने कहा, 'यूपी में RJD-कांग्रेस की पार्टनर है समाजवादी पार्टी। उनका एक शागिर्द है। उस माफिया ने समाजवादी पार्टी के समय 4 किलेनुमा बंगले बना डाले। मेरी सरकार आई तो मैंने लोगों से पूछा ये किसके घर हैं। लोगों ने किसी माफिया का नाम बताया। मैंने कहा- ये तो माफिया है। लोगों ने कहा- हां। मैंने कहा फिर बुलडोजर चलाया जाए। उसका घर गिरवाकर आज गरीबों के घर बनवा दिए हैं। जातीय सेना खड़ी कर के इन लोगों ने बिहार के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। जब भी बंटेंगे तो कटेंगे।' योगी ने कहा, इन लोगों को परेशानी होती है कि शहरों के नाम क्यों बदलते हो। हम नाम इसलिए बदल देते हैं ताकि उसके अनुरुप काम हो सके। फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया। क्यों कि पहले उसका नाम अयोध्या ही था। भगवान राम का जन्म यहां हुआ था। गंगा-यमुना का जहां संगम होता है उसका नाम प्रयागराज था। मुगलकाल में इलाहबाद कर दिया। हमने फिर से पलटकर प्रयागराज कर दिया। यहां कांग्रेस को परेशानी होगी कि कहीं वीरेंद्र सिंह जी वजीरगंज का का नाम ना बदल दें। यूपी सीएम ने कहा, मोदी जी ने 11 साल में भारत का कायाकल्प कर दिया। 2005 के पहले बिहार में क्या था। पहचान का संकट था। बिहार और यूपी के नाम देश दुनिया में कोई सम्मान नहीं देता था। अकेले लालू जी के शासन में बिहार के अंदर 7 से ज्यादा नरसंहार हुए थे। 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। बिहार के डॉक्टर, इंजीनियर कोई सुरक्षित नहीं थे। उस वक्त जंगलराज था। मोदी जी ने पिछले 11 साल में विकास के काम किए। आज बिहार के अंदर सुशासन की सरकार है।

योगी ने मुख्तार की जमीन पर बने 72 फ्लैट बांटे

बोलेः माफिया की कब्र पर फातिहा पढ़ने वालों पर भी कार्रवाई करेंगे, मंत्री की ली चुटकी

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे मुक्त कराई जमीन पर बने घरों की चाबी उनके नए मालिकों को सौंप दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन घरों की चाबी 72 परिवारों को दी। इस दौरान लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही थी। घर की चाबी पाने के बाद लखनऊ के सोनू कनौजिया भावुक हो गए। उन्होंने शायरी पढ़कर योगी और सरकार का आभार जताया। शायरी सुनकर योगी खिलखिलाकर हंस पड़े और जोर-जोर से तालियां बजाने लगे। अपने संबोधन में भी योगी ने सोनू की शायरी का जिक्र कर मंत्री सुरेश खन्ना की चुटकी ली। उन्होंने कहा- मंच पर जब सोनू बोलने आए और जिस तरह से शेर पढ़े, मुझे लगा कि ये खन्नाजी को भी फेल कर देगा। इससे साफ पता चलता है कि गरीब के मन में भी तमन्ना होती है। वे भी चाहते हैं कि उनके पास भी अपना घर हो। योगी ने कहा- लखनऊ की यह भूमि कभी माफियाओं के कब्जे में थी, लेकिन आज यहां गरीबों के लिए मकान बने हैं। मेरी इच्छा थी कि जब माफियाओं से यह जमीन खाली कराई जाएगी, तो इस पर गरीबों के घर बनें। माफिया के कब्जे से मुक्त भूमि जनकल्याण की प्रतीक बने। इसमें एक संदेश भी है- अगर गरीब, सरकार या सार्वजनिक संपत्ति पर माफिया ने कब्जा किया तो उसका यही हश्र होगा, जो लखनऊ और प्रयागराज में हमने किया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा- यह उन लोगों के लिए संदेश है, जो माफियाओं को अपना संरक्षक मानते हैं। उनकी कब्रों पर जाकर फातिहा पढ़ते हैं और गरीबों का शोषण करवाते हैं। उत्तर प्रदेश में अब ऐसा नहीं चलेगा। जो गरीबों, व्यापारियों या बहन-बेटियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनेंगे, उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होगी। घर पाने वाले सोनू कनौजिया ने मंच से शायरी पढ़कर योगी सरकार का आभार व्यक्त किया। उनकी शायरी पर योगी ने खूब तालियां बजाईं। बाद में मंत्री सुरेश खन्ना की चुटकी भी ली। बलिया के रहने वाले सचिन कुमार ने बताया कि कई सालों से लखनऊ में मकान लेने के लिए प्रयास कर रहा था। कभी सोचा नहीं था कि डालीगंज जैसे पॉश इलाके में घर मिलेगा। घर पाने वाले सोनू कनौजिया की पत्नी ने कहा- घर मिलना सपना लगा। इस वजह से रातभर सो नहीं पाए। रातभर पति को जागकर शायरी याद कराई। सीएम योगी ने कहा कि 75 जनपदों में सरदार वल्लभ भाई पटेल एम्प्लॉयमेंट सेंटर के माध्यम से स्किल डेवलपमेंट करेंगे। एम्प्लॉयमेंट देने का भी काम करेंगे। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के अवसर पर लखनऊ में जो ह्यएकता बनद्ध बनाया गया है, वह एकता और अखंडता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों के समय नदी के तटों को कब्जा कर लोगों ने आलीशान इमारतें खड़ी कर दी थीं। कुछ अवैध रूप से रह रहे लोग, जिनमें बांग्लादेशी भी शामिल थे, वहां बस गए थे। हमारी सरकार ने उन सभी अतिक्रमणों को हटाकर वहां ह्यएकता बनद्ध बनाया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा जिन लोगों ने कभी उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बनाया, जिन्होंने इसे माफियाओं का गढ़ बनने दिया, आज वही लोग समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं। उनके संवेदना न तो किसी गरीब के प्रति थी, न किसी बहन-बेटी के प्रति उनकी संवेदना केवल माफियाओं के प्रति थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सरकारों के समय प्रदेश में माफिया और बाहुबलियों को संरक्षण दिया जाता था। वे लोग माफियाओं की कब्रों पर जाकर फातिहा पढ़ते थे, लेकिन गरीबों की आह नहीं सुनते थे। आज माफिया प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं, और उत्तर प्रदेश शांति, विकास और सुरक्षा की नई पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज उस दौर से बहुत आगे निकल चुका है, जब यहां दंगे, कर्फ्यू और अराजकता आम बात हुआ करती थी। अब यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां कोई भी व्यक्ति चाहे वह देश का हो या दुनिया का आत्मविश्वास से कह सकता है कि यह अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश बन चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में लागू की गई जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है कि आज प्रदेश निवेश, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। सीएम योगी ने कहा कभी यह प्रदेश दंगों से जूझता था। पर्व-त्योहारों से पहले कर्फ्यू लग जाता था, बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, व्यापारी भयभीत रहते थे और कोई नया निवेशक यहां आने को तैयार नहीं होता था। आज स्थिति बदल चुकी है। आज दुनिया के हर बड़े निवेशक की नजर उत्तर प्रदेश पर है। उन्होंने बताया कि बीते 8 वर्षों में राज्य में 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जबकि लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश पहले ही जमीनी स्तर पर उतर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में माफिया और अपराधी ही सत्ता का प्रतीक बन गए थे। कभी प्रदेश के पश्चिम से लेकर मध्य तक माफियाओं का दबदबा था। वे कानून और संविधान का अपमान करते थे, अधिकारियों को धमकाते थे और अपने अपराधों पर गर्व करते थे।आज उत्तर प्रदेश में वही माफिया या तो जेल में हैं, या प्रदेश छोड़कर भाग चुके हैं। सीएम योगी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में कानून सर्वोपरि है। उन्होंने कहा ह्नयह वही प्रदेश है, जहां एक समय माफिया सत्ता पर हावी थे, और आज वही भूमि गरीबों के आशियाने की नींव बन चुकी है। यह बदलाव जनता के विश्वास, सरकार की नीयत और योग की नीति का परिणाम है।

देवदीपावली पर सेक्टर 8 आरती ग्राउंड में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

ओबरा। देवदीपावली के पावन अवसर पर सेक्टर 8 स्थित आरती ग्राउंड में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी रंगोलियों से पूरा परिसर जगमगा उठा। युवा जागरण मंच के तत्वाधान में हो रहे भव्य देवदीपावली आयोजन में आयोजकों ने सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कार का वितरण भी किया। इस मौके पर ओबरा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्रवण पासवान, युवा जागरण मंच के संस्थापक विपुल शुक्ला, संदीप सिंह,सूरज मिश्रा,शिवानंद,राहुल गुप्ता,जितेश गौतम के साथ हजारों दर्शक मौजूद रहे ।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का दीक्षा संस्कार, महा प्रसाद के साथ हुआ समापन

संवाददाता

कुशीननगर। फाजिलनगर क्षेत्र के ग्रामसभा लछिया स्थित श्री रामेश्वरम परमार्थ ट्रस्ट (देवभूमि हरिद्वार, उत्तराखंड) द्वारा संचालित प्राचीन सिद्धपीठ श्री रामेश्वरम महादेव धाम (मतवा जी की कुटी) के दिव्य प्रांगण में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार की प्रेरणा व गायत्री शक्तिपीठ फाजिलनगर के सहयोग से पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अवधेश पाण्डेय मुख्य संरक्षक, श्री रामेश्वरम परमार्थ ट्रस्ट के मार्गदर्शन में धाम परिसर में मुण्डन व दीक्षा संस्कार सम्पन्न हुए। जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मुख्य यजमान सम्पादक पं. राजेश्वर द्विवेदी सपत्नीक तथा सह-यजमान रामनारायण यादव सेवानिवृत्त शिक्षक रहे। गायत्री परिवार की महिला टोली श्रीमती दौपदी गुप्ता व श्रीमती निर्मला कुशवाहा ने वैदिक मंत्रोच्चारण व भजन से पूरे प्रांगण को गुंजायमान कर दिया। संचालन डा. रामएकबाल कुशवाहा ने किया। बताया कि अब प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को यह दिव्य अनुष्ठान नियमित रूप से होगा। इस दौरान चि. आदित्य सिंह का मुण्डन संस्कार भी सम्पन्न हुआ। जिसका प्रमाणपत्र वरिष्ठ पत्रकार राजेश्वर द्विवेदी द्वारा प्रदान किया गया। श्री द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में संस्कारों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। कार्यक्रम में 51 प्रकार की सब्जियों से निर्मित अमृतासन महाप्रसाद भंडारा सम्पन्न हुआ, जिसकी व्यवस्था अरविन्द सिंह ने की। मुन्नीलाल मिस्त्री ने श्रमदान किया। धाम के व्यवस्थापक सन्यासी स्वामी बैरागी जी ने बताया कि ट्रस्ट के संरक्षक अवधेश पाण्डेय के निर्देशन में प्रत्येक शुक्रवार को आध्यात्मिक चौपाल का आयोजन होता है। कार्यक्रम में त्रियुगी नारायण पाण्डेय, पं. कैलाश मिश्र, पर्सन कुशवाहा,डा. हीरालाल श्रीवास्तव,आमोद कुमार उपाध्याय,पं.सुभाष पांडेय, रमेश कुमार वर्मा,गनेश गुप्ता, रामप्रीत यादव, सुलोचन यादव, मीरा देवी, तारा देवी, सिंधु बरनवाल आदि उपस्थित रहे।

दिवंगत भदंत ज्ञानेश्वर को समाजसेवी ओम प्रकाश जायसवाल ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। दिवंगत बौद्ध धर्मगुरु, म्यांमार बुद्ध बिहार के प्रमुख और कुशीनगर भिक्षु संघ के अध्यक्ष भदंत ज्ञानेश्वर को समाजसेवी और भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बुधवार को श्री जायसवाल म्यांमार मंदिर पहुंचे और फ्रीज कर रखे दिवंगत भंते के पार्थिव शरीर का दर्शन किया तथा भंते नंदका, भंते डॉ नन्द रतन, भंते महेंद्र, भंते अशोक सहित भिक्षुओं के शांति पाठ के बीच श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री जायसवाल ने भंते के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि म्यांमार से विशिष्ट धार्मिक उपाधि ह्यअभीध्वजा महारथागुरुह्न से अलंकृत महापंडित भदन्त ज्ञानेश्वर महाथेरो का निधन सामाजिक, धार्मिक रूप से एक बड़ी क्षति है। अपने सामाजिक योगदान के लिए भंते हमेशा याद किए जाएंगे। श्रद्धांजलि देने वालों में अनिल पाण्डेय, बुद्ध विद्या बिहार के प्रधानाचार्य, पत्रकार वीरेंद्र सिंह, आनंद मोहन चौबे, विनोद गिरी, महेंद्र वर्मा, पप्पू राव आदि शामिल रहे।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

संवाददाता

\-------------

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान के लिये चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस कप्तान के निर्देशन में सभी थानों में तैनात महिला पुलिस कर्मियों, मिशन शक्ति टीम ने अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों के साथ ही खास जगाहों पर जाकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के बारे में जागरुक किया गया। इस दौरान बालिकाओं और महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच, बैड टच के साथ ही उनके अधिकारों सहित महिला अपराधों से बचाव के लिये जागरुक किया गया । महिलाओं और बालिकाओं को बताया गया कि बस,रास्तों,आम जगाहों पर मनचलों और शोहदों के छेड़खानी की घटना होने पर डरने के बजाय फौरन हेल्पलाइन नंबर 1090 सहित थाने पर जाकर एफ0आई0आर0 लिखाने के लिये जागरुक किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम का बहुत ही होशयारी के साथ इस्तेमाल करने के बारे में बताया गया। इसके साथ ही महिला और बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में बतायात गया। साथ ही खुद नियमों का पालन करते हुए अपने घर और आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया। वही उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई तरह के हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमैन पावर लाइन ,181 वूमैन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा सहित 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में पूरी जानकारी दी गई।

देव दीपावली 2025 की सुरक्षा अभेद्य, पुलिस ने मनचलों के खिलाफ कसी कमरः सामाजिक संगठनों का मिला सहयोग

संवाददाता

सोनभद्र/ओबरा। आगामी देव दीपावली महापर्व को पूरी तरह से शांतिपूर्ण, सकुशल और मर्यादा के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से, सोनभद्र के ओबरा थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की दूसरी महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पुलिस प्रशासन ने पर्व आयोजकों को सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कड़े विधिक दिशानिर्देश दिए। बैठक में युवा जागरण मंच और सामाजिक प्रगति परिषद जैसे स्थानीय सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इनकी उपस्थिति से यह स्पष्ट होता है कि पुलिस प्रशासन और नागरिक समाज मिलकर महापर्व को सफल बनाने की तैयारी कर रहे हैं। बैठक का नेतृत्व क्षेत्राधिकारी (CO) हर्ष पांडे और ओबरा के थाना प्रभारी विजय चौरसिया ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन किसी भी कीमत पर पर्व की पवित्रता और जनसुरक्षा के साथ समझौता नहीं करेगा। यह बैठक ओबरा क्षेत्र में महापर्व को सुरक्षित और मर्यादा के साथ मनाने के लिए प्रशासन की उच्च गंभीरता को दर्शाती है। मनचलों के लिए जीरो टॉलरेंस नीति ओबरा क्षेत्राधिकारी हर्ष पांडे ने असामाजिक तत्वों को दो-टूक चेतावनी जारी करते हुए कहा कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में मनचले लोग सावधान रहें। हिंदू सनातन धर्म की आस्था के स्थान पर किसी भी प्रकार की अभद्रता या अशांति फैलाने वाले लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी श्रद्धालु और दर्शक सुरक्षित एवं सम्मानजनक माहौल में पर्व का आनंद ले सकें। थाना प्रशासन ने देव दीपावली के आयोजकों को निम्नलिखित पाँच प्रमुख विधिक निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया है।आयोजक अपना कार्यक्रम सक्षम अधिकारी से विधिवत अनुमति प्राप्त कर ही संपादित करेंगे।कार्यक्रम के दौरान उच्च चरित्र रखने वाले पर्याप्त संख्या में वॉलंटियर (स्वयंसेवकों) को तैनात किया जाएगा, ताकि भीड़ को कुशलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सके। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार के अश्लील नृत्य या गाने का आयोजन पूर्णत वर्जित रहेगा।

नियमों का उल्लंघन करने पर तुरंत कड़ी कार्रवाई होगी। मंच और बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता को कार्यक्रम से पूर्व ही भली-भांति जाँच लिया जाए, ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। भीड़ के सुचारू आवागमन और किसी भी भगदड़ जैसी स्थिति से बचाव के लिए आने व जाने हेतु अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

थाना ओबरा पुलिस द्वारा यातायात माह नवंबर के तहत चलाया गया चेकिंग अभियान

संवाददाता

सोनभद्र/ओबरा। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के दिशा निर्देशन में यातायात माह नवंबर 2025 के तहत सड़क सुरक्षा एवं नियमों के पालन को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पांडे के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया के नेतृत्व टिम बनाकर कस्बा इंचार्ज विष्णु प्रताप सिंह ,उ०नि०राम सिंह का० यशवंत सरोज का० अरुण यादव म०का० अर्चना थाना ओबरा जनपद सोनभद्र द्वारा ओबरा के सुभाष तिराहे पर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने ओबरा कस्बे के विभिन्न मुख्य मार्गों एवं चौराहों पर वाहन चालकों की सघन जांच की। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन सवारों, सीट बेल्ट न लगाने वाले चारपहिया चालकों तथा ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। क्षेत्राधिकारी हर्ष पांडे ने बताया कि यातायात माह के दौरान लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है, इसलिए नियमों का पालन करना जरूरी है। चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की हिदायत दी।

कोरिया मंदिर भिक्षुओं को चीवर और जरूरतमंदों को कम्बल किया गया भेट

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध मार्ग की कुशीनगर स्थित कोरिया मॉनेस्ट्री में कार्यक्रम आयोजित कर भिक्षुओं को चीवर और एक हजार जरूरतमन्दो को कंबल वितरित किया गया। बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भिक्षुओं ने बुद्ध वंदना किया। इसके पश्चात कोरिया मंदिर के प्रमुख भिक्षु सोंग क्यांग सन ने सभी भिक्षुओं को चीवर दान दिया। इसके पश्चात बुद्ध स्थली क्षेत्र से आए जरूरतमन्दो को कंबल भेंट किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि कोरिया भंते का गरीब परिवारों को दशकों से लगाव रहता है और सहयोग करते रहते हैं। शुरू हो रहे ठंड को देखते हुए कम्बल वितरण सराहनीय है।श्रद्धालुओं के दल ने सबको नमस्ते बोलकर धन्यवाद दिया। सभी के प्रति आभार कोरिया मंदिर के स्थानीय व्यवस्थापक भंते सागर ने व्यक्त किया। इस मौके पर ओम प्रकाश कुशवाहा, अविकेश त्रिपाठी, अमोद कुमार सिंह, सूरज यादव, सुनील, रविन्द्र सिंह, आंचल कुशवाहा आदि ने सहयोग किया। इस अवसर पर भंते महेंद्र, तिब्बती भंते कंचुक लामा, भिक्षुणी धम्म नैना, विनय कीर्ति, भंते उपाली, भंते मुलायम, भंते यश, फ्रा पी पविन, फ्रा अनुवत, पी नलोंग, फ्रा डॉ किटिफान, भंते बोद्धयांग गौतम आदि भिक्षु, कोरियाई किम मान हे, किम उन सूक, सरदार पटेल पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चे मौजूद थे।

पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत कुरारा पुलिस ने एसटी नं0 1025/2022, अ0सं0 148/2021, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के मामले में 48 वर्षीय वारंटी अभियुक्त गोविन्द सिंह पुत्र स्व0 अतबल सिंह निवासी ग्राम कुशौलीपुरवा कुरारा को ग्राम कशौलीपुरवा के पास से गिरफ्तार कर अदालत भेजा गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में एस आई राकेश कुमार सहित कांस्टेबल प्रताप कुमार शामिल रहे।

मिजार्पुर में 2 बहनों समेत 6 महिलाएं ट्रेन से कटीं

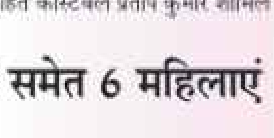

मिजार्पुर। यूपी के मिजार्पुर में कालका एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर 6 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें दो सगी बहनें हैं। हादसा सुबह 9:30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन पर हुआ। चोपन से पैसेंजर ट्रेन चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर- 3 पर पहुंची थी। भीड़ अधिक होने की वजह से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म पर न उतरकर दूसरी तरफ ट्रैक पर उतर गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर कालका एक्सप्रेस आ रही थी। अचानक ट्रेन आते ही यात्री घबरा गए। पुरुष तेजी से प्लेटफॉर्म पर चढ़ गए, जबकि महिलाएं नहीं चढ़ पाईं और ट्रेन की चपेट में आ गईं। उनके शवों के टुकड़े करीब 50 मीटर तक ट्रैक पर बिखर गए। शवों को बैग में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रेलवे अफसरों ने बताया कि कालका एक्सप्रेस का चुनार में स्टॉपिज नहीं है, इसलिए ट्रेन की स्पीड तेज थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के कारण स्टेशन पर भारी भीड़ थी। हादसा इतनी तेजी से हुआ कि किसी को समझने का मौका ही नहीं मिला। जब ट्रेन गुजर गई, तब ट्रैक पर लाशें बिखरी नजर आईं। कार्तिक पूर्णिमा के चलते स्टेशन पर भीड़ थी, इसके बावजूद प्लेटफॉर्म से ट्रेन को धीमी गति में नहीं गुजारा गया। गंगा घाट रेलवे स्टेशन से सिर्फ 2-3 किमी दूर है। मरने वालों में 5 महिलाएं मिजार्पुर की और एक सोनभद्र की रहने वाली थीं। इनकी पहचान दो सगी बहनों सविता (28) और साधना (15) के अलावा शिवकुमारी (17), अंजू देवी (20), सुशीला देवी (60) और सोनभद्र निवासी कलावती देवी (50) के रूप में हुई है। मिजार्पुर के खमरिया गांव से 15 से ज्यादा श्रद्धालु चुनार में गंगा स्नान के लिए निकले थे। सुबह करीब 10 बजे गांववालों को हादसे की जानकारी मिली। वहीं, प्रयागराज जीआरपी के एसपी प्रशांत वर्मा ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगी थी। कुछ महिला प्लेटफॉर्म के अपोजिट उतर गईं। उस ट्रैक पर आई ट्रेन की चपेट में आ गईं। अगर कोई लापरवाही मिलती है, तो एक्शन होगा। वहीं, डीएम पवन गंगवार ने बताया कि ट्रेन से उतरकर प्लेटफॉर्म बदलते समय यात्री दूसरे ट्रैक पर चले गए थे। इसके चलते सभी लोग ट्रेन की चपेट में आ गए। यूपी सरकार के मंत्री रविंद्र जायसवाल ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की है।

एसबीआई से 40 लाख का होम लोन लेने के लिए आपकी मासिक सैलरी कितनी होनी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक से घर खरीदने के लिए लोन लेने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। एसबीआई फिलहाल 7.5 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है लेकिन सवाल यह उठता है कि 40 लाख का होम लोन लेने के लिए आपकी मासिक सैलरी कितनी होनी चाहिए आइए जानते है। एसबीआई के नियमों के अनुसार 40 लाख का होम लोन 30 साल की अवधि के लिए लेने पर आपकी मासिक सैलरी 56,000 होनी चाहिए। यह कैलकुलेशन 7.5 प्रतिशत की सालाना ब्याज दर पर आधारित है। बैंक आपकी सैलरी का 50 प्रतिशत तक ईएमआई के तौर पर ले सकता है इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आप पर पहले से कोई बड़ा लोन न हो। यदि आप 7.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर 30 साल के लिए 40 लाख का होम लोन लेते हैं तो आपको हर महीने करीब 28,000 की ईएमआई चुकानी होगी। यह राशि सीधे आपके बैंक अकाउंट से कट जाएगी। यह गणित बताता है कि बैंक यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास ईएमआई भरने के बाद भी अपने खर्चों के लिए पर्याप्त पैसा बचे।

पेंशन नियमों में बड़ा बदलाव, 1 अक्टूबर से बदल जाएगा नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन सिस्टम से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। 1 अक्टूबर 2025 से गैर-सरकारी सब्सक्राइबर्स अपनी पूरी पेंशन रकम को 100 प्रतिशत इक्विटी (शेयर बाजार) से जुड़ी स्कीम में निवेश कर सकेंगे। अभी तक इक्विटी में निवेश की सीमा 75 प्रतिशत तय थी, जिसे अब हटा दिया गया है। नए बदलावों के तहत सब्सक्राइबर्स को एक से ज्यादा स्कीमों में निवेश करने की आजादी मिलेगी यानी अब निवेशक अपनी उम्र, जरूरत और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर अपनी पेंशन राशि को इक्विटी, डेब्ट या बैलेंस्ड फंड जैसी विभिन्न स्कीमों में बांट सकेंगे। इससे एनपीएस पहले की तुलना में कहीं अधिक लचीला हो जाएगा। इसके अलावा, निवेशक चाहें तो 50 या 55 साल की उम्र में ही अपनी पेंशन की रकम निकाल सकेंगे। वहीं अगर कोई निवेश जारी रखना चाहता है तो वह 75 साल तक पैसा जमा कर सकता है। यह बदलाव खास तौर पर उन प्रोफेशनल्स, सेल्फ-एम्प्लॉयड लोगों और कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जिनकी जरूरतें और प्लानिंग अलग होती हैं। भले ही एनपीएस में निवेश की नई छूट दी गई है लेकिन सुरक्षा से जुड़े नियम पहले जैसे ही रहेंगे। पेंशन अकाउंट पोर्टेबल होंगे और सब्सक्राइबर्स चाहें तो किसी भी पेंशन फंड मैनेजर के साथ अपना खाता आसानी से ट्रांसफर कर सकेंगे। सबसे अहम बात यह है कि रकम निकालने के समय कुल राशि का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा अन्युटी में लगाना जरूरी होगा, ताकि रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सुनिश्चित की जा सके। पेंशन फंड के एमडी और सीईओ श्रीराम अय्यर का कहना है कि यह नया फ्रेमवर्क एनपीएस को रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए और आकर्षक बना देगा। उनके मुताबिक 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश का विकल्प और 15 साल बाद पैसा निकालने की सुविधा खासकर युवा निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद होगी।

बैन और फ्रॉड के बाद गेमिंग कंपनी की बढ़ी मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में रियल मनी गेमिंग पर लगाए गए सख्त प्रतिबंध और कंपनी में सामने आए घोटाले संकट में डाल दिया है। सरकार के बैन और पूर्व सीएफओ पर लगे फ्रॉड के आरोपों के बीच कंपनी ने लगभग 120 कर्मचारियों की छंटनी की है, जिससे उनके करियर और सेक्टर की स्थिरता दोनों प्रभावित हुई हैं। यह फैसला कंपनी-व्यापी पुनर्गठन और सरकारी नियमों में बदलाव के कारण लिया गया। हाल ही में भारत सरकार ने ऐसे ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगाई है जिनमें असली पैसे से दांव लगाया जाता है और जीत की संभावना रहती है। रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म का बिजनेस मॉडल प्रभावित हुआ है। कंपनी के फाउंडर पृथ्वी सिंह ने कहा कि यह निर्णय उनके लिए कठिन था और उन्होंने छंटनी किए गए कर्मचारियों का योगदान सराहा। प्रभावित कर्मचारियों को उनके पैकेज, छुट्टियों का पैसा और मार्च 2026 तक ग्रुप हेल्थ बीमा जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।
इस बीच, कंपनी को एक और संकट का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व सीएफओ रमेश प्रभु पर 270 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगा है। कंपनी ने उनके खिलाफ बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज करवाई है।

अनाज और कपास व्यापार का हब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विकास की रीढ़ कहा जाता है। यह क्षेत्र न केवल करोड़ों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि नवाचार को बढ़ावा देने और स्थानीय व क्षेत्रीय विकास को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इन्हीं संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा के लिए अमर उजाला की ओर से 'एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जा रहा है। रोहतक में एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन 18 सितंबर को दोपहर 11 से 2 बजे तक होगा। इसका अयोजन स्थल राधाकृष्णन सभागार, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर उद्योग, व्यापार और विकास जगत से जुड़े कई प्रमुख लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री राजेश नागर होंगे। इस मंच पर विशेषज्ञ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वित्त तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण, निर्यात विस्तार, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा करेंगे। साथ ही, फंडिंग के नए विकल्प, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आधुनिक तकनीकें तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग पर भी प्रकाश डाला जाएगा। वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर दिया जाएगा। इस मंच पर विशेषज्ञ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वित्त तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण, निर्यात विस्तार, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। साथ ही, फंडिंग के नए विकल्प, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आधुनिक तकनीकें तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग पर भी रोशनी डाली जाएगी।

अर्बन कंपनी के आईपीओ ने एक्सेल पर बरसा दिया पैसा

14.3 करोड़ लगाकर 390 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिलिकॉन वैली की एक बड़ी कंपनी एक्सेल ने फिर कमाल कर दिया है। एक्सेल पहले फेसबुक में निवेश करने के लिए जानी जाती है। अब अर्बन कंपनी में निवेश करके कंपनी ने बहुत अच्छा मुनाफा कमाया है। अर्बन कंपनी का आईपीओ बुधवार को शेयर बाजार में करीब 58 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ।

एक्सेल ने दस साल पहले अर्बन कंपनी में 14.3 करोड़ रुपये का निवेश किया था। तब कंपनी ने शेयर 3.77 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे थे। आईपीओ में शेयर का भाव 103 रुपये था। इस हिसाब से एक्सेल के 14.3 करोड़ रुपये के शेयर अब 390 करोड़ रुपये के हो गए। यानी कंपनी को लगभग 27 गुना फायदा हुआ है।

कुल 55 करोड़ रुपये का निवेश: एक्सेल ने अर्बन कंपनी में कुल 55 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इससे कंपनी को 14.56 करोड़ शेयर मिले थे। आईपीओ के भाव के हिसाब से इन शेयरों की कीमत 1,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। ष्ह्य ने 390 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। फिर भी उसके पास 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बचे हैं।

पहले भी कमाया है मुनाफा

एक्सेल ने पहले भी कई कंपनियों में निवेश करके अच्छा मुनाफा कमाया है। फेसबुक में कंपनी का निवेश 800 गुना बढ़ गया था। भारत में अर्बन कंपनी से कंपनी का पोर्टफोलियो और मजबूत हुआ है।

कंपनी को हुआ मुनाफा: अर्बन कंपनी पहले अर्बनक्लैप के नाम से जानी जाती थी। यह एक ऐसी कंपनी है जो लोगों को घर पर ही कई तरह की सर्विसेज देती है। जैसे कि ब्यूटी पार्लर, एसी रिपेयर, घर की सफाई आदि। कंपनी को वित्त वर्ष 2025 में 240 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल कंपनी को 93 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

शानदार लिस्टिंग के बाद तेजी

अर्बन कंपनी का आईपीओ करीब 58 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था। इसके बाद यह शेयर 3.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 167.05 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह शेयर 179 रुपये तक पहुंच गया था। कंपनी के आईपीओ को भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। यह 103.6 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सबसे ज्यादा बोलियां क्यूआईबी और गैर-संस्थागत निवेशकों से आई। क्यूआईबी वे निवेशक होते हैं जो शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश करते हैं।

व्यापार से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक दिखी रफ्तार

वैश्विक झटकों के बावजूद मजबूत बना रहेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी।
वैश्विक आर्थिक झटकों के असर से भारत की विकास दर पर अल्पकालिक दबाव दिख रहा है, लेकिन देश की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी बरकरार है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास और प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत की है। इससे विकसित देशों की तुलना में भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच, भारत की वृद्धि मजबूत है और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसकी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि भारत वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा,

जिससे आर्थिक वृद्धि, पूंजी आकर्षण और रोजगार सृजन के अवसर बढ़ेंगे। हालांकि, इसके लिए केंद्र, राज्य और नौकरशाही स्तर पर सुधार जरूरी बताए गए हैं, ताकि एक अधिक संगठित प्रणाली तैयार हो सके। निजी क्रेडिट उद्योग को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताया गया है। इसमें कहा गया है कि पारंपरिक बैंकों द्वारा छोड़े गए फाइनेंसिंग गैप के कारण प्राइवेट क्रेडिट सेक्टर मजबूत विस्तार की ओर बढ़ रहा है। घरेलू दिवाला ढांचा इस क्षेत्र को और मजबूती दे रहा है। जोखिम मौजूद होने के बावजूद, व्यापक वित्तीय प्रणाली से सीमित जुड़ाव इस सेक्टर को सुरक्षा प्रदान कर सकता है।

अमेरिका में बड़ा होटल बेचने की तैयारी में टाटा ग्रुप

दो अरब में हो सकती है डील

नई दिल्ली, एजेंसी।
टाटा ग्रुप का ताज ग्रुप न्यूर्याक के द पियरे होटल से बाहर निकल सकता है। ब्रुनेई के सुल्तान और सऊदी व्यापारी एस्सम खशोगी मिलकर इसे खरीदना चाहते हैं। यह डील लगभग 2 बिलियन की हो सकती है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो ताज लगभग 20 साल के बाद पियरे होटल का प्रबंधन छोड़ देगा। इसके बाद अमेरिका में ताज के पास सिर्फ एक होटल बचेगा, जो सैन फ्रांसिस्को में ताज कैम्पटन प्लेस है। ताज ग्रुप ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से मना कर दिया है।

ताज की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने पियरे होटल को साल 2005 में खरीदा था। इसे उत्तरी अमेरिका में अपना सबसे खास होटल बनाया था। इसके बाद 2009 में कंपनी ने इस लग्जरी होटल का 100 मिलियन डॉलर से रिनोवेशन कराया था। न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को के दोनों होटल यूनाइटेड ओवरसीज होल्डिंग के अंतर्गत आते हैं।

आईएचसीएल, ताज ग्रुप की मालिक है और यह 165 बिलियन के टाटा ग्रुप का हिस्सा है। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, आईएचसीएल ने फाइनेंशियल ईयर 2025 में यूओएच में 2,324 करोड़ रुपये का निवेश किया था। हालांकि, यूओएच को उस दौरान 82 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। पियरे होटल में 189 कमरे, रेस्टोरेंट और लग्जरी अपार्टमेंट हैं। इसे पिछले साल बिक्री के लिए रखा गया था। इस होटल में मौजूद अपार्टमेंट के मालिक भी इस प्रॉपर्टी के शेयरधारक हैं। इनमें अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड नेगोशिएशन के प्रभारी हावर्ड लुट्निक, जॉर्डन की राजकुमारी फिरयाल, फैशन डिजाइनर टोरी बर्च और डिज्नी के पूर्व प्रमुख माइकल आइजनर शामिल हैं। लुट्निक के पास होटल में एक पेंटहाउस है।

जानी-मानी हस्तियों के अपार्टमेंट

कौन है खरीदार?

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ताज ने प्रॉपर्टी की स्टीवर्डशिप का बचाव किया है और ऐसे अपग्रेड्स का प्रस्ताव रखा है जिससे रेजिडेंट्स को बाहर निकलने की जरूरत नहीं होगी। अखबार ने यह भी लिखा है कि पियरे का बोर्ड बिक्री के लिए अंतिम दौर की बातचीत कर रहा है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो इसका मैनेजमेंट लग्जरी चेन डोर्चेस्टर कलेक्शन को मिल सकता है। डोर्चेस्टर कलेक्शन के मालिक सुल्तान हसनल बोल्किया है। एस्सम खशोगी इस डील को फंड कर सकते हैं।
इस डील से ताज का अंतरराष्ट्रीय कारोबार कम हो जाएगा। आईएचसीएल के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने हाल ही में शेयरधारकों को बताया कि कंपनी की विदेश में विस्तार की कोई आक्रामक योजना नहीं है। उन्होंने जुलाई में, उन्होंने कहा था कि विदेशी विस्तार के मामले में हम हर वैश्विक बाजार को नहीं देख रहे हैं।

दीवाली गिफ्ट!, सबसे बड़ा आईपीओ लाई थी कंपनी

हर कर्मचारी की सैलरी में होगा 31,000 का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी।
ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड और यूनाइटेड यूनियन ऑफ हुंडई एम्प्लॉइज के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता कर्मचारियों की सैलरी को लेकर है। यह तीन साल के लिए किया गया है। यह अप्रैल 1, 2024 से मार्च 31, 2027 तक चलेगा। कंपनी का कहना है कि यह समझौता इंडस्ट्री में सबसे अच्छा है। इसके मुताबिक कर्मचारियों की सैलरी में हर महीने 31,000 की बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी तीन सालों में होगी। पहले साल में 55 प्रतिशत, दूसरे साल में 25 प्रतिशत और तीसरे साल में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

एचएमआईएल का कहना है कि वह कर्मचारियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं और वेलनेस प्रोग्राम भी देगी। कंपनी के एक अधिकारी यंगम्युंग पार्क ने कहा, हुंडई में, हमारे लोग हमारी सफलता की नींव हैं। यह समझौता आपसी विश्वास और सम्मान पर बना है। यह दिखाता है कि हम कर्मचारियों के लिए बेहतर माहौल बनाना चाहते हैं।

यूनियन का लेखाजोखा: यूयूएचई यूनियन 2011 में बनी थी। यह एचएमआईएल के कर्मचारियों की आधिकारिक यूनियन है। अगस्त 31, 2025 तक, इसमें 1,981 सदस्य हैं। ये सदस्य कंपनी के 90 प्रतिशत तकनीशियन और वर्कमैन कैडर हैं। इसका मतलब है कि कंपनी के

ज्यादातर टेक्नीशियन और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व यूयूएचई यूनियन करती है। गुरुवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.23 प्रतिशत तेजी के साथ 2,684 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 2,711 रुपये है।

हुंडई मोटर इंडिया पिछले साल देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आई थी। इसका साइज 27,870 करोड़ रुपये का था। यह 15 से 17 अक्टूबर, 2024 तक खुला था और इसका प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये प्रति शेयर था। यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल था। इसके तहत पैरेंट कंपनी दक्षिण कोरिया की हुंडई मोटर ने अपनी हिस्सेदारी बेची थी।

ट्रंप की फांस से हुआ फायदा, अमेरिका के बाद आयरलैंड कमाई का दूसरा देश, तेजी से बढ़ रहा है एप्पल का हिस्सा

ट्रंप की फांस से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को हुआ फायदा, अमेरिका को ही माल बेच कर कर रही कमाई

कोलकाता, एजेंसी।
टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का नाम जरूर सुना होगा। इस कंपनी की कमाई में एप्पल आईफोन का बहुत बड़ा योगदान है। एफवाय25 में, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की जितनी भी कमाई हुई, उसका लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को आईफोन भेजने से आया।

आपको पता ही होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन से आने वाले समानों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इससे बचने के लिए एप्पलने भारत में अपना प्रोडक्शन बढ़ाया था। इसी का फायदा भारत की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को मिला। उसने यहां एप्पल के आईफोन बनाने की फैक्टी लगाई। अब जबकि एप्पल चीन से अपना प्रोडक्शन भारत में शिफ्ट करने लगता है तो इसे फायदा पहुंचना लाजिमी है। तभी तो पिछले वित्तीय वर्ष में, भारत से अमेरिका को आईफोन भेजने से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को 23,112 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पिछले साल अमेरिका सबसे बड़ा बाजार तो रहा ही, इसके बाद आयरलैंड कंपनी के लिए दूसरा सबसे बड़ा कमाई करने वाला देश रहा। आयरलैंड से

कंपनी को 23 प्रतिशत यानी 14,255 करोड़ रुपये की कमाई हुई। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि यूरोप में एप्पल का बेस आयरलैंड ही है। इसके बाद ताइवान को आईफोन भेजने से कंपनी को 15 प्रतिशत की कमाई हुई। वहीं, भारत में आईफोनबेचने से कंपनी को 20 प्रतिशत की कमाई हुई। यह जानकारी कंपनी ने कंपनियों के रजिस्ट्रार को दी है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की कमाई में एप्पलका हिस्सा तेजी से बढ़ा है। इससे पता चलता है कि ट्रम्प के टैक्स लगाने की धमकी देने से पहले ही एप्पलने अमेरिका के लिए आईफोन का प्रोडक्शन चीन से भारत में शिफ्ट कर दिया था। पिछले साल, कंपनी सिर्फ ताइवान को आईफोन भेजती थी और भारत में आईफोनबेचती थी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवान की फॉक्सकॉन भारत में आईफोन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियां हैं।

दो फैक्ट्रियों में बनता है आईफोन: भारत में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने दो फैक्ट्रियों से आईफोनबनाना और निर्यात करना शुरू किया है। इनमें विस्ट्रॉन की वो फैक्ट्री भी शामिल है, जिसे टाटा ने मार्च 2024 में खरीदा था। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस, जो पहले विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग इंडिया के नाम से जानी जाती थी, अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनी है।

घोषणा-पत्र: लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

ललित गर्ग

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते है कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या है और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता।

यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने ङ्कसंकल्प पत्रङ्क में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने ङ्कतेजस्वी प्रणङ्क में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बनें। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक वह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगतियां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निश्शंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

बिहार की रक्तरंजित राजनीति व जातीय समीकरणों का नया गणित

विनोद कुमार सिंह

बिहार विधान सभा चुनाव 25 की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है। बिहार विधान सभा के इस चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है ।

बिहार विधानसभा चुनाव 25 के प्रथम चरण से पहले ही मोकामा में हुई जन सुराज समर्थक नेता दुलार चंद यादव की हत्या ने राज्य की राजनीति में सनसनी मचा दी है।यह घटना न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहरी चोट है,बल्कि यह बिहार की उस पुरानी सियासी संस्कृति को भी उजागर करती है,जहाँ बाहुबल, जाति और सत्ता का संगम अक्सर खून-खराबे का सबब बनता है।हत्या से उपजा सियासी तूफान मोकामा विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता दुलार चंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई।उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के समर्थकों ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया और फिर यादव को कार से कुचल दिया।वहीं अनंत सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि जन सुराज समर्थकों ने उनके काफिले पर पथराव किया,जिसमें उनके कई समर्थक घायल हुए औरअफरातफरी में किसी ने गोली चला दी।इस घटना ने मोकामा की राजनीति को आग में झोंक दिया है।तेजस्वी यादव,पप्पू यादव और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।पप्पू यादव ने कहा,'हर बड़ी घटना में अनंत सिंह का नाम क्यों आता है?' यह बयान अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है।दुलारचंद यादव कभी लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी माने जाते थे। टाल क्षेत्र में उनका वर्चस्व रहा और वे 1990 के दशक में मोकामा से चुनाव भी लड़ चुके थे।उनका नाम राजनीति के साथ-साथ अपराध की दुनिया से भी जुड़ा रहा।हाल के वर्षों में वे जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी उर्फ लल्लू मुखिया के समर्थक बने और खुलेआम अनंत सिंह के खिलाफ बयान देने लगे।यही विरोध अबउनके जीवन का अंत साबित हुआ।बिहार विधान सभा चुनाव में मोकामा : -सर्व विदित रहे कि बिहार में बाहुबल और राजनीति की प्रयोगशाला पटना से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित मोकामा है । यहाँ की विधानसभा क्षेत्र बिहार की राजनीति का प्रतीक-क्षेत्र बन चुका है ।यहाँ जाति,बाहुबल और जनाधार का अनोखा समीकरण है।1951 में गठित यह विधानसभा क्षेत्र मुंगेर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है।यहाँ का इतिहास बताता है कि 1990 के दशक से बाहुबली नेताओं का बोलबाला रहा है।पहले 'बड़े सरकार' दिलीप सिंह,फिर 'छोटे सरकार'अनंत सिंह।अनंत सिंह ने 2005 से 2020 तक पाँच बार इस सीट पर विजय हासिल की-चाहे वे जदयू,राजद या निर्दलीय उम्मीदवार रहे हों।2020 में जेल से चुनाव जीतने के बाद भी उनका प्रभाव अडिग रहा,और 2022 में पत्नी नीलम देवी को उपचुनाव में विजेता बनाकर उन्होंने अपना किला बचाए रखा।विधान सभा चुनाव जीत की कुंजी मोकामा की सामाजिक संरचना बिहार की सियासत का सूक्ष्म प्रतिबिंब है।भूमिहार समुदाय यहाँ निर्णायक भूमिका में है, परंतु यादव, कुर्मी, धानुक, पासवान और अति पिछड़ी जातियाँ भी परिणाम तय करती हैं।दुलारचंद यादव की हत्या से यादव और ओबीसी वर्ग में गुस्सा देखा जा रहा है,जो जनसुराज और राजद के पक्ष में लामबंदी की भूमिका निभा सकता हैवहीं,भूमिहार मतदाता परंपरागत रूप से अनंत सिंह के साथ रहे हैं,लेकिन इस घटना ने उनके बीच भी असहजता पैदा की है।यदि यह असंतोष जदयू के कोर वोट बैंक में सेंध लगाता है,तो मोकामा का 'अभेद्य किला' दरक सकता है।इसका राजनीतिक प्रभाव और संभावित परिणाम -1.जनसुराज पार्टी के लिए सहानुभूति लहर-हत्या ने पीयूष प्रियदर्शी के लिए सहानुभूति की जमीन तैयार कर दी है।

2.अनंत सिंह की छवि पर आघात - बाहुबली की पहचान अब उनके लिए शक्ति नहीं,बोझ बन सकती है।

3.राजद और कांग्रेस के लिए अवसर -यादव और अति पिछड़े मतदाताओं के एकजुट होने से महागठबंधन को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है।

4.एनडीए की रणनीति पर दबाव – जदयू और बीजेपी के लिए यह सीट अब 'सम्मानजनक हार' से बचाने की चुनौती बन गई है।

बिहार विधान सभा चुनाव की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है।बिहार के इस विधान सभा चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है।दुलारचंद यादव की हत्या सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक चेतना की हत्या है जो बिहार को बदलाव की राह पर ले जाने की कोशिश कर रही थी।मोकामा का ऐतिहासिक गौरव और आज का विरोधाभास-1908 में यहीं मोकामा घाट स्टेशन पर क्रांतिकारी प्रफुल्ल चाकी ने ब्रिटिश मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड की हत्या के प्रयास के बाद आत्मबलिदान दिया था।आज वही भूमि राजनीतिक हिंसा और बाहुबलीकरण का प्रतीक बन चुकी है-यह बिहार की विडंबना है कि जहाँ कभी क्रांति के लिए गोली चली थी,अब सत्ता के लिए चलती है।दुलारचंद यादव हत्याकांड ने बिहार के पहले चरण के चुनाव को एक भावनात्मक मोड़ दे दिया है।यदि यह मामलाजनमानस में अनंत सिंह के खिलाफ लहर बनाता है,तो यह मोकामा ही नहीं,आस-पास की सीटों पर भी असर डाल सकता है।दूसरी ओर,यदि एनडीए इसे राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में पेश कर पाने में सफल रहा,तो परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।लेकिन इतना तय है कि मोकामा की यह रक्तरंजित घटना 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को जातीय और नैतिक दोनों ही दृष्टियों से निर्णायक मोड़ पर पहुँचा चुकी है। मूल प्रश्न यह नहीं कि किसने गोली चलाई बल्कि यह कि बिहार में लोकतंत्र कब तक बंदूक की नली से निकलेगा।जो आगामी वर्ष होने वाले पश्चिमी बंगाल,उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में होने विधान सभा चुनावों व भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्रवाद ' लिंग भेद भाव के पड़नें वाले प्रभाव भारत की राजनीति के लिए खतरें की घंटी है।

काला शनिवार : श्मशानघाट बन गया मंदिर,भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं लाशों के अंबार लगते जा रहे हैं हर माह ऐसे हादसे हो रहे हैं' सितम्बर में हुई घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की एक नवंबर 2025 को आंध्रप्रदेश में फिर घटना हो गई' वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में रेलिंग टूटने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए मंदिर पल भर में श्मशानघाट बन गया भगदड़ मचने से नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई यह दुःखद हादसा शनिवार को सुबह साढ़े नौ बजे के करीब हुआ 'ऐसी ही भगदड़ की घटना बीते 27 सितम्बर को तमिलनाडु के करूर में तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' 17 महिलाओं की मौत हो गई थी 'मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे ' करूर के जिस मैदान में यह हादसा हुआ था वहाँ केवल.10000 लोगों की क्षमता थी 'लेकिन यहां लगभग 30000 से अधिक लोग मौजूद थे' भगदड़ मचने से ज्यादातर मौतें हुई हैं मौत का कारण दम घुटना था ' शनिवार को चारों तरफ लाशों का अंबार लग गया' पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था ' सरकार ने मृतकों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया है' गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे ' मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ था ' मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढ़ीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था 'यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी ' 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गई थी और काफी लोग घायल हुए थे ' 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं ' 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे ' मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं ' कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याएं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पड़ा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नींद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवघर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेश्र के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टूटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो.रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालुओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियों को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें। वक्त अभी संभलने का है'

जेलर 2 में अहम भूमिका में नजर आएंगी विद्या बालन

मिथुन चक्रवर्ती बनेंगे विलेन

सुपरस्टार रजनीकांत की साल 2023 में आई फिल्म जेलर बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। नेल्सन के डायरेक्शन में करीब 220 करोड़ के बजट में बनी तमिल एक्शन फिल्म ने देश में 348.55 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये की धुआंधार कमाई की थी। इसके बाद से ही इसके सीक्वल जेलर 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। रजीनकांत इन दिनों कुली की रिलीज के बाद से जेलर 2 की शूटिंग में बिजी हैं और यह 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से है। अब एक दिलचस्प खबर ये आ रही है कि इस सीक्वल फिल्म में विद्या बालन को कास्ट किया गया है। सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के मुताबिक, जेलर 2 में विद्या बालन एक अहम भूमिका में नजर आएंगी। इस सीक्वल फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पहली फिल्म की घटनाएं खत्म हुई थीं। फिल्म रजनीकांत के केंद्रीय किरदार टाइगर मुथुवेल पांडियन पर ही आधारित होगी, जो एक नए मूर्ति-तस्करी अंडरवर्ल्ड सिंडिकेट से लड़ता है। अपने बेटे की मौत के बाद मुथुवेल की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है, जिसकी बानगी भी सीक्वल फिल्म में नजर आएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, विद्या बालन इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी। अजित कुमार की फिल्म निर्कोंडा पारवाई में एक छोटी सी भूमिका के बाद तमिल सिनेमा में यह विद्या की दूसरा किरदार है। लेकिन इस बार वह एक फुल लेंथ रोल में नजर आएंगी।

मिथुन चक्रवर्ती बनेंगे मेन विलेन

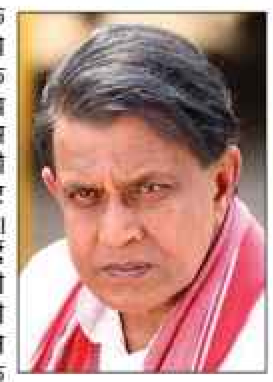

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि विद्या इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती की बेटी का किरदार निभाएंगी। मिथुन बड़े पर्दे पर प्रभास की फौजी में भी नजर आने वाले हैं। जबकि जेलर 2 में वह रजनीकांत के सामने मेन विलेन बनकर खड़े होंगे। फिल्म की शूटिंग फिलहाल चेन्नई में चल रही है और जनवरी तक शूटिंग खत्म कर इसके पोस्ट-प्रोडक्शन का शुरू होने की उम्मीद है।

जेलर , 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक की तैयारी

हालांकि, विद्या बालन या फिल्म की प्रोडक्शन टीम की ओर से अभी तक इस ओर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उम्मीद यही है कि जेलर 2 अगले साल 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें नंदमुरी बालकृष्ण, शिव राजकुमार और मोहनलाल के कैमियो की भी चर्चा है।

जेलर 2 के बाद कमल हासन संग फिल्म करेंगे रजनीकांत

वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत, आगे देखते जेलर 2 की शूटिंग पूरी करने के बाद सुपरस्टार कमल हासन के साथ एक और बड़ी फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह डायरेक्टर सुंदर सी के साथ भी एक फिल्म करने वाले हैं।

शाहरुख खान से तुलना होने पर हर्षवर्धन राणे का जवाब

हर्षवर्धन राणे ने अपनी संजीदा अदाकारी के जरिए दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है। इन दिनों उनकी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत थिएटर्स में लगी है, जिसमें उन्होंने एक जुनूनी आशिक का रोल निभाया है। हाल ही में एक पोर्टल ने हर्षवर्धन की तुलना शाहरुख खान से कर दी। इस पर हर्षवर्धन असहज हो गए।

शाहरुख खान से की गई तुलना

दरअसल, एक न्यूज पोर्टल ने शाहरुख खान के साथ हर्षवर्धन राणे की तुलना करते हुए लिखा कि कोविड के बाद हर्षवर्धन ने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो पहले किसी के नाम दर्ज नहीं था। कोविड 19 के बाद हर्षवर्धन ऐसे स्टार बन गए हैं, जिनकी एक ही साल में दो फिल्में थिएटर्स में रिलीज हुई हैं। इस मामले में उन्होंने शाहरुख खान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिनकी कोविड के बाद साल 2023 में पठान और जवान दो फिल्में रिलीज हुई थी।

हर्षवर्धन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए रिएक्शन दिया है और गुजारिश की है कि शाहरुख खान के साथ उनकी तुलना न की जाए। एक्टर ने लिखा है, उन्होंने एक साल में दो बार अपने गॉड लेवल स्टारडम से ऐसा किया। मेरा एक साल में दो बार उन्हें फॉलो करने से ऐसा हुआ है। प्लीज मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूं कि किसी भी आर्टिकल में मेरा नाम उनके नाम के साथ न लिखें, वह भगवान हैं और मैं उनका एक मामूली पुजारी हूं।

टेक्निकली हर्षवर्धन की दो फिल्में 2025 में रिलीज हुई!

रिपोर्ट में कहा गया है कि टेक्निकली हर्षवर्धन की दो फिल्में साल 2025 में आई हैं। दरअसल, इस साल उनकी फिल्म सनम तेरी कसम री-रिलीज हुई, जिसने शानदार कलेक्शन करते हुए 35.55 करोड़ रुपये कमाए। इसके अलावा एक दीवाने की दीवानियत भी करीब 50.86 करोड़ रुपये नौ दिनों में कमा चुकी है। इस तरह हर्षवर्धन की एक साल में रिलीज दोनों फिल्मों ने 85 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन किया है। वैसे बता दें कि शाहरुख खान की साल 2023 में जवान और पठान के अलावा डंकी भी रिलीज हुई थी। बता दें कि एक दीवाने की दीवानियत में हर्षवर्धन राणे के साथ सोनम बाजवा भी नजर आई हैं।

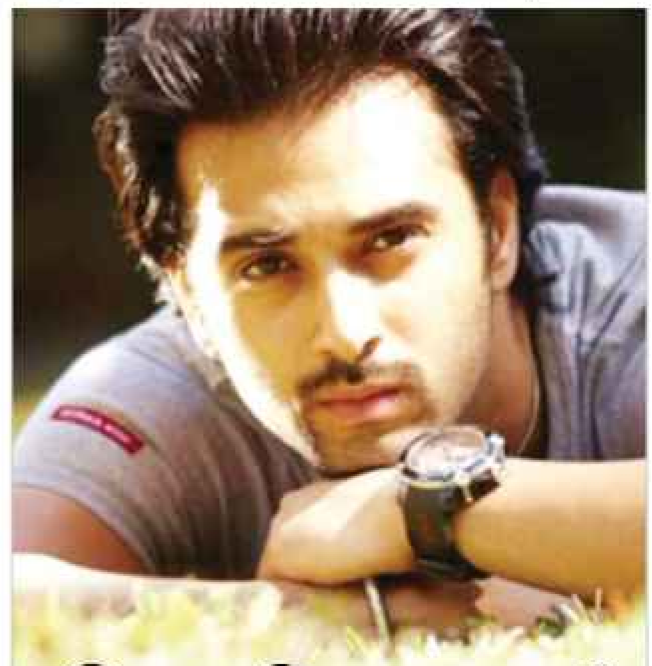

टिप्स फिल्म्स की नई फिल्म में एक साथ नज़र आएंगे सैफ अली खान और पुलकित सम्राट

बॉलीवुड दर्शकों के लिए एक शानदार सरप्राइज तैयार है, क्योंकि सैफ अली खान और पुलकित सम्राट पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नज़र आने वाले हैं। यह फिल्म स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित होगी, जो मशहूर निर्माता रमेश तौरानी की बेटी हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली यह अनटाइटल्ड फिल्म अनुभव और युवा जोश का एक अनोखा मेल पेश करने का वादा करती है। फिल्म ने आधिकारिक रूप से 27 अक्टूबर 2025 को हुए मुहूर्त समारोह के साथ अपनी शुरुआत की, और तभी से यह प्रोजेक्ट आने वाले साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुका है। स्नेहा तौरणी, जिन्होंने भांगड़ा पा ले से अपना निर्देशन करियर शुरू किया था, अब इस नई फिल्म के जरिए एक बार फिर दर्शकों को एक जीवंत और एंगेजिंग सिनेमैटिक अनुभव देने जा रही हैं सैफ अली खान, जो मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच सहजता से जुड़ते रहे हैं, हाल के समय में थिएटर और ओटीटी, दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को प्रभावित कर चुके हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ उनकी मौजूदगी फिल्म को स्टार पावर और गहराई दोनों प्रदान करती है। वहीं पुलकित सम्राट, अपनी करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस और एनर्जी से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। सैफ के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को एक फ्रेश और दिलचस्प कैमेस्ट्री का अनुभव करा सकती है, जिसमें दो अलग-अलग अभिनय शैलियां मिलकर एक मनोरंजक और भावनात्मक कहानी बुनेंगी। स्नेहा तौरणी के निर्देशन और रमेश तौरणी के प्रोडक्शन के साथ, सैफ अली खान और पुलकित सम्राट की यह फिल्म 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक बनती जा रही है, जिसमें दमदार परफॉर्मेंस, टैलेंटेड टीम और एक नई सिनेमैटिक विज़न का परफेक्ट संगम नजर आएगा।

सोनाक्षी सिन्हा ने किया खुलासा 'जटाधरा' के किन पहलुओं ने किया आकर्षित

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म जटाधरा में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है, जिसमें उन्हें खौफनाक अंदाज में देखा जाएगा। इस फिल्म की कहानी और अपने किरदार के बारे में सोनाक्षी ने बात की है।

इस फिल्म में होगा सोनाक्षी का सबसे अलग किरदार

अभनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने एएनआई से बात करते हुए अपनी आगामी फिल्म जटाधरा पर बात की। अभिनेत्री को जब ये फिल्म ऑफर हुई थी, तो उस दौरान के अनुभव को एक्ट्रेस ने साझा किया है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में मेरी एक अलग भूमिका है, इसकी कहानी बहुत ही अलग है। यह सुपरनैचुरल और माइथोलॉजिकल फिल्म है, इसमें मिट्टी से जुड़ी कहानी है। आपने मुझे पहले कभी इस रोल में नहीं देखा होगा। यह मेरी पहली तेलुगु फिल्म है, इन्हीं सब कारणों की वजह से मैंने यह फिल्म चुनी।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें दिव्या खोसला, सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माणा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने मिलकर किया है। इस फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल ने मिलकर किया है।

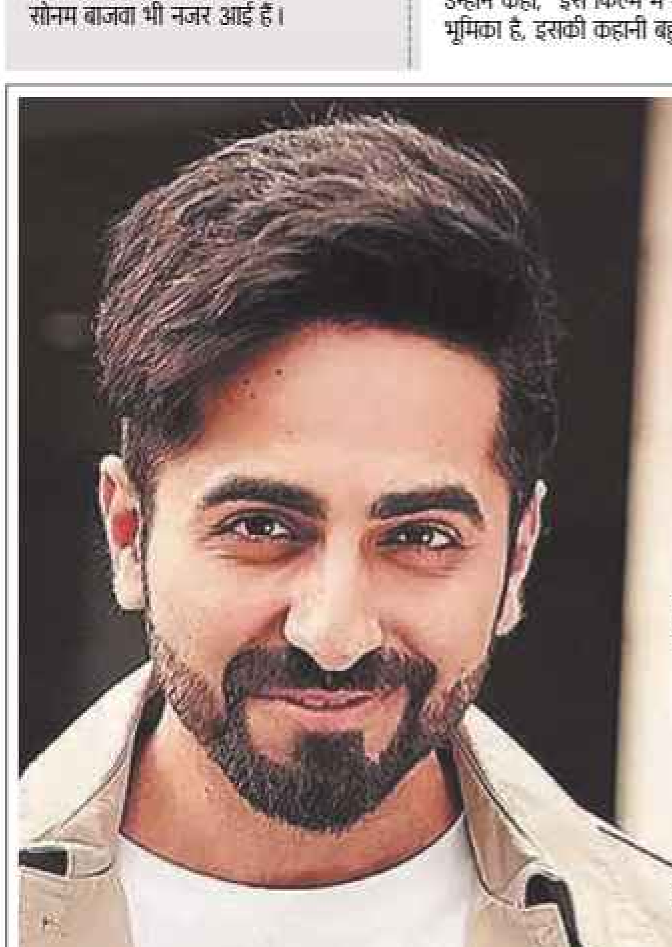

आयुष्मान खुराना ने वरुण धवन को बताया बेहतरीन अभिनेता

अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म 9 दिनों में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस फिल्म में आयुष्मान और वरुण धवन के बीच भी टक्कर देखने को मिली है। यही कारण है कि अब सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर तुलना शुरू हो गई है। हालांकि, इस बीच आयुष्मान ने वरुण धवन की दिल खोलकर तारीफ करते हुए उन्हें एक बेहतरीन कलाकार बताया है।

हमने साथ में की करियर की शुरुआत

बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत में आयुष्मान ने वरुण के साथ काम करने पर बात करते हुए कहा कि हम बहुत उत्साहित थे। क्योंकि हमने अपने करियर की शुरुआत साथ में की थी। 2012 में मेरी फिल्म 'विकी डोनर' रिलीज हुई थी और मुझे लगता है कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' भी उसी साल आई थी। हम अलग-अलग इवेंट्स, शोज वगैरह में एक-दूसरे से मिलते रहे। वह सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और एक बहुत अच्छे सह-अभिनेता भी हैं। यहां तक कि फाइट सीक्वेंस के दौरान भी, अच्छी बात यह थी कि किसी को जरा भी चोट नहीं आई। इसे बहुत अच्छी तरह से कोरियोग्राफ किया गया था। अगर आपके सह-कलाकार में लय की समझ हो तो यह वाकई मददगार होता है।

ऐसे आया विकासपुरी के वूल्वरिन डायलॉग का आईडिया

अभिनेता ने आगे कहा कि लड़ाई लय की तरह है। कोरियोग्राफी भी वैसी ही है। आपको इस बीट पर यहां होना है, आपको उस बीट पर वहां होना है। अगर आप डांस कर सकते हैं, तो आप फिल्मों में लड़ भी सकते हैं। फिल्म के डायलॉग विकासपुरी के वूल्वरिन के बारे में आयुष्मान ने कहा कि मुझे लगा कि चूंकि मेरी पहली नौकरी दिल्ली में थी और मेरी मां दिल्ली से हैं। हालांकि, मैं चंडीगढ़ से हूं, मैंने वहां काफी समय बिताया है। दिल्ली मेरे लिए दूसरे घर जैसा है। इसलिए मैंने सोचा कि वहां का थोड़ा स्थानीय स्वाद होना चाहिए। जैसा कि कहते हैं, अनुप्रास अलंकार। इसलिए विकासपुरी के वूल्वरिन में एक खास तरह का वाइब था। इसलिए मुझे लगता है कि मैंने उसे इसमें जोड़ दिया।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है 'थामा'

'थामा' की बात करें तो यह मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। वरुण धवन की 'भेड़िया' भी इसी यूनिवर्स का ही हिस्सा है। इसलिए 'थामा' में भी वरुण के भेड़िया के किरदार का कैमियो है। 'थामा' में आयुष्मान के साथ रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, परेश रावल और फैसल मलिक भी अहम भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में बनी हुई है।

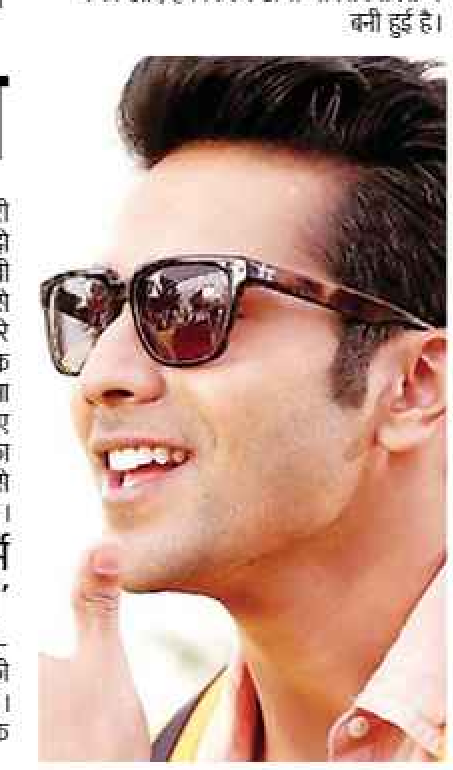

महिला विश्व कप जीतने के बाद स्मृति मंधाना को लगा झटका, आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान गंवाया

दुबई (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की नई महिला एक दिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई है लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गई।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट नवीनतम सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में शतक जड़ने के अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने मंधाना को पीछे छोड़ दिया। वोल्वार्ड्ट ने टूर्नामेंट में 571 रन बनाए, जो किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। इससे वह अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 814 हासिल करने में सफल रही।

भारत ने रविवार को खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। नवी मुंबई में सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली रोड्रिग्स ने अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में प्रवेश किया, जबकि फोबे लिचफील्ड ने उसी मैच में शतक की बदौलत 13 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग (637) हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी सातवें स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के साथ संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। डिवाइन पहले ही वनडे से संन्यास लेने की घोषणा कर चुकी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर भी चार स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गयीं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की मारिजाने काप अब सोफी एक्लेस्टोन को शीर्ष स्थान से हटाने के करीब पहुंच गई हैं। उनके अब 712 रेटिंग अंक हो गए हैं। भारत की दीप्ति शर्मा विश्व कप फाइनल में 58 रन बनाने के अलावा पांच विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑलराउंडर की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

यशस्वी ने रणजी में शतक के साथ ही पूरे किये 1000 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज यशस्वी आजकल रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। यशस्वी ने रणजी में मुंबई की ओर से शतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यशस्वी ने रणजी में अपना पांचवां शतक लगाने के साथ ही घरेलू क्रिकेट में 1000 रन भी पूरे किये हैं।

यशस्वी ने राजस्थान के खिलाफ जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में मुंबई की ओर से दूसरी पारी में शतक लगाया। राजस्थान की टीम ने अपनी पहली पारी 617/7 का विशाल स्कोर बनाने के बाद घोषित की थी। वहीं मुंबई ने पहली पारी में 254 रन बनाए थे। पहली पारी में पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में मुंबई के लिए पारी की शुरुआत करते हुए यशस्वी ने 120 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से शतक लगाया। इस मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया था और वह 67 रनों पर आउट हुए थे। वहीं राजस्थान की ओर से दीपक हुड्डा ने 248 और कार्तिक शर्मा ने 139 रन बनाये थे। यशस्वी के शतक से टीम हार से बची हुई है।

यशस्वी ने शतक के साथ ही रणजी में अपने 1000 रनों का आंकड़ा भी हासिल कर लिया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका ये 17वां शतक है, क्योंकि 7 शतक उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में है। 5 शतक रणजी ट्रॉफी में और 5 अन्य फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम है। 2-2 शतक उन्होंने रेस्ट ऑफ इंडिया और वेस्ट जोन के लिए लगाये हैं, जबकि एक शतक उन्होंने इंडिया ए के लिए लगाया है। 11 मैचों की 21 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए वह अब तक 1000 से ज्यादा रन बना चुके हैं। रणजी ट्रॉफी में उनका सर्वाधिक स्कोर 181 रन है।

अश्विन बीबीएल से बाहर, आईपीएल से रिटायरमेंट लेकर टूर्नामेंट में खेलने चले थे

मुम्बई (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क रविचंद्रन अश्विन घुटने की चोट के कारण बिग बैश लीग (BBL) के पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। गेंदबाज और सिडनी थंडर दोनों के लिए यह एक बड़ा झटका है। इस अनुभवी स्पिनर ने इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) से रिटायरमेंट की घोषणा की थी और थंडर के साथ पूरे सीजन के लिए साइन किया था। अश्विन ने यह फैसला तब लिया जब वह ILT20 नीलामी के पहले राउंड में अनसोल्ड रहे।

शुरुआत में उन्हें सीजन में सिर्फ 3-4 मैच खेलने थे, लेकिन बाद में अनसोल्ड रहने और फिर ILT20 नीलामी से हटने के बाद उन्होंने पूरा सीजन खेलने का फैसला किया था। अश्विन बिग बैश लीग में खेलने वाले सबसे बड़े हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में से एक बनने वाले थे। अश्विन को अब सिडनी थंडर के लिए BBL में डेब्यू करने के लिए एक और साल इंतजार करना होगा।

IPL 2025 मेगा नीलामी में 10.75 करोड़ रुपए में बिकने के बाद अश्विन अपनी कीमत को सही साबित नहीं कर पाए। उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ 7 विकेट लिए और काफी महंगे भी साबित हुए। अश्विन ने IPL से रिटायरमेंट के अपने फैसले के बारे में बताते हुए कहा कि वह दुनिया भर की दूसरी T20 लीग में खेलना चाहते हैं। यह बताना जरूरी है कि भारतीय खिलाड़ियों को दूसरी T20 लीग में तभी खेलने की इजाजत है जब वे इंटरनेशनल क्रिकेट और IPL से रिटायर हो जाएं।

बिग बैश लीग 2025/26 के लिए सिडनी थंडर की टीम

डेविड वार्नर (कप्तान), वेस अगर, टॉम एंड्रयूज, कैमरन बैनक्रॉफ्ट, सैम बिलिंग्स, ओली डेविस, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट गिल्क्स, क्रिस ग्रीन, रयान हैडली, सैम कोनस्टास, नाथन मैकएंड्रयू, डैनियल सैम्स, तनवीर संघा, शादाब खान

आईसीसी महिला विश्व कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में मंधाना सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

-हरमनप्रीत को नहीं मिली जगह

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा की है। इसमें भारत की तीन खिलाड़ियों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को शामिल किया है। हैरानी की बात है कि इसमें भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का नाम नहीं है। दक्षिण अफ्रीका की भी 3 खिलाड़ी इस टीम में शामिल हैं, जिनमें कप्तान लॉरा वोल्वार्ट, ऑलराउंडर मारिजैन काप और नडीन डीक्लर्क शामिल हैं। वोल्वार्ट को आईसीसी ने टीम का कप्तान बनाया है। ऑस्ट्रेलिया की भी तीन खिलाड़ी खिलाड़ियों ऐश गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड और एलाना किंग को भी इस टीम में जगह मिली है पर इंग्लैंड की एक ही खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ही अंतिम ग्यारह में शामिल है। टीम में पाकिस्तान की सिद्रा नवाज को विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है 12वें नंबर पर इंग्लैंड की नैट स्कीवर ब्रंट को जगह दी गयी है।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट

लॉरा वोल्वार्ट (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, मारिजैन कैप, ऐश गार्डनर, दीप्ति शर्मा, एनाबेल सदरलैंड, नडीन डीक्लर्क, सिद्रा नवाज, अलाना किंग, सोफी एक्लेस्टोन, नैट स्कीवर ब्रंट.

जितेश की कप्तानी में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में उतरेगी भारत ए टीम

-16 नवंबर को होगा पाकिस्तान ए टीम से मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। जितेश शर्मा की कप्तानी में भारत ए टीम कतर में 14 नवंबर से शुरू हो रहे राइजिंग स्टार्स एशिया कप में उतरेगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) का यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 16 नवंबर को भारत ए का मुकाबला पाकिस्तान ए टीम से होगा। वहीं 23 नवंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के ग्रुप ए में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका है, जबकि ग्रुप बी में भारत, ओमान, पाकिस्तान और यूएई को रखा गया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत साल 2013 में हुई थी. अब तक इसके छह सत्र खेले गये हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत अंडर-23 के रूप में हुई थी और बाद में इसे 'ए' टीमों के बची खेला जाने लगा है। पाकिस्तान और श्रीलंका की ए टीमों ने इसे दो-दो बार जीता है, जबकि भारत और अफगानिस्तान की ए टीमों ने इसे एक-एक बार जीता है। साल 2024 में श्रीलंका को हराकर अफगानिस्तान डिफेंडिंग चैंपियन विजेता बनी थी।

टी-20 प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में में तीन एसोसिएट टीम यानी हांगकांग, ओमान और यूएई की टीमें भी उतरेंगी। इन तीनों को ही मुख्य टीम उतारने की अनुमति है।

भारत ए टीम इस प्रकार है

जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजापनीत सिंह, विजय कुमार वैश्य, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा

स्टैंड-बाय खिलाड़ी- गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख रशीद।

टेस्ट क्रिकेट को दी जानी चाहये पहली प्राथमिकता : स्टार्क

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट सबसे अधिक महत्वपूर्ण है । इसलिए उसे पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिये । स्टार्क ने कहा है कि बिग बैश लीग (बीबीएल) मुकाबलों के लिए टेस्ट कार्यक्रम में फेरबदल नहीं होना चाहिये । साथ ही कहा कि इसे किसी भी टी20 लीग के लिए पीछे नहीं किया जा सकता ।

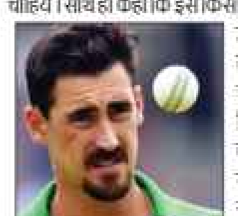

उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट सबसे ऊपर है । इसे टी20 क्रिकेट के लिए जगह नहीं देनी चाहिए, चाहे वह बीबीएल हो, आईपीएल हो या कुछ और । टेस्ट क्रिकेट हमेशा सबसे आगे रहना चाहिये ।' स्टार्क ने कहा कि बीबीएल के मैच लगातार दो दिन खेले जा सकते हैं, क्योंकि टी20 प्रारूप में अधिक थकान नहीं होती है उन्होंने वर्तमान समय के छोटे सत्र की भी प्रशंसा की और कहा कि इसका सही प्रभाव पड़ता है । उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता रही है और अब इसमें कोई बदलाव नहीं होगा ।' स्टार्क ने माना है कि आधुनिक क्रिकेट में लीगों की बढ़ती संख्या और फ्रैंचाइजी क्रिकेट का आकर्षण खेल की दुनिया बदल रहा है पर मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट ही पहली प्राथमिकता रहेगा । मैं इसी मानसिकता के साथ जब तक खेल सकता हूं, खेलता रहूंगा । स्टार्क ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी जीतने के बाद दो महीने का ब्रेक उनके लिए फायदेमंद रहा ।

एशेज की तैयारियों के लिए टी20 सीरीज के बचे हुए मैच नहीं खेलेंगे हेड

सिडनी (ईएमएस) । ऑस्ट्रेलिया के आक्रमक बल्लेबाज ट्रेविस हेड आगामी एशेज सीरीज को देखते हुए भारतीय टीम के खिलाफ जारी टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं । हेड ने सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में खेले थे पर अब वह बचे हुए दो मैचों में नहीं खेलेंगे । हेड अब एशेज से पहले अभ्यास के लिए शेफील्ड शील्ड मुकाबले खेलेंगे । टीम मैनेजमेंट के अनुसार बचे हुए दो टी20 मैचों में हेड की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा । भी खिलाड़ी को रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल नहीं किया हेड अब 10 नवंबर से शुरू होने वाले दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया मुकाबले में खेलकर लंबे समय के बाद लाल गेंद के प्रारुप में उतरेंगे । हेड पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे हैं । हाल की 8 पारियों में वह कोई अर्धशतक नहीं बना सके । टीम प्रबंधन चाहता है कि वह एशेज से पहले अपनी फॉर्म और लय वापस पा सकें । हेड के अलाव ऑस्ट्रेलिया के कुछ और खिलाड़ियों को भी भी घरेलू क्रिकेट में खेलने की अनुमति दी गयी है । ये खिलाड़ी हैं सीन एबॉट और तनवीर संगा । एबॉट न्यू साउथ वेल्स के लिए अगले शील्ड मैच में खेलेंगे, जबकि तनवीर संगा वन-डे कप मुकाबले में खेलेंगे । वहीं स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की वापसी की उम्मीद है । ऐसे में अब टीम संयोजन में बदलाव की संभावना के बीच, मैट शॉर्ट को बचे हुए दो टी20 मैचो पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है । चौथा टी20 मैच 6 नवंबर कोओवल, गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा ।

नए सीजन से पहले आरसीबी ने बदली कोचिंग टीम, अन्या और रंगराजन को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2026 सीजन से पहले अपने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज अन्या श्रब्सोल को टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है, जबकि मलोलन रंगराजन को हेड कोच पद पर प्रमोट किया गया है।

पिछले सीजन में RCB चौथे स्थान पर रही थी, जिसके बाद यह बदलाव किया गया। श्रब्सोल ने सुनेत्रा परांजपे की जगह ली है, जो पहले इस भूमिका में थीं।

रंगराजन, जो तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर हैं, शुरुआत से ही आरसीबी महिला टीम के सेटअप का हिस्सा रहे हैं और पुरुष टीम के लिए लीड स्काउट की भूमिका भी निभाते हैं। ल्यूक विलियम्स के अनुपलब्ध रहने के कारण यह बदलाव किया गया है, क्योंकि वह इस सीजन एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ बिग बैश लीग में व्यस्त रहेंगे।

जनवरी में शुरू होगा WPL 2026 सीजन

महिला प्रीमियर लीग 8 जनवरी से शुरू होकर फरवरी के पहले सप्ताह तक चलेगी। यह बदलाव इसलिए किया गया है ताकि टूर्नामेंट का शेड्यूल पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से न टकराए, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे।

RCB का कोर ग्रुप बरकरार

टीम प्रबंधन ने कप्तान स्मृति मंधाना को रिटेन करने का फैसला किया है। इसके अलावा एलिस पेरी, ऋचा घोष, सोफी मोलिन्यू और श्रेयंका पाटिल को भी टीम के कोर ग्रुप में बनाए रखा जाएगा। आर. मुरलीधर बल्लेबाजी कोच के रूप में और नवनीता गौतम मुख्य फिजियो के रूप में अपनी भूमिका निभाती रहेंगी।

धर्म को लेकर जेमिमा के ट्रोल्स पर भड़की शिखा पांडे, कहा- हां, वो भगवान की पसंदीदा संतान है

नवी मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया था । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उनकी नाबाद 127 रन की पारी ने भारत को रिकॉर्ड जीत दिलाई और टीम को फाइनल में पहुंचाया । लेकिन वर्ल्ड कप जीत के बाद भी कुछ सोशल मीडिया ट्रोल्स ने जेमिमा को उनके धर्म को लेकर निशाना बनाया । इस पर उनकी साथी खिलाड़ी शिखा पांडे ने करारा जवाब दिया । शिखा ने एक्स पर लिखा, 'जिन्हें सच्चाई जाननी है — हां, जेमी भगवान की पसंदीदा संतान है । अगर इससे जलन है, तो कोई कुछ नहीं कर सकता!' जेमिमा को पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया पर नफरत भरे कमेंट्स झेलने पड़े हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा शांत रहकर जवाब दिया । उनके आत्मविश्वास और खेल भावना ने उन्हें फैंस के दिलों में खास जगह दिलाई है । हालांकि फाइनल में वह अपनी सेमीफाइनल जैसी पारी नहीं दोहरा सकीं, मगर उनकी फील्डिंग और एनर्जी ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई । मैच के बाद जेमिमा ने कहा कि टीम ने यह जीत पूरी एकजुटता और समर्पण से हासिल की ।

इस कारण विजेता टीम से असली ट्रॉफी वापस ले लेती है आईसीसी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में पहली बार आईसीसी विश्वकप जीता है। इस जीत के बाद भारतीय टीम को चमचमाती हुई ट्रॉफी दी गयी पर ये ट्रॉफी टीम अपने साथ नहीं रख सकती। इससे वापस ले लिया जाएगा। इसका कारण है कि आईसीसी विजेता टीमों को असली ट्रॉफी नहीं देती बल्कि इसकी जगह पर टीमों को उस ट्रॉफी की प्रतिकृति ट्रॉफी दी जाती है। मैच के बाद फोटो सूट और अवॉर्ड समारोह में ही टीम को असली ट्रॉफी दी जाती है उसके बाद फोटो सेशन के बाद उनसे ट्रॉफी वापस ले ली जाती है।

ट्रॉफी वापसी लेने का नियम आईसीसी ने कई साल पहले ही बना दिया था। इसके तहत विजेता टीम को ट्रॉफी लौटानी पड़ती है। वह आईसीसी मुख्यालय में रखी जाती है। असली ट्रॉफी की तरह नकली ट्रॉफी में भी सोने और चांदी लगे होंगे। असली ट्रॉफी को चोरी या किसी अन्य कारण होने नुकसान पहुंचाने से बचाने के लिए ऐसा किया जाता है।

11 किलो वजन है विश्व कप की असली ट्रॉफी का

विश्व कप ट्रॉफी का वजन लगभग 11 किलो है। इसकी लंबाई करीब 60 सेंटीमीटर है। ट्रॉफी में सोना और चांदी लगी है। ट्रॉफी में स्टंप और बेल्स के आकार के जो तीन कॉलम बने हैं वो चांदी के है। ट्रॉफी के शीर्ष पर जो ग्लोब है वह सोने का है। इस ट्रॉफी पर विश्वकप विजेता टीमों के नाम लिखे है।

अब अगले साल ही मैदान पर उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली । आईसीसी एकदिवसीय महिला विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम अब अगले साल की शुरुआत में ही मैदान में उतरेगी । ऐसे में उसकी खिलाड़ियों के पास जीत का जश्न मनाने के साथ ही खेल से ब्रेक लेने का भी अच्छा समय है । हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता है । भारतीय टीम को अब फरवरी 2026 में ही ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है । भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच खेलना है । इस दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी । इसके बाद एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज रखी गयी है ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच पहला टी20 मैच 15 फरवरी को सिडनी में खेला जाएगा । वहीं सीरीज का दूसरा टी20 मैच 19 को कैनबरा में जबकि आखिरी टी20 मैच 21 फरवरी को एडिलेडे में होगा । टी20 के बाद एकदिवसीय सीरीज 24 फरवरी से बिस्बेन में शुरु होगी । वहीं दूसरा एकदिवसीय 27 फरवरी जबकि तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच एक मार्च को होबार्ट में खेला जाएगा । इसके बाद6 मार्च से पर्थ में खेला जाएगा ।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद भारतीय महिला टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी । टीम मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी । इसमें उसे 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है । इस सीरीज का आयोजन 28 मई से 2 जून तक होगा । इसके बाद टीम इंडिया को टी20 विश्व कप में खेलना है जिसका आयोजन इंग्लैंड में ही होना है । टी20 विश्व कप में भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी यह मुकाबला बर्मिंघम में खेला जाएगा ।

वर्ल्ड कप जीत के बाद युवाओं के लिए हरमनप्रीत का प्रेरणादायक संदेश: सपने देखना कभी मत छोड़ो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का बचपन का सपना आखिरकार रविवार रात सच हो गया, जब उन्होंने नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर भारत को पहला वनडे विश्व कप खिताब दिलाया।

विश्व कप जीतने के बाद हरमनप्रीत ने देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक संदेश दिया, 'सपने देखना कभी मत छोड़ो, क्योंकि कौन जानता है तुम्हारी किस्मत तुम्हें कहां ले जाए।'

बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में हरमनप्रीत ने अपने बचपन के दिनों को याद किया जब वह अपने पिता के बड़े बल्ले से खेला करती थीं। उन्होंने कहा, 'जब से मुझे पसंद-नापसंद का अहसास हुआ, तभी से हाथ में बल्ला देखा है। पापा अपने पुराने बल्ले को छोटा करके मेरे लिए बनाते थे। तभी से सपना देखा कि एक दिन भारत के लिए खेलूं।'

हरमनप्रीत ने आगे कहा, 'मुझे नहीं पता था कि महिला क्रिकेट भी होती है, लेकिन सपना सिर्फ यही था कि मैं वो बदलाव लाना चाहती हूं जिससे देश में महिलाओं के लिए क्रिकेट का नाम हो।'

36 वर्षीय कप्तान ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बेहद भावनात्मक है। बचपन से यही सपना था – टीम इंडिया को विश्व कप जिताना। और जब मौका मिला, तो भगवान ने हर दुआ सुन ली। अब हम विश्व चैंपियन हैं, और यह अहसास शब्दों से परे है।'

उन्होंने 2017 विश्व कप फाइनल की हार को भी याद किया, जब भारत इंग्लैंड से 9 रन से हार गया था। 'वो हार बहुत दर्दनाक थी, लेकिन उसी ने हमें और मजबूत बनाया। तब से पूरा देश हमारे साथ खड़ा रहा, और आज हम सबने मिलकर ये सपना पूरा किया।'

अंत में हरमनप्रीत ने कहा, 'यह जीत सिर्फ हमारी नहीं, पूरे देश की है। मैदान पर खेलने वाली हर खिलाड़ी और टीवी पर देखने वाले हर फैन की जीत है।'

संक्षिप्त समाचार

विस्फोट की जांच के बाद हार्वर्ड मेडिकल स्कूल फिर से खुला

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की एक इमारत फिर से खुल गई है, जबकि सप्ताहांत में हुए एक विस्फोट की 'बेहद सक्रिय' जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि यह विस्फोट जानबूझकर किया गया था। विश्वविद्यालय पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह एक अधिकारी ने फायर अलार्म बजाया और गोल्डनसन बिल्डिंग से दो लोगों को भागते हुए देखा। विस्फोट इमारत की चौथी मंजिल पर हुआ, जहां मेडिकल स्कूल के न्यूरोबायोलॉजी विभाग से जुड़ी प्रयोगशालाएं और कार्यालय हैं। बोस्टन अग्निशमन विभाग ने पाया कि विस्फोट जानबूझकर किया गया था और अधिकारियों को इमारत की तलाशी के दौरान कोई अतिरिक्त उपकरण नहीं मिले। पुलिस ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मेडिकल स्कूल के अधिकारियों ने एक बयान में कहा, 'चौथी मंजिल के गलियारे का वह छोटा सा हिस्सा जहां विस्फोट हुआ था, साफ कर दिया गया है और अब पूरी तरह से चालू है। इमारत को कोई संरचनात्मक क्षति नहीं हुई है और सभी प्रयोगशालाएं और उपकरण सुरक्षित हैं।' एफबीआई के एक प्रवक्ता ने सोमवार को जांच को 'बेहद सक्रिय' बताने के अलावा कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने चेहरे को ढंके हुए और स्वेटशर्ट जैसे कपड़े पहने दो लोगों की धुंधली तस्वीरें जारी की हैं।

बांग्लादेश-पाकिस्तान रिश्ते सुधरने का दावा

ढाका, एजेंसी। ढाका में एक शीर्ष बांग्लादेशी राजनयिक ने कहा है कि पिछले साल से पाकिस्तान के साथ उनके देश के संबंधों में सुधार हुआ है। उसने बताया कि दोनों देशों में व्यापार बढ़ाने के लिए कराची-चटगांव के बीच सीधे समुद्री संपर्क स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया गया। पाकिस्तान में बांग्लादेश के उच्चायुक्त इकबाल हुसैन खान ने कहा कि यह कोई रहस्य नहीं है कि पिछले 10-12 वर्षों से दोनों पक्षों के बीच संबंध अच्छे नहीं रह थे, लेकिन अब हालात काफी बदल गए हैं। खान ने कहा, हर स्तर पर संबंधों में सुधार हुआ है।

भूटान में वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव, विश्व को एकता का संदेश

थिम्फू, एजेंसी। वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच भूटान की राजधानी थिम्फू ग्लोबल पीस प्रेयर फेस्टिवल 2025 की मेजबानी की तैयारी में जुटी है। यह आयोजन विश्वभर के लोगों को शांति, करुणा और एकता के लिए प्रार्थना में जोड़ने का प्रयास करेगा। मंगलवार से शुरू हो रहे इस दो सप्ताह के उत्सव में हजारों भक्त, भिक्षु और आध्यात्मिक नेता शामिल होंगे। उत्सव की शुरुआत 4 से 10 नवम्बर तक कुएनसेलफोड्रांग में जाब्शी थोएछोग अनुष्ठान से होगी।

कैरेबियाई देशों में तूफान मेलिसा का कहर, अब तक 50 की मौत

किंग्स्टन, एजेंसी। भीषण तूफान मेलिसा ने जमैका, हैती और क्यूबा में भारी तबाही मचाई है। जिसमें अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को श्रेणी-5 के इस चक्रवात ने जमैका में भारी तबाही मचाई। तूफान के बाद द्वीप के 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सों में बिजली आपूर्ति ठप है और लगभग आधे जलस्रोत सिस्टम बंद पड़े हैं।

जांच के बीच एफडीए अधिकारी जॉर्ज टिडमार्श का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के शीर्ष दवा नियामक डॉ. जॉर्ज टिडमार्श ने रविवार को इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक, उनके व्यक्तिगत आचरण से जुड़ी गंभीर चिंताओं की जांच शुरू होने के बाद यह कदम उठाया गया। टिडमार्श को शुक्रवार को निलंबित किया गया था और रविवार सुबह उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इस बीच औरिनिया फार्मास्यूटिकल्स नामक कंपनी ने उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

बीजिंग में रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने की चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात

बीजिंग , एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को बीजिंग में रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन से मुलाकात की। यह जानकारी दोनों देशों के सरकारी मीडिया ने दी है। मिशुस्तिन दो दिन के चीन दौरे पर हैं। उन्होंने बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में द्विपक्षीय बैठक की। रूसी प्रधानमंत्री के साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी चीन पहुंचा है, जिसमें उप प्रधानमंत्री तात्याना गोलिकोवा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। वे सोमवार को हांगझोउ पहुंचे थे। चीन की ओर से इस बैठक में विदेश मंत्री वांग यी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुस्लिम मेयर से नफरत? ट्रंप की खुली धमकी- ममदानी जीते तो न्यूयॉर्क को फंड नहीं मिलेगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोहरन ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव में जीत हासिल करते हैं, तो उनका प्रशासन न्यूयॉर्क सिटी को फंडिंग में कटौती कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए यह भी कहा कि वे स्वतंत्र उम्मीदवार और पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युओमो का समर्थन करते हैं और अपने समर्थकों से उन्हें ही वोट देने की अपील की है।

ट्रंप ने लिखा कि अगर ममदानी मंगलवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव जीतते हैं, तो यह बहुत ही असंभव है कि मैं संघीय फंडिंग दूं, सिवाय उन न्यूनतम अनुदानों के जो कानूनी रूप से आवश्यक हैं। ट्रंप प्रशासन पहले भी डेमोक्रेट पार्टी द्वारा शासित राज्यों और शहरों के लिए संघीय फंडिंग और ग्रांट्स में कटौती की कोशिश करता रहा है। ट्रंप ने एक लंबी पोस्ट में लिखा, 'अगर कम्युनिस्ट उम्मीदवार जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीत जाते हैं, तो मैं अपने प्यारे पहले घर वाले इस शहर को संघीय फंड्स देने में बहुत कम योगदान दूंगा, सिर्फ न्यूनतम जो जरूरी हो। क्योंकि कम्युनिस्ट होने के नाते, इस महान शहर के सफल होने या जीवित रहने की कोई संभावना नहीं है! कम्युनिस्ट के नेतृत्व में हालात सिर्फ और खराब होंगे और मैं राष्ट्रपति के तौर पर अच्छा पैसा बुरे के पीछे नहीं फेंकना चाहता। मेरा फर्ज देश चलाना है और मुझे पूरा यकीन है कि ममदानी के जीतने पर न्यूयॉर्क सिटी पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक आपदा बन जाएगा। उनके सिद्धांत हजारों साल से आजमाए जा चुके हैं, और कभी सफल नहीं हुए। मैं तो यही चाहता हूं कि कोई सफल रिकॉर्ड वाला डेमोक्रेट जीते, न कि अनुभवहीन कम्युनिस्ट जिसका रिकॉर्ड पूरी नाकामी का है। असेंबलीमैन के रूप में वे कुछ नहीं थे, क्लास में सबसे नीचे रैंक पर थे और दुनिया के संभवतः सबसे महान शहर के मेयर के रूप में उनके पास इसे पुरानी शान पर लौटाने का कोई मौका नहीं है! हमें ये भी याद रखना चाहिए- कर्टिस स्लिवा (जो बिना बैरे के काफी बेहतर लगते हैं!) को वोट देना मतलब ममदानी को वोट देना है। आपको एंड्रयू कुओमो पसंद हो या न हो, आपके पास कोई विकल्प नहीं है। आपको उनके लिए वोट करना ही होगा और उम्मीद करनी होगी कि वे शानदार काम करेंगे। वे ऐसा करने में सक्षम हैं, ममदानी नहीं!

चुनावी स्थिति : मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एनवायसी मेयर चुनावों में ममदानी को बढ़त हासिल है। उनके मुख्य प्रतिद्वंदी एंड्रयू क्युओमो स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तीसरे स्थान पर माने जा रहे हैं। क्युओमो ने पहले डेमोक्रेटिक प्राइमरी में ममदानी से हारने के बाद स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला किया था। अगर ममदानी चुनाव जीतते हैं तो वे न्यूयॉर्क शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। ममदानी के समर्थकों का कहना है कि ट्रंप को मुस्लिम उम्मीदवार होने के चलते उनसे नफरत है। हालांकि ट्रंप समर्थक भी ममदानी की मुस्लिम पहचान के चलते उन पर निशाना साधते आए हैं। रिपब्लिकन नेताओं के हमले रिपब्लिकन नेताओं ने ममदानी की उम्मीदवारी को लगातार निशाने पर लिया है। कुछ नेताओं ने यहां तक कहा कि उनकी नागरिकता की जांच की जानी चाहिए और उन्हें अमेरिका से निष्कासित किया जाना चाहिए। स्वयं ट्रंप ने ममदानी को कम्युनिस्ट करार देते हुए कहा कि एक कम्युनिस्ट के शासन में न्यूयॉर्क सिटी में फंड देना पैसे की बर्बादी होगी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि कर्टिस स्लिवा के लिए वोट देना, ममदानी को जीताने जैसा है। चाहे आपको एंड्रयू क्युओमो पसंद हों या नहीं, आपके पास कोई और विकल्प नहीं है। आपको उन्हें वोट देना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि वे शानदार काम करेंगे। वे ऐसा करने में सक्षम हैं, लेकिन ममदानी नहीं! ट्रंप का 60 मिनट इंटरव्यू अमेरिकी टीवी चैनल सीबीएस के कार्यक्रम '60 मिनिट' को दिए गए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अगर न्यूयॉर्क में एक कम्युनिस्ट मेयर होगा, तो मैं शहर को बहुत पैसा नहीं दे सकता। यह पैसे की बर्बादी होगी, अगर ममदानी जैसे व्यक्ति न्यूयॉर्क के मेयर बने। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में न्यूयॉर्क सिटी को संघीय सरकार से कुल 7.4 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली है। इस रकम का बड़ा हिस्सा इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, सार्वजनिक सुरक्षा और आवास योजनाओं पर खर्च होता है।

इस्राइली सेना में बड़ा कांड, सैन्य अधिकारी ने जेल के आपत्तिजनक फुटेज लीक किए; हंगामा होने पर गिरफ्तार

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली सेना में एक बड़ा कांड सामने आया है, जिसके बाद हंगामा हो गया है। दरअसल पिछले हफ्ते इस्राइली सेना की मेजर जनरल वकील यिफ्त टोमेर यरूशलमी ने कबूल किया कि उन्होंने जेल के सर्विलांस वीडियो लीक किए हैं। यह वीडियो जेल में इस्राइली सेना द्वारा फलस्तीनी कैदियों के साथ गंभीर दुर्व्यवहार से जुड़ा है। वीडियो लीक की इस घटना ने इस्राइल में राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है और यिफ्त टोमेर यरूशलमी लोगों के निशाने पर आ गई हैं।

क्या है विवाद : लीक किए गए वीडियो में कुछ इस्राइली सैनिकों पर फलस्तीनी कैदी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। इस मामले की जांच चल रही है और आरोपी सैनिकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर हो गए हैं। यिफ्त टोमेर यरूशलमी का कहना है कि इन फुटेज को लीक करने का उद्देश्य आरोपों की गंभीरता को उजागर करना था, जिनकी जांच उनके द्वारा की जा रही थी। हालांकि वीडियो लीक होने के बाद इस्राइली सेना में मेजर जनरल यिफ्त टोमेर दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर आ गई हैं। यह विवाद इतना बढ़ा हो गया है कि भारी दबाव के चलते यिफ्त टोमेर ने बीते दिनों इस्तीफा दे दिया। विवाद के बीच यिफ्त ने अपने परिवार के लिए एक नोट छोड़ा और समुद्र तट से गायब हो गईं। इसके बाद माना जाने लगा कि यिफ्त ने शायद आत्महत्या कर ली है। हालांकि इसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें सैन्य ड्रोन्स की मदद ली गई। आखिरकार यिफ्त जीवित मिल गईं और अब उन्हें जेल में डाल दिया गया है।

दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर गिरफ्तार सैन्य अधिकारी

जेल की वीडियो फुटेज लीक करने के चलते यिफ्त टोमेर दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर इस कदर हैं कि उनका एक फोन गायब है तो राजनेताओं ने दावा किया है कि संभावित सबूतों को नष्ट करने के लिए ऐसा किया गया है और आत्महत्या का नाटक भी सबूतों को मिटाने के लिए ही था। इस्राइली मीडिया के अनुसार, लीक की जांच के दौरान पूर्व चीफ सैन्य वकील कर्नल मातन सोलोमेश को भी गिरफ्तार किया गया है। हालांकि अभी तक पीएम कार्यालय की तरफ से मातन सोलोमेश की गिरफ्तार पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

पाकिस्तान में कई टीटीपी आतंकी ढेर

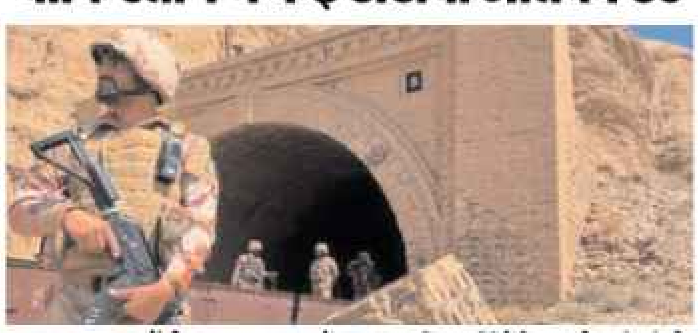

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाक सुरक्षा बलों ने कई अभियानों में कई टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने सोमवार (03 नवंबर) को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कई अभियानों में प्रतिबंधित टीटीपी के कई आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने बन्नू जिले के मीरानशाह रोड पर उत्तरी वजीरिस्तान के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) वकार खान के नेतृत्व वाले एक पुलिस काफिले पर गोलीबारी की। आतंकवादियों ने स्वचालित और भारी हथियारों से काफिले पर हमला किया। हालांकि, डीपीओ और अन्य पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए और अन्य घटनास्थल से भाग गए। पुलिस अधिकारियों ने मारे गए आतंकवादियों की संख्या नहीं बताई। छह पुलिसकर्मी भी घायल हुए और उन्हें जिला मुख्यालय (डीएचक्यू) अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। डीपीओ खान और उनका दस्ता सुरक्षित बच गए क्योंकि उनका वाहन बुलेटप्रूफ था। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इसके अलावा सेना ने प्रांत में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में तीन टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मारे गए।

लेबनान के राष्ट्रपति ने सीमा पर तनाव के बीच इजरायल के साथ कूटनीति का आह्वान किया

बेरूत , एजेंसी। राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा कि लेबनान के पास इजरायल के साथ बातचीत करने के अलावा कोई चारा नहीं है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध से पहले कूटनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इन बयानों की पुष्टि की गई। आउन ने सोमवार को बाबदा पैलेस में अधिकारियों के साथ एक मीटिंग के दौरान कहा, 'राजनीति में तीन चीजें होती हैं- डिप्लोमेसी, इकॉनमी और युद्ध। जब युद्ध से कुछ हासिल नहीं होता, तो हम और क्या कर सकते हैं? दुनिया का हर युद्ध आखिरकार बातचीत से ही खत्म होता और बातचीत कभी भी किसी दोस्त या सहयोगी से नहीं, बल्कि दुश्मन से होती है।' उन्होंने आगे कहा कि 'बातचीत की भाषा युद्ध की भाषा से अधिक जरूरी है, जिससे हमने देखा है कि सिर्फ तबाही होती है।' उन्होंने लेबनान की लीडरशिप की डिप्लोमेटिक कोशिशों की तारीफ की, जिसमें पार्लियामेंट के स्पीकर नबीह बेरी और प्रधानमंत्री नवाफ सलाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान के नेशनल इंटरेस्ट को पॉलिटिकल, धार्मिक और सांप्रदायिक बातों से अधिक अहमियत मिलनी चाहिए। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नेताओं से चुनावी महत्वाकांक्षाओं से ऊपर राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देने और उन सांप्रदायिक बंटवारे से आगे बढ़ने का आग्रह किया, जिन्होंने लंबे समय से देश की स्थिरता को कमजोर किया है।

अक्टूबर के आखिर में, आउन ने लेबनानी सेना को ब्लिडा के सीमावर्ती गांव पर हुए जानलेवा हमले के बाद दक्षिण में किसी भी इजरायली घुसपैठ का जवाब देने का आदेश दिया था, जिसका हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम ने स्वागत किया था। पिछले साल नवंबर के आखिर से इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से हुआ सीजफायर लागू है, जिससे गाजा में युद्ध के कारण महीनों से चल रही सीमा पार दुश्मनी रुक गई है।

युद्धविराम के बावजूद, इजरायल ने लेबनान में हमले करना जारी रखा है। हालांकि यह हमले लगातार नहीं किए जा रहे हैं, लेकिन इजरायल का कहना है कि वह हिज्बुल्लाह के 'खतरों' को निशाना बना रहा है। लेबनान और कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने इन हमलों की निंदा करते हुए इन्हें सीजफायर का उल्लंघन बताया है।

सूडान के विद्रोहियों ने भारतीय युवक का अपहरण किया, परेड कराई; पूछा क्या वो शाहरुख खान को जानता है?

खार्तूम, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सूडान के कुछ उग्रवादी लड़के एक भारतीय युवक को घेरकर खड़े हैं और उससे नारे लगवा रहे हैं। दरअसल यह युवक ओडिशा का 36 वर्षीय आदर्श बेहरा है, जो जगतसिंहपुर जिले का निवासी बताया जा रहा है। आदर्श को सूडान में विद्रोही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के उग्रवादियों ने पकड़ लिया और उससे अपने नेता मोहम्मद हमदान दागालो के समर्थन में नारे लगवाए। इतना ही नहीं उग्रवादियों ने आदर्श से पूछा कि क्या वह शाहरुख खान को जानता है?

साल 2022 से सूडान में काम कर रहा है आदर्श : एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, आदर्श बेहरा सूडान के सुकाराती प्लास्टिक फैक्ट्री में साल 2022 से काम कर रहा है। आदर्श को सूडान के विद्रोही लड़ाकों ने अल फाशिर शहर से पकड़ा, जो राजधानी खार्तूम से करीब एक हजार किलोमीटर दूर है। सूडान गृहयुद्ध से जूझ रहा है, जहां सशस्त्र सेना बल और विद्रोही गुट आरएसएफ के बीच अप्रैल 2023 से लड़ाई छिड़ी हुई है। गृह युद्ध के चलते सूडान में अभी तक 1.3 करोड़ लोग विस्थापित हो चुके हैं और कई शहर और गांव तबाह हो चुके हैं। सूडान की सरकार ने रविवार को कहा कि अल फाशिर शहर पर कब्जे के बाद से विद्रोही आरएसएफ के उग्रवादियों ने 2000 से ज्यादा नागरिकों की हत्या की है। कई पीड़िता के साथ यौन हिंसा भी की गई है। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया भर की मानवाधिकार एजेंसियों ने सूडान के हालात पर चिंता जताई है। सूडान में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है और देश का बड़ा हिस्सा अकाल के कगार पर है।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित, हजारों उड़ानें विलंबित

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में शटडाउन की स्थिति एक महीने से भी ज्यादा समय से चल रही है। इसका असर अब हवाई अड्डों पर साफ दिखने लगा है। कर्मचारियों की कमी के कारण उड़ानों में देरी और सुरक्षा जांच की लंबी लाइनें बढ़ती जा रही हैं। पिछले सप्ताहांत स्थिति और खराब हो गई। सिर्फ रविवार को ही पूरे अमेरिका में पांच हजार से ज्यादा उड़ानें देर से चलीं। सोमवार को व्हाइट हाउस ने इसके लिए डेमोक्रेट नेताओं को जिम्मेदार बताया और कहा कि उनकी राजनीति की वजह से आम लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं डेमोक्रेट दल का कहना है कि सरकार और राष्ट्रपति गलत आरोप लगा रहे हैं। शटडाउन कब खत्म होगा, यह तय नहीं है। ऐसे में यातायात विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे और उड़ानें देर से चलेंगी या रद्द भी हो सकती हैं। हवाई यातायात नियंत्रक को भी बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। परिवहन सचिव शॉन डफी ने कहा कि इन कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है और यदि यही स्थिति जारी रही तो कई लोग नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश में पहले से ही लगभग 2,000 से 3,000 नियंत्रकों की कमी है। फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार दोपहर तक 2,530 से ज्यादा उड़ानें देरी से चल रही थीं और 60 से ज्यादा रद्द कर दी गई थीं। सोमवार दोपहर तक ढाई हजार से अधिक उड़ानें देर से चलीं और साठ से ज्यादा रद्द करनी पड़ीं। मुख्य हवाई अड्डों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखने के लिए मिला। हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच भी प्रभावित हुई है। लोगों को सिक्योरिटी लाइन में तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसी तरह कई अन्य बड़े शहरों के हवाई अड्डों में भी इंतजार का समय बढ़ गया है। रिपब्लिकन दल डेमोक्रेट पर गैरकानूनी प्रवासियों को स्वास्थ्य सुविधा देने की मांग करने का आरोप लगा रहा है, जिसे डेमोक्रेट्स गलत बता रहा है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे तो केवल अमेरिकी नागरिकों के लिए पहले से जारी स्वास्थ्य लाभ में की गई कटौती वापस करवाना चाहते हैं।

अमेरिका के भरोसे नहीं चलेगा, युद्ध के लिए कमाई के नए रास्ते पर यूक्रेन: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और लंबा खिंचता हुआ नजर आ रहा है। इसी बीच अब यूक्रेन भी इस युद्ध में अपने पैर मजबूत करने के लिए दूसरे देशों से मिलने वाली मदद के बजाय खुद से कमाई करने के रास्ते खोज रहा है। पिछले तीन सालों में अपने देश में रक्षा उद्योग को बड़े स्तर पर तैयार कर चुका यूक्रेन अब यहां से निर्यात की संभावना तलाश रहा है, जिससे यह उद्योग उसकी सैन्य शक्ति के साथ-साथ आर्थिक शक्ति को भी बढ़ा सकें। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोमवार को ऐलान किया कि बर्लिन और कोपेनहेगन में यूक्रेन अपने कार्यालय खोलेगा। इसके तहत हथियारों के निर्यात और उन देशों में इनके संयुक्त निर्माण पर चर्चा होगी। यूक्रेनी सरकार के मुताबिक इस कदम का उद्देश्य यूक्रेन को एक सहायता प्राप्त करने वाले देश से हाईटेक हथियारों का निर्यात करने वाले देश के रूप में बदलना है। रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन को यूरोप और अमेरिका ने काफी हद तक मदद दी है। हालांकि, युद्ध के इस समय में यूक्रेन ने खुद भी हथियारों के घरेलू उत्पादन में बढ़त हासिल की है। विशेष रूप से ड्रोन और मिसाइलों को बनाने में यूक्रेन ने महारत हासिल कर ली है।

हथियार बेचेगा यूक्रेन : ऐसे में कीव में पत्रकारों से बात कर रहे जेलेंस्की ने अपनी आगे की रणनीति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हमारा यह फैसला उन हथियारों के निर्यात और सह उत्पादन के बारे में है, जिन्हें हम खुद बना और बेच सकते हैं। अगर हम इन्हें बेचने में सफल होते हैं, तो हमारे पास उत्पादन बढ़ाने के लिए ज्यादा पैसे होंगे और इससे हम दूसरे हथियार भी खरीद सकते हैं।' जेलेंस्की ने कहा कि हमारा उद्देश्य बाहरी आपूर्तिकर्ताओं पर से अपनी निर्भरता को कम करना है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यूक्रेन का एक हथियार निर्यातक के रूप में स्थापित होने का प्रयास करना यूरोप और यूक्रेन दोनों के लिए फायदेमंद है। क्योंकि इस साझेदारी के बढ़ने पर यूरोप को रूसी हथियारों से डिफेंस की टेक्नोलॉजी हासिल करने में मदद मिलेगी। इन साझेदारियों को यूक्रेन के लिए आर्थक जड़ी-बूटी की तरह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगर यह हो जाता है, तो यूक्रेन के पास आय का एक महत्वपूर्ण जरिया तैयार हो सकता है।

जेलेंस्की चाहें कितने ही प्रयास क्यों न कर लें, लेकिन आज के समय की सच्चाई यही है कि उन्हें कदम-कदम पर अमेरिका की जरूरत रही है। ऐसे में हथियार बेचने का सपना देख रहे जेलेंस्की ने इस बात का खुलासा किया कि अगले हफ्ते यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। यहां पर यूक्रेन-अमेरिका ड्रोन संबंधी सौदे पर आगे की बातचीत की जाएगी। कीव को उम्मीद है कि यह समझौता ट्रम्प प्रशासन के साथ संबंधों को और गहरा करेगा और यूक्रेन के बढ़ते ड्रोन क्षेत्र में हाईटेक मैन्यूफैक्चरिंग क्षमताएँ लाएगा।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, रूस से जारी युद्ध ने यूक्रेन को मानव रहित ड्रोन्स, एयर डिफेंस का एक मजबूत खिलाड़ी बना दिया है। ऐसा खिलाड़ी जो इनके नए रास्ते देने वाला बन गया है। यूक्रेन इस समय पर रूस पर सटीक हमलों के लिए अपने इन्हीं ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहा है। अगर अमेरिका के साथ ड्रोन्स से जुड़ा सौदा हो जाता है, तो यूक्रेनी मशीनों को अमेरिकी टेक्नोलॉजी मिल सकती है, जिससे यह और भी ज्यादा शक्ति शाली हो जाएंगे। हालांकि, यूक्रेन के लिए हथियारों का एक्सपोर्ट करना या किसी और देश में जाकर बनाना आसान नहीं है। क्योंकि युद्ध की जरूरत के अलावा रक्षा उद्योग पर ज्यादा दबाव डालना हानिकारक हो सकता है। फिर भी जेलेंस्की का यह निर्णय यूक्रेन के लिए एक नए बदलाव का संकेत है। युद्ध के मैदान में टिके रहने का हौसला देने वाले यह हथियार अब आर्थिक मैदान पर भी यूक्रेन की सहायता देंगे।

पश्चिम बंगाल के नदिया में पुलिस और बीएसएफ जवानों के बीच झड़प

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चापड़ा थाना क्षेत्र में हुई, जहाँ पुलिस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों के बीच झड़प हो गई। यह पूरी घटना कफ सिरप की तस्करी की एक बड़ी खेप से जुड़ी हुई थी। लगभग 11 पेटी कफ सिरप एक वाहन में करीमपुर क्षेत्र से चापड़ा की ओर ले जाया जा रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली और उन्होंने शिमनगर में नाकाबंदी की। तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए और कफ सिरप की पेटियां मौके पर छोड़ दीं। जब पुलिस जब्ती की कार्रवाई कर रही थी, तभी बीएसएफ के जवान मौके पर पहुँचे और सिरप की खेप को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। बीएसएफ जवानों ने दावा किया कि यह क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में आता है और तस्करी सीमा से संबंधित है, इसलिए जब्ती का अधिकार उन्हें है। लेकिन पुलिस ने तर्क दिया कि सूचना उनके पास थी और कार्रवाई स्थानीय थाने की जिम्मेदारी है। इसी गलतफहमी और क्षेत्रीय अधिकारों को लेकर मतभेद के चलते दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई, जो हाथापाई में बदल गई। इस झड़प में एक पुलिस अधिकारी सहित तीन लोग घायल हुए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद एक बीएसएफ जवान को हिरासत में लिया, लेकिन पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। इसके बाद स्थिति को संभालने नदिया जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि मामले की जांच जारी है।

हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर शराब के नशे में पहुंचा शख्स... सेवादारों ने पकड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के मौके एक व्यक्ति नशे की हालत में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर पहुंचा। जब मौके पर मौजूद लोगों और सेवादारों ने व्यक्ति से पूछा कि क्या शराब पी रखी है, तब बेझिझक जवाब दिया- हां, मैंने दारू पी है और मैं पीता हूं। वीडियो बना लो, गुरु मेरा राखा है। मैं किरपाण पहनकर पीता हूं। शख्स ने खुद को गुरसिख बताकर कहा कि वह हरियाणा के करनाल का रहने वाला है और पिछले तीन महीनों से अमृतसर में रह रहा है। लोगों का कहना है कि, व्यक्ति शराब के नशे में धुत होकर अनुचित व्यवहार करने लगा। मौके पर मौजूद सेवादारों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पकड़कर पवित्र परिसर से बाहर निकाल दिया। श्रद्धालुओं ने कहा कि समय पर रोक न लगाई जाती, तब वह अंदर जाकर कोई अनुचित हरकत कर सकता था। घटना से श्रद्धालुओं में रोष है और सभी ने कहा कि हरमंदिर साहिब की पवित्रता से समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर एक व्यक्ति नशे की हालत में पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह शराब के नशे में धुत होकर श्रद्धालुओं के बीच अनुचित व्यवहार करने लगा। आसपास मौजूद सेवादारों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कार्रवाई की और उसे पकड़ लिया, ताकि वह परिसर के अंदर प्रवेश न कर सके।

मदरसे से निकले लाखों के नकली नोट का मास्टरमाइंड निकला डॉ प्रतीक

-पुलिस ने निलंबित डॉक्टर की संपत्ति को किया सीज

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में मदरसे से निकले 20 लाख के नकली नोट के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने दावा किया है कि बुरहानपुर के निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे ही इस नकली नोट कांड का असली मास्टरमाइंड है। प्रतीक नवलखे की संपत्ति सीज कर दी गई है। महाराष्ट्र की मालेगांव पुलिस ने हरिपुरा निवासी जुबेर अंसारी को 29 सितंबर को 10 लाख रुपए के नकली नोटों के साथ पकड़ा था। मामला सामने आने के बाद खंडवा जिले के पेठिया जहां जुबेर एक मस्जिद में इमाम था, वहां के मुस्लिम लोगों ने पुलिस बुलाकर उसके कमरे की तलाशी करवाई। तलाशी में मदरसे से 19.87 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। अब इस मामले में बुरहानपुर के निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे का नाम सामने आया, जो इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। इसके बाद बुरहानपुर पुलिस ने इतवारा गेट स्थित निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे संपत्ति को सीज कर दिया है। बुरहानपुर के एसपी ने बताया कि महाराष्ट्र में डॉक्टर प्रतीक के खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही बुरहानपुर में उसके मकान को सीज कर दिया है। यह कार्रवाई जांच समिति को जांच में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए भीड़, देवरिया में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी

देवरिया(एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर स्नान के लिए भीड़ उमड़ी है। देवरिया में सरयू नदी में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। महिलाएं चिल्लाने लगीं। श्रद्धालुओं को डूबता देख घाट पर मौजूद गोताखोर और नाविक नदी में कूद गए। जैसे-तैसे महिलाओं और डूब रहे श्रद्धालुओं को रस्सी के सहारे बचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सरयू का बहाव तेज था। नाव भी ओवरलोड थी। तभी बीच धारा में पहुंचते ही नाव डगमगा गई और पलट गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां हादसा हुआ वहां नदी की गहराई 20 फीट से ज्यादा थी। वहीं कार्तिक पूर्णिमा पर काशी और प्रयागराज में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं। अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर भी 5 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ रही। यहां हनुमान गढ़ी में दर्शन के लिए भक्तों की एक किमी लंबी लाइन लगी है। अमरोहा, हापुड़ और बरेली के घाटों पर भी स्नानार्थियों का सैलाब उमड़ा। अमरोहा-हापुड़ में 40-40 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। बदायूं में भक्त बैलगाड़ी से गंगा स्नान करने पहुंचे। उधर, काशी की देव दिवाली को देखने के लिए 40 से ज्यादा देशों के लोग पहुंचे हैं।

गोपालगंज में जेडीयू-कांग्रेस समर्थकों में झड़प, चाकूबाजी में एक घायल

पटना(एजेंसी)। बिहार चुनाव के बीच गोपालगंज जिले के गोपालपुर इलाके में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और कांग्रेस पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प हुई है। यह झड़प जदयू उम्मीदवार अमरेंद्र कुमार उर्फ पप्पू पांडेय और कांग्रेस उम्मीदवार हरिनारायण कुशवाहा के समर्थकों के बीच हुई। हिंसक झड़प में एक युवक, जो कांग्रेस समर्थक बताया जा रहा है, गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिहार में चुनाव... तमिलनाडु, पंजाब से लेकर तमाम कारखानों में काम पड़ गया सुस्त

इस बार मतदान करने बड़ी तादाद में बिहार लौटे मजदूर

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनावों की गूंज सैकड़ों किलोमीटर दूर दूसरे राज्यों में भी साफ सुनाई दे रही है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को चुनाव होने हैं, जिसमें 7.40 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता हैं। चुनाव बिहार में हो रहे हैं लेकिन तमिलनाडु के कपड़ा कारखानों से लेकर पंजाब के तमाम कारखानों तक कई राज्यों में कारोबार सुस्त पड़ गए हैं। इसका सीधा कारण बिहारी कामगार मजदूर हैं, इनके बल पर कई राज्यों में उद्योग और दूसरे धंधे चलते हैं। इन राज्यों में काम करने वाले 30 से 60 प्रतिशत बिहारी कामगार 25 अक्टूबर से शुरू हुए छठ पर्व के लिए अपने राज्य लौटे थे और 11 नवंबर को विधानसभा चुनाव में मतदान करने के बाद ही लौटने वाले हैं। उद्योग जगत के कई सूत्रों ने बताया कि लोकसभा चुनावों या स्थानीय निकाय चुनावों में ऐसा नहीं होता था। लेकिन विधानसभा चुनावों के लिए बिहारी कामगारों के जत्थे के जत्थे लौट गए हैं, जिससे सभी प्रमुख औद्योगिक राज्यों में निर्माण, उत्पादन एवं परिवहन क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। उदाहरण के लिए तिरुपुर में बिहार के 2.5 लाख लोग काम करते हैं। तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टेमा) के अध्यक्ष एम मुत्तुरत्नम ने कहा, 'हमारे काम पर असर पड़ा है, क्योंकि 2.5 लाख लोगों में 50-60 प्रतिशत इस बार बिहार वापस चले गए हैं। कई लोगों को उनके रिश्तेदार और दूसरे लोगों ने टिकट भेजकर बुलाया है।' ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों सहित असंगठित श्रमिकों के जो आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक काम की तलाश में दूसरे राज्यों का सबसे अधिक रुख उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग ही करते हैं। इसमें बिहारी मजदूर करीब 3 करोड़ हो चुके हैं। तिरुपुर अकेला नहीं है, जहां औद्योगिक गतिविधियां रुक गई हैं।

दक्षिण भारत की एक बड़ी सीमेंट कंपनी के आला अधिकारी ने बताया कि बिहार में चुनाव के कारण आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में निर्माण और दूसरी बुनियादी गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं। सीमेंट की मांग में भारी गिरावट दिख रही है। उद्योग जगत के दूसरे लोगों के मुताबिक इसकी वजह बिहार चुनाव के इस बार के मुद्दे हैं, जिसमें बेरोजगारी, गरीबी और पलायन की सबसे ज्यादा बात हो रही है। प्रवासियों के बीच काम करने वाले एनजीओ के मुताबिक इससे पहले कभी बिहारी कामगार चुनाव के दौरान इतनी बड़ी तादाद में नहीं गए थे। उनके जाने से निर्माण गतिविधियों और केरल में फुटवियर जैसे प्रमुख उद्योगों पर भी असर पड़ा है।'

तमिलनाडु में शिव मंदिर में जीर्णोद्धार के दौरान मिले 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के

तिरुवन्नामलाई (एजेंसी)। तमिलनाडु के एक मंदिर में कुछ ऐसा हुआ, इसके बाद पूरे इलाके में हलचल मच गई। दरअसल, तिरुवन्नामलाई में जाव्वदु पहाड़ियों के पास स्थित शिव मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के दौरान 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के मिले हैं। पुलिस ने बताया कि मंदिर में निर्माण कार्य के दौरान जमीन के अंदर से अचानक खटखट की आवाज आई और जब मिट्टी हटाकर देखा गया, तब सोने के सिक्के थे। बता दें कि तिरुवन्नामलाई जिले में जाव्वदु पहाड़ियों के निकट बसे एक प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान पुरातात्विक खजाने का अनमोल नगीना मिला है। मिट्टी के एक घड़े से बरामद 103 सोने के प्राचीन सिक्के न केवल स्थानीय इतिहासकारों को उत्साहित कर रहे हैं, बल्कि चोल साम्राज्य की समृद्ध विरासत को फिर से जीवंत कर रहे हैं। पुलिस ने इस खोज की पुष्टि की, जो तमिलनाडु के धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ रही है। दरअसल, कोविलूर में शिवन मंदिर में मुख्य देवता के गर्भगृह के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान तीन नवंबर को मिट्टी के एक घड़े से सोने के 103 प्राचीन सिक्के बरामद हुए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'सोमवार को निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी के घड़े से लगभग 103 सोने के सिक्के मिले। उन्होंने कहा कि यह मंदिर कई सदियों पुराना है और माना जाता है कि चोल सम्राट राजराजा चोलन तृतीय के समय में बनाया गया था। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग और हिंदू धार्मिक तथा धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया और उन्होंने सिक्कों को अपने अभिरक्षण में ले लिया।

क्यों नहीं मिल रहा जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा... गवर्नर खान ने बताया

जम्मू (एजेंसी)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान इन दिनों जम्मू और कश्मीर में हैं। यहां उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के राज्य का दर्जा बहाली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सब चाहते हैं कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले, लेकिन इसके लिए हालात सामान्य होना जरूरी है।

बिहार के गवर्नर खान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी इच्छा है कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाए। लेकिन, इसके लिए जरूरी है कि इस केंद्र शासित प्रदेश में हालात बिल्कुल सामान्य हो जाएं। उन्होंने श्रीनगर में कहा, हम सब फिक्रमंद हैं...हम सब चाहते हैं कि नॉर्मल हालात हों...सबकी ख्वाहिश ये है...पूरे हिंदुस्तान की ख्वाहिश ये है...प्रधानमंत्री की है कि कश्मीर राज्य की हैसियत से खुद अपना सबकुछ तय करे...लेकिन, ये हालात नॉर्मल करना होगा। ये आप और हमारा काम है कि हम वहां हालात पैदा कर सकें कि जिस तरह से नॉर्मल कानून सब जगह चल रहा है, उस तरह से कश्मीर में भी चले।

बता दें कि केंद्र का संसद से लेकर सार्वजनिक स्तर पर और अदालत तक में इस मुद्दे पर यही रुख रहा है कि समय आने पर जम्मू और कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी श्रीनगर में सार्वजनिक तौर पर यह भरोसा दे चुके हैं। लेकिन, इसके लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। जबकि, प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस से लेकर अन्य राजनीतिक दल इस लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। 18 अक्टूबर, 2025 को पटना में एक प्रेस कांफ्रेंस में जब गृहमंत्री से जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के उस बयान की ओर इशारा किया गया कि उनकी सरकार बनने के एक साल बाद भी राज्य का दर्जा नहीं मिलने से जम्मू और कश्मीर और दिल्ली के बीच एक खाईबनी हुई है।

रक्षा क्षेत्र में मिल-जुलकर की गई खोज सबसे मजबूत सुरक्षा कवच : सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आज दुनिया में कई तरह के खतरे हैं और ये तेजी से बदल रहे हैं। इसके बाद कोई भी देश अपने दम पर सुरक्षित नहीं रह सकता। अब सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में मिलजुलकर की गई खोज (इनोवेशन) ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। जनरल द्विवेदी ने यह बात एक कार्यक्रम में कही। इस कार्यक्रम में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ और उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। इस दौरान सेना प्रमुख ने कहा कि सेना अब ड्रोन युद्ध, क्वांटम टेक्नोलॉजी, 6जी और स्पेस मिशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। हम इसतरह की तकनीकों पर काम कर रहे हैं जो नागरिक और सैन्य दोनों जगह उपयोगी हों।

जनरल द्विवेदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को आर्थिक मजबूती मिली है, अब सेना को काम करने में ज्यादा आजादी और लचीलापन मिल रहा है। इसका कारण नए हथियार और तकनीक को शामिल करने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य में होने वाली लड़ाई में मशीनें और टेक्नोलॉजी का बड़ा रोल होगा। सेना अब पूरी तरह ऑटोमेशन और मैन-अनमैन्ड टीम्स की तरफ देख रही है। इससे सैनिकों की उतनी ही संख्या से हमें ज्यादा काम मिल सके। यह तभी हो पाएगा, जब उद्योग हमारे साथ मिलकर नई तकनीक दें। आने वाले समय में युद्ध किसी एक तरीके या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य की जंग इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपने विचारों को कितनी जल्दी असली ताकत और क्षमता में बदल पाते हैं। विचार से क्षमता तक पहुंचने का मतलब है कि निर्भरता से आत्मनिर्भरता और फिर आत्मनिर्भरता से शक्ति हासिल करना। भारत ने कई आधुनिक हथियार बनाए हैं, जैसे आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, एटीएजीएस तोप और जोरावर लाइट टैंक। ये उदाहरण बताते हैं कि भारत अब रक्षा के क्षेत्र में अपने दम पर मजबूत हो रहा है। अब बेशक लड़ने का तरीका बदल गया है और अब झगड़े सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहते। लेकिन चाहे युद्ध जैसा भी हो, अंत में जमीन ही जीत का असली पैमाना होती है, यही असली सफलता तय करती है।

इस देश में 'गजवा-ए-हिंद' नहीं, 'भगवा-ए-हिंद' होगा, धीरेंद्र शास्त्री का बड़ा बयान

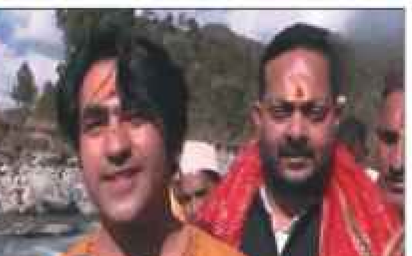

नई दिल्ली (एजेंसी)। आध्यात्मिक गुरु और बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने कवि कुमार विश्वास के साथ बुधवार को उत्तरकाशी के बडकोट में यमुना नदी के किनारे पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने नदी की शुद्धता पर चिंता जताते हुए एक बड़ी 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' की घोषणा की।

मां यमुना की शुद्धता पर जताई चिंता : यमुना तट पर पूजा के बाद, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने नदी की शुद्धता देखकर हैरानी जताई और ब्रज क्षेत्र तथा दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) में इसके प्रदूषित रूप पर दुख व्यक्त किया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'यहां, मां यमुना का पानी सोने जैसा एकदम शुद्ध है। मां यमुना का यह रूप देखकर, मुझे हैरानी हुई कि ऐसी पवित्रता ब्रज क्षेत्र और दिल्ली में क्यों नहीं मिलती। यह देखकर मेरा दिल बैठ गया।' उन्होंने यमुना को उसके मूल शुद्ध रूप में वापस लाने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' का ऐलान : आध्यात्मिक गुरु आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू एकता के उद्देश्य से एक बड़ी पदयात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा 7 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक चलेगी, जिसका मार्ग दिल्ली से वृंदावन होगा। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को एक साथ लाना और सनातनियों को एकजुट करना है। इस दौरान, शास्त्री ने दृढ़ता से कहा कि इस देश में कोई 'तनातनी' नहीं होगा, सिर्फ 'सनातनी' होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में राजनीतिक और धार्मिक रूप से तीखे बयान भी दिए, जिसमें उन्होंने कहा, 'इस देश में कोई 'गजवा-ए-हिंद' नहीं होगा, सिर्फ 'भगवा-ए-हिंद' होगा। राम का साथ देने वालों की जयकार होगी, राम का विरोध करने वालों की नहीं।'

जब सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट तो दलित रेजिमेंट क्यों नहीं?

-कांग्रेस नेता उदित ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की है। उनका कहना है कि जब राजपूत रेजिमेंट है, तो अन्य रेजिमेंट्स भी होना संभव है। इसके अलावा उन्होंने सवाल उठाया है कि देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों, न्यायपालिका में एक भी दलित प्रमुख नहीं है। मंगलवार को ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि भारतीय सेना देश की 10 फीसदी आबादी के नियंत्रण में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना में जाति की बात करने के सवाल पर राज ने कहा, क्या सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट नहीं है? चमार रेजिमेंट थी, लेकिन अंग्रेजों ने खत्म कर दी, क्योंकि ईमानदारी से लड़े थे। इसे बहाल क्यों नहीं किया गया। क्या बात है, वहां लड़ने की ही बात है और क्या है। उन्होंने कहा कि वहां एक तरह से ग्रुप बना रखा है। किस आधार पर प्रमोशन होता है, किस आधार पर? पहले तमाम रेजिमेंट थीं, महार रेजिमेंट था। खत्म कैसे हुआ। जब आपका राजपूत रेजिमेंट हो सकता है, तो दलित क्यों नहीं हो सकता।

इससे पहले कांग्रेस नेता ने कहा कि 48 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। एक भी दलित कुलपति नहीं है। यही स्थिति न्यायपालिका में और कॉर्पोरेट जगत में है...। एक फीसदी आबादी के पास दुनिया की आधी से ज्यादा संपत्ति है। भारत में असमानता तेजी से बढ़ रही है...।

वहीं बिहार के कुटुम्बा में रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि अगर आप करीब से देखेंगे, तो देश की 90 फीसदी आबादी दलित, महा दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा या अल्पसंख्यक समुदाय से है। 90 फीसदी लोग समाज के अति पिछड़ा और आदिवासी वर्ग से आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप भारत की 500 बड़ी कंपनियों की लिस्ट निकालेंगे, तो आपको कोई भी पिछड़ा या दलित समुदाय से वहां नहीं मिलेगा। वह सभी शीर्ष 10 फीसदी से आते हैं। सभी नौकरियां उन्हें मिलती हैं। सशस्त्र बलों पर उनका नियंत्रण है। आपको कहीं भी 90 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा।

खजुराहो पहुंचे राकेश किशोर ने एएसआई पर लगाया, हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप

छतरपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले दिल्ली के वकील डॉ. राकेश किशोर कुमार दो दिन से खजुराहो में हैं। उन्होंने बुधवार सुबह करीब 10 बजे खजुराहो के जवारी मंदिर में प्रार्थना की। उन्होंने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) पर हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनके साथ राम राज मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज ऋषि राजेंद्र सिंह नरूका, श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस मथुरा के मुख्य पक्षकार कौशल किशोर ठाकुर और अन्य धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

एएसआई अधिकारी दीक्षांत चावरे ने पूजा के बाद सभी लोगों को मंदिर खाली करने के लिए कहा। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि खजुराहो के सभी स्मारक आम पर्यटकों के लिए खुले हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की पूजा, अर्चना, ध्यान या योग करना मना है। उन्होंने कहा कि राकेश किशोर या उनके सहयोगियों ने इसके लिए कोई परमिशन नहीं ली थी और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खंडित प्रतिमा पर बयानः राकेश किशोर ने जवारी मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित प्रतिमा के सामने प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि वह मूर्ति की पुनर्स्थापना और अपनी मांगें पूरी होने के बाद ही माल्यार्पण करेंगे। उनका कहना था कि मूर्ति खंडित नहीं होती, मानसिकता खंडित होती है। उन्होंने मांग की कि मूर्ति के शीश को जोड़कर और बगल में एक छोटी मूर्ति स्थापित करके पूजा योग्य बनाया जाए। उन्होंने भोजपुर मंदिर के शिवलिंग और संभल की मस्जिद का उदाहरण देकर एएसआई पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं राकेश किशोर ने 1958 में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए एक्ट को बदलने की आवश्यकता बताकर कहा कि मूर्तियों की पुनर्स्थापना और पूजा पाठ पहले किया जाना चाहिए, उसके बाद कानून लागू होना चाहिए।

प्रकाश पर्व के बहाने सिखों और हिंदुओं में फूट डालने की कोशिश

-पाकिस्तान ने सिखों का किया स्वागत पर हिंदू श्रद्धालुओं को नही दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वो किसी न किसी बहाने भारत में फूट डालने के प्रयास करता रहा है। श्री गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर पाकिस्तान ने कुछ इसी तरह की हरकत की है। दरअसल,पर्व में शामिल होने के लिए भारत से पहला सिख जत्था पाकिस्तान पहुंच गया। इस दौरान पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने सिखों का तो फूलों से स्वागत किया, लेकिन हिंदू श्रद्धालुओं को सीमा पार करने की इजाजत नहीं दी। यह कदम भारत के लिए न केवल अभूतपूर्व माना जा रहा है, बल्कि इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हिन्दुओं और सिखों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, हिंदू श्रद्धालुओं ने वाघा बॉर्डर पर सभी इमिग्रेशन और यात्रा औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं। वे ननकाना साहिब जाने वाली विशेष बस में सवार होने ही वाले थे कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अचानक उन्हें रोक दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के श्रद्धालु अमरचंद ने बताया कि वह अपने सात परिजनों के साथ यात्रा पर थे। उन्होंने कहा, 'हमने अटारी बॉर्डर पार किया, वाघा पहुंचे, सारी इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी की और टिकट भी ले ली। लेकिन बस में चढ़ने से ठीक पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा, 'आप हिंदू हैं, आप सिख जत्थे के साथ नहीं जा सकते।' इसी तरह लखनऊ से आए सात श्रद्धालुओं का समूह भी लौटने को मजबूर हुआ। भारतीय अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को 'चौंकाने वाला और निंदनीय' बताया है। उनका कहना है कि यह पहला मौका है जब धार्मिक यात्रियों को उनके धर्म के आधार पर अलग किया गया और रोक दिया गया।

उधर भारतीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की यह कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। एजेंसियों का कहना है कि यह रवैया गुरुद्वारा दरबार साहिब, करतारपुर साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ भी अपनाया जा सकता है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से करतारपुर कॉरिडोर भी बंद है।

इस बार पाकिस्तान के उच्चायोग ने 2,100 से अधिक श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया था, लेकिन केवल 1,796 सिख श्रद्धालु ही सीमा पार कर सके। करीब 300 श्रद्धालुओं को प्रोटोकॉल नियमों का पालन न करने पर रोक दिया गया, जिसके बाद उन्होंने सीमा पर विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन बाद में उन्हें लौटना पड़ा। वहीं

पाकिस्तान पहुंचे सिख श्रद्धालुओं का लाहौर में पंजाब प्रांत के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा और पाकिस्तान इवैक्यू ट्रस्ट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान का यह रवैया न केवल धार्मिक यात्राओं की भावना के विपरीत है, बल्कि इससे भारत-पाक धार्मिक कूटनीति पर भी असर पड़ सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय से उम्मीद की जा रही है कि वह इस घटना को लेकर इस्लामाबाद से औपचारिक विरोध दर्ज कराएगा।